आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.22
सूर्यास्त 06.21

# अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष एकादशी उपरांत 09:16 द्वादशी विक्रम संवत 2083

रविवार, 15 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 37, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

- सेबी चेयरमैन की सलाह अनिश्चित माहौल में धैर्य बनाए रखें निवेशक
- 6

- 29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू हुई कॉमर्शियल एलपीजी की बिक्री
- 6

- भाजपा की सरकार बनने पर दो वर्ष में पंजाब को करेंगे नशामुक्त : अमित शाह
- 7

- आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी का हो सकता है यह अंतिम सत्र
- 8

KRISHNA PUBLIC SCHOOL LUCKNOW

KRISHNA PUBLIC INTER COLLEGE

ICSE/ISC BOARD NEW DELHI

Admission Open
2026-27
NURSERY TO XII

FEATURES
- Extra Activity Classes.
- Focus On Every Child.
- Indoor & Outdoor Games.
- Computer Educating From Beginning.
- Most Modern Infrastructure With All Basic Facilities.
- Activity Based Education With Latest Teaching Aids.
- Wide Transport Network With Reasonable Charges.
- Computer Basic & Advance, Stitching, Embroidery

शिक्षामंत्री द्वारा छात्रा को बोर्ड परीक्षा में छठवां स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत करते हुए

ROYAL CITY BIJNAUR ROAD, LKO.
9119905559
PRATAN KHAND 6388163401 | NEW BEHSA 7007967822

मिनर्वा सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल लखनऊ

डॉ. विवेक गुप्ता
MBBS, MS, MCh.
Plastic & Cosmetic Surgeon
भारत के प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में 10 वर्षों से अधिक कार्य अनुभव के साथ, लखनऊ में प्लास्टिक सर्जरी के क्षेत्र में समर्पित और भरोसेमंद नाम।

डॉ. प्रज्ञा गुप्ता
MBBS, MD, DNB, FCG
Obstetrician & Gynecologist
केजीएमयू से प्रशिक्षित, महिलाओं में पीसीओएस, बांझपन और जटिल गर्भावस्था के इलाज में विशेष अनुभव, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की प्रमुख।

डॉ. अमित कु. गौर
MBBS,DCH, DNB, MIAP, PGPN
Paediatrician & Neonatologist
केजीएमयू से प्रशिक्षित, उत्तर प्रदेश में नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए M-NICU और SNCU जैसी उन्नत सुविधाएँ शुरू करने वालों में अग्रणी।

गायनेकोलॉजी
नॉर्मल व सिजेरियन डिलीवरी, जटिल गर्भावस्था की विशेष देखभाल, बांझपन का इलाज
पीसीओएस व हार्मोन समस्या

प्लास्टिक सर्जरी
जलने (बर्न) के बाद सुधार सर्जरी
एक्सीडेंट के बाद चेहरे व शरीर की सर्जरी
सौंदर्य (कॉस्मेटिक) सर्जरी
दाग-धब्बे व जन्मजात विकृति सुधार

जनरल सर्जरी
बिना चीरा (लैप्रोस्कोपिक) पित्ताशय व हर्निया व अपेंडिक्स ऑपरेशन, बवासीर, फिशर व फिस्टुला, पेट की जटिल सर्जरी

पीडियाट्रिक्स
नवजात शिशु की विशेष देखभाल
समय से पहले जन्मे बच्चों का इलाज
टीकाकरण व बच्चों की बीमारियाँ

ट्रामा एवं बर्न
सड़क दुर्घटना (एक्सीडेंट) का इलाज, गंभीर बर्न का उपचार, आपातकालीन सर्जरी सुविधा

इमरजेंसी सेवाएं
अचानक दर्द, ब्लीडिंग व सांस की समस्या
नवजात व गर्भवती की इमरजेंसी देखभाल
बीमार बुजुर्गों की देखभाल, शुगर बीपी सम्बंधित इमरजेंसी




24 घंटे इमरजेंसी
आईसीयू
एनआईसीयू
आधुनिक ओटी
फिजियोथेरेपी
पैथोलॉजी
फार्मेसी
24 घंटे
फिज़िशियन
कैशलेस ट्रीटमेंट
एंबुलेंस सर्विस
बाईपैप, वेंटिलेटर
डायलिसिस सुविधा

5/852, रामभवन के सामने, चन्द्रशेखर आज़ाद पार्क के पास, विराम खंड 5, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 216012
7080143331, 7080213331
www.minnervahospital.com
OT असिस्टेंट, नर्सिंग एवं PRO पदों के लिए अनुभवी स्टाफ अपना CV 7080213331 पर भेजें।
SCAN FOR LOCATION

आर्थो एण्ड न्यूरो पेन क्लिनिक

नसों, जोड़ों, हड्डियों, माँसपेशियों के दर्द व सभी प्रकार की गठिया रोगों के विशेषज्ञ

परामर्श लें एम्स तथा मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के विशेषज्ञ डॉक्टर से

1. किसी भी प्रकार के नसों के दर्द, दबाव या तनाव |
2. हाथ पैरो में झुनझुनी, सुन्नपन, जलन, सुई जैसा चुभना, भारीपन, पैरो के पंजे में मोटा पन या गद्दे जैसा लगना, हाथ या पैरों में चींटी जैसा चलना।
3. आपको घुटने की गठिया (ऑस्टियर्थरिटिस) के कारण घुटना बदलने की सलाह दी गई है और आप नहीं बदलवाना चाहते है |
4. पैरों के पिछले हिस्से (पिंडली) में जकड़न या दर्द होना (टाँस लगना)
5. गर्दन का दर्द, चमक के साथ हाथों में या कमर का दर्द, चमक के साथ पैरों में जाता है |
6. क्या आपको हाथों की उंगलियां, कलाई, कंधे, कोहनी, घुटने या कमर में सुबह उठने पर बहुत जकड़न होती है |
7. क्या आपको वायरल बुखार, डेंगू या चिकनगुनिया का बुखार होने के बाद सारे जोड़ों में बहुत ज्यादा दर्द या जकड़न, अनिन्द्रा एवं नींद सम्बन्धी अन्य बीमारियाँ घुमनी, उल्टी, लड़खड़ाहट और बार-बार गिरना
8. चक्कर आने के साथ गर्दन का दर्द ( सर्वाइकल)। गर्दन का दर्द ऊपर सिर तक जाना। (सर्वाइकल स्पंडीलाइटिस), कंधे (फ्रोजेन शोल्डर) कमर (साइएटिका), कूल्हे, एडी के पीछे या नीचे दर्द चिल्कन या चुभन होना याददाश्त की कमजोरी, पेशाब व लैट्रिन का बिस्तर में छूट जाना।
9. हड्डियों या माँसपेशियों में किसी नयीं या पुरानी चोट का दर्द |
10. शरीर में जगह जगह दर्द, अत्यधिक थकान या कमजोरी (ऑस्टियोपोरोसिंस) |
11. सभी प्रकार के (छोटे या बड़े जोड़ों) की गठिया ( रियमेटोइड आर्थराइटिस, एंक्यलिसिंग स्पंडीलाइटिस, यूरिक एसिड से होने वाली गाउट आर्थराइटिस) |
12. देर तक खड़े रहने या चलने में कमर व पैरों में तेज दर्द होता है |
13. सिर दर्द या माइग्रेन या चेहरे की नसों में दर्द |
14. मधुमेह या हेरपेटिक न्यूरोपैथी या कार्पल टनल सिंड्रोम |
15. पक्षाघात (स्ट्रोक), रीढ़ की हड्डी या सिर की चोट की वजह से आयी कमजोरी लकवा, फालिश, पैरालिसिस, आवाज में लड़खड़ाहट, चेहरे का टेढ़ापन |

एक्स रे कुशल व योग्य फ़िज़ियोथेरेपी तथा फार्मेसी व पैथोलॉजी की सुविधा भी उपलब्ध है

डॉ. आशीष श्रीवास्तव
MBBS MD (KGMU)
Neuro, Ortho and Musculoskeletal Pain Physician
EULAR Certified Rheumatologist
Ex Senior Resident AIIMS
Ex Consultant Medanta Lucknow
Reg No. 60274

CLINIC 1
D3/425, Sec.- H, LDA Colony Opposite Cake And Café Bakery Near Power House Chauraha, Ashiana, Lucknow
Timings- Mon. to Sun. 11:30 AM to 3:30 PM
Sunday Open

CLINIC 2
C 2199, C-Block Near Labour Adda Chauraha Indira Nagar, Lucknow
Timings- Mon. to Sat. 5:30 PM to 9: PM
Sunday Closed

FOR MORE INFORMATION CONTACT
7651828184
9506931363

Macadvertiser.com

## न्यूज ब्रीफ

### कृषि विश्वविद्यालयों के लिए 23.36 करोड़ रुपये मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र के विकास और उच्च शिक्षा व शोध कार्यों को गति देने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 23 .36 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय को 10 .26 करोड़ रुपये, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर को 7 .00 करोड़ रुपये, और आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या को 5 .00 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से जुड़े परियोजनाओं के लिए 1 .08 करोड़ रुपये तथा ई-ऑफिस व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए 2 .50 लाख रुपये जारी किए गए हैं।

### 181 हेल्पलाइन से 8.42 लाख महिलाओं को मिली मदद

**अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को मजबूत करने के उद्देश्य से संचालित 181 महिला हेल्पलाइन संकट की घड़ी में महिलाओं के लिए भरोसेमंद सहारा बनकर उभरी है। वर्ष 2017 से संचालित इस टोल फ्री सेवा के माध्यम से अब तक 8 .42 लाख से अधिक महिलाओं और बालिकाओं को सहायता प्रदान की जा चुकी है। महिलाएं घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, उत्पीड़न या अन्य किसी भी समस्या की स्थिति में 181 नंबर पर कॉल कर तुरंत मदद और परामर्श प्राप्त कर रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार, 181 हेल्पलाइन प्रदेश भर में 24 घंटे सक्रिय रहती है। कॉल सेंटर में तैनात प्रशिक्षित परामर्शदाता महिलाओं की समस्याओं को सुनकर सहायता उपलब्ध कराते हैं। जरूरत पड़ने पर संबंधित विभागों और स्थानीय प्रशासन से भी समन्वय कर समस्या के समाधान की दिशा में कार्रवाई की जाती है। सरकार का कहना है कि यह हेल्पलाइन महिलाओं और बालिकाओं के लिए एक प्रभावी सहायता तंत्र के रूप में काम कर रही है। प्रदेश के किसी भी जिले या गांव से महिलाएं अपनी समस्या साझा कर विशेषज्ञों से सलाह ले सकती हैं।

### नवआरंभ उत्सव 25 से, बालवाटिका में बढ़ेंगे नामांकन

**अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने और छोटे बच्चों को स्कूल से जोड़ने की दिशा में प्रदेश सरकार ने कदम बढ़ा दिये हैं। उक्त क्रम में 25 मार्च को राज्यभर के को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों में 'नवआरंभ उत्सव' आयोजित किया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग की इस पहल का उद्देश्य 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का बालवाटिका में नामांकन बढ़ाना और अभिभावकों को प्रारंभिक शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना है। नीति के अनुसार, वर्ष 2030 तक सभी बच्चों तक प्रारंभिक शिक्षा का लाभ पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नवआरंभ उत्सव के दौरान विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बच्चों और अभिभावकों को बालवाटिका की गतिविधियों और सुविधाओं से परिचित कराया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, डायट, नोडल शिक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नवआरंभ उत्सव के आयोजन के लिए राज्य सरकार ने 1592 .22 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया है। प्रत्येक विद्यालय को लगभग तीन हजार रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोलकाता में आयोजित जनसभा के लाइव प्रसारण को सुनने के लिए भाजपा मुख्यालय पर एकत्र हुए बंगाली समाज के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी व अन्य। अमृत विचार

# बंगाल में भाजपा सरकार बनने से खत्म होगा अत्याचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने बंगाली समाज के साथ सुना प्रधानमंत्री मोदी का सजीव उद्बोधन

**अमृत विचार :** प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री का विकसित बंगाल का विजन प्रेरणादायक है और बंगाली समाज इसे साकार करने का संकल्प ले चुका है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने से लंबे समय से तुष्टिकरण, अत्याचार और भ्रष्टाचार में जकड़ा राज्य विकास की मुख्यधारा से जुड़ेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, शनिवार को कोलकाता में आयोजित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा का भाजपा प्रदेश मुख्यालय में बंगाली समाज के लोगों के साथ सजीव प्रसारण देख रहे थे। उन्होंने कहा कि टीएमसी की पराजय से बंगाल में संत्रास और कटमनी का युग समाप्त होगा और राज्य स्वामी विवेकानंद, बंकिम चंद्र चटर्जी, रवींद्रनाथ टैगोर और सुभाष चंद्र बोस जैसे राष्ट्रनायकों के मार्ग पर आगे बढ़ेगा। इस मौके पर केंद्रीय वित्तराज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बंगाली समाज के लोगों के साथ एक स्वर में उद्घोष किया, बंगाल में परिवर्तन की दरकार, चाहिए भाजपा सरकार।

इस कार्यक्रम में एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के प्रदेश संयोजक एवं महामंत्री सुभाष यदुवंश, महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला, संजय राय, मंत्री अर्चना मिश्रा, शिवभूषण सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, नीरज सिंह और लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में नेता और समाजजन उपस्थित रहे।

### भाजपा जिला समितियों में महिलाओं और युवाओं को मिलेगा प्रतिनिधित्व

**अमृत विचार, लखनऊ :** अगले साल 2027 में होने वाले विधान सभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा में संगठनात्मक फेरबदल की प्रक्रिया जारी है। माना जा रहा है कि समितियों में महिलाओं और युवाओं को प्रतिनिधित्व मिलेगा। इसी क्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने शनिवार को पश्चिम क्षेत्र की जिला समितियों के गठन पर मंथन किया है, मगर किसी भी नाम की घोषणा नहीं की है। इस बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय प्रभारी, पर्यवेक्षक, जिलाध्यक्ष और जिला प्रभारियों ने हिस्सा लिया। पार्टी के राज्य मुख्यालय में संपन्न बैठक के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जिला समितियों के गठन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके लिए पहले जिला स्तर पर पर्यवेक्षक भेजे गए थे, जिन्होंने जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नेताओं, पूर्व जिलाध्यक्षों और कार्यकर्ताओं से संवाद कर योग्य, निष्ठावान और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं की सूची तैयार कर प्रदेश नेतृत्व को सौंपी थी। उन्होंने बताया कि रविवार को बृज क्षेत्र की जिला समितियों के गठन पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

# एलपीजी कालाबाजारी करने वाले 8 गिरफ्तार, 40 एफआईआर दर्ज

## गैस सिलेंडरों की अवैध बिक्री को लेकर प्रदेशभर में की जा रही कड़ी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दो दिनों में प्रदेश के 2,554 स्थानों पर किया गया निरीक्षण और छापेमारी

**अमृत विचार :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में एलपीजी गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध बिक्री पर सख्त कार्रवाई जारी है। खाद्य एवं रसद विभाग तथा जिला प्रशासन की टीमों ने पिछले दो दिनों में प्रदेश के 2,554 स्थानों पर निरीक्षण और छापेमारी की कार्रवाई की। इस दौरान 40 एफआईआर दर्ज की गईं, आठ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और 37 अन्य के खिलाफ अभियोजन कार्यवाही की गई।

मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति लगातार सुनिश्चित की जाए और कालाबाजारी पर कड़ी नजर रखी जाए। इससे उपभोक्ताओं को गैस की नियमित आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी न होने पाए।

प्रदेशभर के 4,108 एलपीजी वितरकों के यहां पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है। उपभोक्ताओं को बुकिंग के अनुसार रिफिल की डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है। भारत सरकार ने कमर्शियल सिलेंडरों की कुल खपत के 20 प्रतिशत तक आवंटन की अनुमति दी है, जिससे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी गैस आपूर्ति प्रभावित नहीं होगी। इस कार्रवाई से न केवल कालाबाजारी करने वालों पर सख्ती दिखाई गई है, बल्कि प्रदेश की एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती भी मिली है।

प्रशासन का मानना है कि सतत निगरानी और जांच के माध्यम से उपभोक्ताओं को नियमित और पारदर्शी आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकती है।

### समस्याओं का त्वरित समाधान

आपूर्ति व्यवस्था की निरंतर निगरानी के लिए प्रदेश के सभी जिलों में 24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारी लगातार फील्ड निरीक्षण कर उपभोक्ताओं को आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। लखनऊ मुख्यालय में भी कंट्रोल रूम सक्रिय है, जहां अधिकारियों की तैनाती से समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है।

### आरटीई के तहत 1.56 लाख बच्चों को निजी स्कूलों में मिला प्रवेश

**अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों को संचालित प्रवेश प्रक्रिया के पहले दो चरणों में 1.56 लाख से अधिक बच्चों को निजी विद्यालयों में दाखिला मिल चुका है।

बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार, प्रथम चरण में लगभग 1.09 लाख सीटों का आवंटन किया गया, जबकि दूसरे चरण की लॉटरी में 47 हजार से अधिक बच्चों को प्रवेश मिला। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से पूरी की गई, जिसमें आवेदन, सत्यापन और लॉटरी प्रणाली के जरिए छात्रों का चयन किया गया। प्रदेश में सबसे अधिक प्रवेश लखनऊ में हुए हैं, जहां पहले चरण में 12,097 और दूसरे चरण में 3,489 बच्चों को सीट मिली।

# तीन माह में बनाए 18 लाख आयुष्मान कार्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बरेली पहले, जौनपुर दूसरे और आगरा तीसरे स्थान पर

**अमृत विचार :** आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत छूटे पात्र लाभार्थियों को जोड़ने के लिए उत्तर प्रदेश में विशेष अभियान चलाया गया है। चलाए गए अभियान के तहत पिछले 3 महीनों में करीब 18 लाख नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। प्रदेश में अब तक कुल 5.64 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिससे करोड़ों परिवारों को सालाना 5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा मिल रही है।

प्रदेश सरकार ने यह विशेष अभियान पहले 25 नवंबर से 25 दिसंबर 2025 तक चलाया था, जिसमें 5.52 लाख से अधिक कार्ड बनाए गए। अभियान की सफलता को देखते हुए इसे 15 जनवरी से दोबारा शुरू किया गया, जो 15 अप्रैल तक चलेगा। 12 मार्च तक इस चरण में 17.94 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।

राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (साचीज) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्चना वर्मा के अनुसार, अभियान के दौरान कार्ड बनाने में बरेली जिला पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर रहा, जहां 1,12,855 कार्ड बनाए गए। जौनपुर 83,042 कार्ड के साथ दूसरे और आगरा 76,702 कार्ड के साथ तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा प्रयागराज 74,252 कार्ड बनाकर चौथे और आजमगढ़ 70,266 कार्ड के साथ पांचवें स्थान पर रहा।

# कार्रवाई : वायरल वीडियो पर वरिष्ठ सहायक निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** बस्ती के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमजोत में वायरल हुए एक वीडियो के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को मामले का तत्काल संज्ञान लिया और निर्देश दिए कि वीडियो के जांच कराई जाए और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

वायरल वीडियो में दिखाए गए क्लर्क प्रदीप श्रीवास्तव पर घूस लेने का आरोप था। उप मुख्यमंत्री के आदेश पर आरोपी वरिष्ठ सहायक को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही, उसे कार्यालय अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य, चित्रकूट धाम मंडल, बांदा में स्थानांतरित किया गया है। साथ ही मंडलीय अपर निदेशक, चित्रकूट धाम को जांच अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने मामले की जांच संबंधी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

# प्रदेश में बन रहे यूनिटी मॉल, जिलों के उत्पादों को मिलेगा वैश्विक मंच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आगरा, वाराणसी और लखनऊ में तेजी से चल रहा निर्माण
- हस्तशिल्प, ओडीओपी और जीआई उत्पादों को मिलेगा बड़ा बाजार

**अमृत विचार :** प्रदेश के पारंपरिक उद्योगों और स्थानीय उत्पादों को नया बाजार उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में 287.56 करोड़ की लागत से तीन आधुनिक 'पीएम यूनिटी मॉल' बनाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार की इस पहल के तहत आगरा, वाराणसी और लखनऊ में इन मॉल का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। इनका उद्देश्य प्रदेश के 75 जिलों के ओडीओपी और जीआई-टैग उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ना है।

सरकार का मानना है कि इन मॉल के माध्यम से कारीगरों, महिलाओं और युवाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित और बेचने के लिए स्थायी मंच मिलेगा। इससे पारंपरिक हस्तशिल्प और कुटीर उद्योगों को नया जीवन मिलने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। प्रदेश के कारीगरों को बड़ा बाजार मिलने से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिलने के साथ पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

### फिनिशिंग और प्रशासनिक ब्लॉक का ढांचा तैयार

**अमृत विचार :** लखनऊ के अवध शिल्पग्राम में करीब 4 .86 एकड़ क्षेत्र में 64 करोड़ रुपये की लागत से यूनिटी मॉल बनाया जा रहा है। परियोजना के तहत दुकानों की फिनिशिंग और प्रशासनिक ब्लॉक का ढांचा तैयार हो चुका है और अन्य निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। इसके जून 2026 तक पूरा होने की संभावना है।

आगरा के शिल्पग्राम क्षेत्र में करीब 11 .53 एकड़ भूमि पर लगभग 128 .85 करोड़ रुपये की लागत से यूनिटी मॉल का निर्माण किया जा रहा है। यहां बेसमेंट और फाउंडेशन से जुड़े कई निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं।

वाराणसी के गंगानगर कॉलोनी क्षेत्र में लगभग 154 .71 करोड़ रुपये की लागत से 1 .46 एकड़ भूमि पर यूनिटी मॉल विकसित किया जा रहा है। यहां बनारसी साड़ी, जरी-जरदोजी, लकड़ी के खिलौने और रुद्राक्ष जैसे पारंपरिक उत्पादों को प्रदर्शित और बिक्री के लिए विशेष स्थान मिलेगा।

# चुनावी स्वार्थ के कारण कांग्रेस सपा मना रहे कांशीराम जयंती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कांग्रेस पार्टी ने सरकार में रहते नहीं दिया भारत रत्न : मायावती

**अमृत विचार:** बसपा प्रमुख मायावती ने कांग्रेस की ओर से कांशीराम को भारत रत्न दिए जाने की मांग पर कड़ा प्रतिवाद किया है। उन्होंने कहा कि सभी को पता है कि कांग्रेस काफी वर्षों तक केंद्र की सत्ता पर काबिज रही। लेकिन फिर भी उसने संविधान निर्माता डॉ. बीआर आंबेडकर और बसपा संस्थापक कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया। ऐसे में अब कांग्रेस कांशीराम को कैसे भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित कर सकती है। उन्होंने कहा कि गिरगिट की तरह रंग बदलकर चुनावी स्वार्थ के कारण सपा और कांग्रेस कांशीराम की जयंती मना रहे हैं।

बसपा प्रमुख ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जब कांशीराम का निधन हुआ था, उस समय केंद्र में कांग्रेस की सरकार और यूपी में सपा की सरकार थी। फिर भी कांग्रेस और सपा सरकार ने एक भी दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया था। अब यह पार्टियां तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर कांशीराम द्वारा बनाई गई बसपा को कमजोर करने में लगे हुए हैं। उन्होंने साफ कहा कि कांग्रेस की दलित विरोधी मानसिकता के कारण ही कांशीराम को बसपा बनानी पड़ी थी।

### बसपा आज प्रदेशभर में मनाएगी कांशीराम जयंती

**अमृत विचार, लखनऊ :** बसपा की ओर से रविवार को प्रदेश भर में पार्टी संस्थापक कांशीराम की जयंती मनाई जाएगी। पश्चिमी यूपी के छह मंडलों के कार्यकर्ता नोएडा में एकत्र होंगे, वहीं लखनऊ समेत प्रदेश के हर जिले में जयंती के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान अनुसूचित जातियों की एकता और उनके विकास के मुद्दे पर बात की जाएगी। बसपा प्रमुख मायावती ने सभी कार्यकर्ताओं को शनिवार को निर्देश जारी किए। कहा कि पूरे प्रदेश में जयंती के कार्यक्रमों को विशेष रूप से सफल बनाया जाए। उन्होंने आगाह किया कि जातिवादी और संकीर्ण जातिवादी सोच की राजनीतिक पार्टियां अवसरवादी फैशन के तहत अनुसूचित जाति के लोगों को गुमराह करना चाहती हैं। लेकिन जब यह लोग सत्ता में थे तो इन्होंने संवैधानिक व्यवस्था को पूरी तरह से पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिया था। ऐसे अवसरवादियों से बहुजन समाज के लोग चौकन्ने रहें।

# विद्युत विभाग में वर्टिकल व्यवस्था फेल : समिति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राजस्व घटा गर्मियों में लड़खड़ा सकती है आपूर्ति

**अमृत विचार:** राज्य विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में देने के लिए थोपी गई वर्टिकल व्यवस्था पूरी तरह फेल है। टेक्निकल कार्य देख रहे इंजीनियरों को राजस्व कार्य में लगा दिया गया, जिससे बिजलीघरों का मेंटेनेंस प्रभावित हो रहा है। इसके चलते जहां राजस्व घट रहा है, वहीं गर्मियों में बिजली व्यवस्था लड़खड़ाने का खतरा पैदा हो गया है।

समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों की शनिवार को विभाग के फील्ड हास्टल में बैठक हुई। इस दौरान संयोजक ने पावर कारपोरेशन प्रबंधन द्वारा मनमाने ढंग से लागू की गई इस व्यवस्था को पॉलिसी पैरालिसिस करार दिया। बताया कि नई व्यवस्था के तहत 11 केवी और 33 केवी लाइनों व सब-स्टेशनों के मेंटेनेंस का कार्य, राजस्व वसूली, कमर्शियल कार्य तथा मीटरिंग का कार्य अलग-अलग कर दिया गया। इसका सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह हुआ कि पहले जहां एक सहायक अभियंता 3-4 सब-स्टेशन संभालता था, वहीं अब उसे 8-10 सब-स्टेशन देखने पड़ रहे हैं। इसी प्रकार जूनियर इंजीनियरों पर भी कार्यभार कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने प्रबंधन से तुरंत ही वर्टिकल व्यवस्था को समाप्त करने की मांग की है।

बैठक करते राज्य विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारी। अमृत विचार

**तैयारी** | आग की घटनाओं की सूचना देने को आमजन के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

# जंगलों में आग रोकने को 116 कंट्रोल सेल सक्रिय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अफसरों ने संभाली कमान मुख्यालय से प्रभागीय स्तर तक 24 घंटे निगरानी

**अमृत विचार :** गर्मी के मौसम में जंगलों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेश में व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वन विभाग ने मुख्यालय से लेकर प्रभागीय स्तर तक 116 अग्नि नियंत्रण सेल स्थापित कर दिए हैं, जो 24 घंटे निगरानी रखते हुए किसी भी आग की घटना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में अग्नि नियंत्रण सेल सक्रिय कर दिया गया है, वहीं प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालयों, वृत्त और जोन स्तर पर भी नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं। मुख्य वन संरक्षक (प्रचार-प्रसार) अदिति शर्मा के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में वन अग्नि नियंत्रण के लिए सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रभागीय स्तर पर आग की किसी भी सूचना को तुरंत मुख्यालय तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं।

सभी नियंत्रण कक्षों में तीन शिफ्टों में कर्मचारियों की तैनाती की गई है। प्रत्येक नियंत्रण कक्ष में आग से जुड़ी किसी भी सूचना को तत्काल रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा और संबंधित क्षेत्र में त्वरित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इसकी जानकारी मुख्यालय को भी भेजी जाएगी, ताकि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा सके।

वन विभाग ने आम नागरिकों से भी आग की घटनाओं की सूचना देने की अपील की है। इसके लिए मुख्यालय स्तर पर हेल्पलाइन नंबर 0522-2977310, 0522-2204676, 9651368060 और 7017112077 जारी किए गए हैं। इन नंबरों पर कोई भी व्यक्ति जंगल में आग से संबंधित जानकारी दे सकता है।

इन क्षेत्रों में वन विभाग ने पहले ही फॉरेस्ट फायर मॉक ड्रिल कराई है और जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समितियां भी गठित की गई हैं। इसके अलावा जंगलों में वन्य जीवों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नए वाटर होल बनाए जा रहे हैं।

### 19 जिलों के जंगल संवेदनशील

प्रदेश में 15 जून तक वन अग्निकाल माना जाता है। पिछले वर्षों के आंकड़ों के आधार पर चित्रकूट, सोनभद्र, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, कर्तनियाघाट वन्यजीव प्रभाग, बहराइच, महराजगंज, दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, उत्तर खीरी, दक्षिण खीरी, बलरामपुर, सहारनपुर, बिजनौर, गोंडा, गोरखपुर, मीरजापुर, चंदौली, ललितपुर, बांदा और हमीरपुर समेत कई क्षेत्रों को अतिसंवेदनशील और मध्य संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है।

# अलीगढ़ की सुजाता ने पेश की मिसाल, देशभर में पहुंचा कारोबार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वयं सहायता समूह से शुरू किया पूजा सामग्री का कारोबार

**अमृत विचार :** कोरोना काल में आई आर्थिक मुश्किलों को अवसर में बदलते हुए अलीगढ़ की सुजाता राघव ने आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। हरदुआगंज क्षेत्र के बड़ा गांव उखलाना की रहने वाली सुजाता ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़कर न केवल अपना कारोबार शुरू किया, बल्कि कई महिलाओं को रोजगार भी दिया।

सुजाता राघव

कोरोना के दौरान उनके पति की नौकरी छूटने के बाद परिवार के सामने आय का संकट खड़ा हो गया था। इसी बीच उन्हें एनआरएलएम के बारे में जानकारी मिली और उन्होंने गांव की महिलाओं के साथ मिलकर वर्ष 2022 में "श्री राघव ग्रामीण महिला आजीविका स्वयं सहायता समूह" का गठन किया। समूह को मिली शुरुआती आर्थिक सहायता से सुजाता ने पूजा सामग्री बनाने का काम शुरू किया। अपने उत्पादों को पहचान देने के लिए उन्होंने "श्री शुभांग" नाम से ब्रांड बनाया और उसका ट्रेडमार्क भी पंजीकृत कराया। आज उनके उत्पाद अमेजन, फ्लिपकार्ट, जियो मार्ट और ओएनडीसी जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध हैं। सुजाता के इस प्रयास से 10 महिलाओं को सीधे रोजगार मिला है, जबकि कई अन्य महिलाएं पैकिंग और आपूर्ति से जुड़कर आय अर्जित कर रही हैं।

लखनऊ, भैसोरा गोमती नगर विस्तार में
1BHK 2BHK
फ्लैट बिक्री हेतु शुरुआती कीमत 22 लाख
मैप अप्रूव्ड - रेडी टू मूव
फ्लोर, पार्किंग, लिफ्ट, बिजली, पानी की सुविधा, स्कूल, हॉस्पिटल, मार्केट के पास में,
INTEREST SUBSIDY AVAILABLE
रेट 3700/-
प्रति वर्ग फीट, लोन उपलब्ध
सभी बैंकों से लोन की सुविधा उपलब्ध
9235559202/9565464748

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.22
सूर्यास्त 06.21

# अमृत विचार
लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष एकादशी उपरांत 09:16 द्वादशी विक्रम संवत 2083

रविवार, 15 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 37, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

- सेबी चेयरमैन की सलाह अनिश्चित माहौल में धैर्य बनाए रखें निवेशक
- 6

- 29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू हुई कॉमर्शियल एलपीजी की बिक्री
- 6

- भाजपा की सरकार बनने पर दो वर्ष में पंजाब को करेंगे नशामुक्त : अमित शाह
- 7

- आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी का हो सकता है यह अंतिम सत्र
- 8

# कांग्रेस झूठे वादों की दुकान : मोदी

## प्रधानमंत्री ने कहा- हम बाहरी युद्धों के असर से बचाव में लगे हैं, हताश कांग्रेस ने देश के विरुद्ध ही मोर्चा खोल रखा

## बोले- सरकार लोगों पर वैश्विक संघर्षों के पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए काम कर रही

- मोदी ने असम में 23,550 करोड़ रुपये और पश्चिम बंगाल को 18,680 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की दी सौगात

सिलचर/कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को माला पहनाते भाजपा नेता।

प्रधानमंत्री ने शनिवार को असम के सिलचर में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार वैश्विक संघर्षों के कारण लोगों पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने के लिए काम कर रही है। साथ ही आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी कांग्रेस देश में दहशत पैदा करने की कोशिश करके गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर रही है। कांग्रेस को एक जिम्मेदार राजनीतिक दल की भूमिका निभानी चाहिए थी लेकिन वह ऐसा करने में विफल रही। वह आज झूठे वादों की दुकान बन चुकी है और दहशत फैलाने की कोशिश कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने असम में विधानसभा चुनावों से पहले सिलचर में शनिवार को 23,550 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत की। वहीं पश्चिम बंगाल में 18,680 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए कहा कि राज्य से भारत के विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। उन्होंने सिलचर में कहा, उसके (कांग्रेस) पास न तो असम के लिए कोई दूरदृष्टि है और न ही राष्ट्र के लिए वे (कांग्रेस नेता) केवल मोदी को गाली देना, अफवाहें फैलाना और लोगों को गुमराह करने के लिए झूठ बोलना जानते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा- हम बाहरी युद्धों के असर से बचाव में लगे हैं हताश कांग्रेस ने देश के विरुद्ध ही मोर्चा खोल रखा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने पूर्वोत्तर को जिस तरह उसके हाल पर छोड़ दिया, उसने उसी तरह बराक घाटी को कमजोर करने में भी अहम भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी ने कछार जिले के सिलचर और मेघालय के शिलांग के बीच 22,864 करोड़ रुपये की नियंत्रित प्रवेश-निकास वाली एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए भूमि पूजन में भाग लिया। 166 किलोमीटर लंबे चार लेन के इस ग्रीनफील्ड द्रुतगति गलियारे से मेघालय और असम के बीच संपर्क सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा और गुवाहाटी और सिलचर के बीच की दूरी 295 से घटकर 252 रह जाएगी।

प्रधानमंत्री ने बंगाल में परियोजनाओं की शुरुआत कर रेखांकित किया कि ये परियोजनाएं पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत के विकास को नई गति प्रदान करेंगी, जिससे व्यापार और उद्यम को बढ़ावा मिलेगा।

### घुसपैठियों को बचाने के लिए तृणमूल एसआईआर का विरोध कर रही : मोदी

**कोलकाता।** प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर घुसपैठियों के अपने वोट बैंक को बचाने के लिए मतदाता सूची के एसआईआर की प्रक्रिया का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि राज्य में तृणमूल के शासनकाल में बड़े पैमाने पर घुसपैठ की वजह से कई क्षेत्रों की जनसांख्यिकी बदल गई है। मोदी ने यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा हमला बोला और उस पर घुसपैठ को बढ़ावा देने, राज्य की जनसांख्यिकी को बदलने और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनावों से पहले ममता बनर्जी सरकार के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल उत्पीड़ित हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता देने का विरोध कर रही है।

### टीएमसी ने राष्ट्रपति का ही नहीं, आदिवासियों और संविधान का भी अपमान किया

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में टीएमसी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान करके सभी हदें पार करने का आरोप लगाया। मोदी ने कहा कि पार्टी ने न केवल राष्ट्र की प्रमुख का अपमान किया बल्कि देश के आदिवासियों और संविधान का भी अनादर किया। पिछले हफ्ते मुर्मू की उत्तर बंगाल यात्रा के दौरान पैदा हुए विवाद के बीच मोदी ने ये आरोप लगाए हैं। राष्ट्रपति ने अपने कार्यक्रम का स्थल अंतिम क्षण में बदल दिए जाने पर नाराजगी जताई थी और सवाल उठाया था कि हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए मुख्यमंत्री ममता या राज्य का कोई मंत्री मौजूद क्यों नहीं था। राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए मोदी ने आरोप लगाया कि बंगाल में वर्तमान सरकार के तहत आदिवासी, दलित और गरीब लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

# बदायूं कांड : एसआईटी गठित, सीओ भी हटाए गए

- मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान, राहुल पांडेय नए सीओ किए तैनात
- प्लांट परिसर की सुरक्षा बढ़ाते हुए पुलिस चौकी की स्थापना की गई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** बदायूं स्थित एचपीसीएल प्लांट में हुई घटना के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बरेली मंडल के मंडलायुक्त की अध्यक्षता में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को एक्स पर कहा कि मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाएगी और त्वरित कार्रवाई की जा चुकी है।

वहीं एसएसपी डा. ब्रजेश सिंह के बाद अब सीओ दातागंज डा. देवेन्द्र कुमार पर भी गाज गिरा दी गई। उन्हें पुलिस मुख्यालय में अटैच कर दिया गया है। उनके स्थान पर लखनऊ स्थित यूपी-112 में तैनात राहुल पांडेय को अब दातागंज का नया सीओ तैनात किया गया है। माना जा रहा है कि कमिश्नर की अध्यक्षता में गठित एसआईटी की जांच के बाद अभी और अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि एसआईटी घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच करेगी। इसके बाद दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। इस मामले में मुख्य आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सीबीजी प्लांट परिसर में पुलिस चौकी स्थापित की गई है।

### हत्यारोपी की 6 दुकानों पर चलेगा बुलडोजर

**बरेली।** प्रशासन ने हत्यारोपी अजय की मां के नाम से गांव में चल रहे राशन का कोटा सस्पेंड कर दिया है। प्रशासनिक टीम की नापतौल में गांव में बनीं आरोपी अजय की छह दुकानें भी अतिक्रमण के दायरे में पाई गई हैं, जिन पर बुलडोजर कार्रवाई की तैयारी है। डीएम अवनीश राय ने शनिवार को प्लांट पर पहुंचकर कर्मचारियों से बात कर सुरक्षा का भरोसा दिया।

## सोनम वांगचुक जेल से रिहा

**दिल्ली/ले।** केंद्र सरकार द्वारा हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला किए जाने के बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक (59) को शनिवार दोपहर राजस्थान की जोधपुर केंद्रीय जेल से रिहा कर दिया गया। इससे पहले, केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि उसने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। वांगचुक संबंधित अधिनियम के तहत निर्धारित हिरासत अवधि का लगभग आधा समय पहले ही बिता चुके हैं। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद, 26 सितंबर 2025 को वांगचुक को हिरासत में लिया गया था।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, पोस्ट-फेस्टिवल ब्लूज उत्सव के बाद का खालीपन व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

## ब्रीफ न्यूज

### बुजुर्ग व्यक्ति को कार के बोनट से लटकाकर घुमाया, चालक गिरफ्तार

**अहमदाबाद।** गुजरात के अहमदाबाद में 29 वर्षीय एक व्यक्ति को लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसमें कार के बोनट से एक बुजुर्ग व्यक्ति को लटके हुए देखा जा सकता है। यह घटना शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे निकोल इलाके में हुई। पुलिस अधिकारी सुमरा ने बताया, कृष्णापार्क सोसाइटी के निवासी कार चालक हरिसांग यादव (29) को भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है।

# ईरान के तेल नेटवर्क क्षेत्र खार्ग द्वीप पर अमेरिका की बमबारी

- ईरान के तेल निर्यात का मुख्य टर्मिनल है खार्ग द्वीप, ट्रंप ने चेताया- होर्मुज में आवागमन रोका तो अन्य तेल क्षेत्र बनाएंगे निशाना

दुबई, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ने ईरान के तेल नेटवर्क के लिए महत्वपूर्ण एक द्वीप पर स्थित सैन्य ठिकानों को शुक्रवार को नष्ट कर दिया और चेतावनी दी कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रीट से जहाजों के आवागमन में हस्तक्षेप करना जारी रखता है तो उसकी तेल अवसंरचना को निशाना बनाया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को ईरान के खार्ग द्वीप पर स्थित ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया। खार्ग द्वीप पर ईरान के तेल निर्यात का मुख्य टर्मिनल है।

शनिवार को पश्चिमी एशिया युद्ध तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया। ईरान इजराइल और पड़ोसी खाड़ी देशों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हुए है। इसके अलावा यूएई के फुजैरा बंदरगाह में आग लग गयी।

वहीं, अमेरिकी-इजराइली युद्धक विमान समूचे ईरान में सैन्य और अन्य लक्ष्यों पर बमबारी कर रहे हैं। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रीट से जहाजों के आवागमन में बाधा डालता है, तो वह तेल बुनियादी ढांचे को नष्ट न करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करेंगे। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर कलीबाफ ने चेतावनी दी कि ईरान की दक्षिणी समुद्री सीमा पर स्थित द्वीपों पर अगर हमले हुए तो ईरान संयम नहीं बरतेगा। ये द्वीप देश की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं।

### बगदाद में अमेरिकी दूतावास परिसर पर मिसाइल हमला

**बगदाद।** इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास परिसर के भीतर हेलीपैड पर मिसाइल से हमला हुआ। जिसके बाद शनिवार सुबह दूतावास परिसर के ऊपर धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। दुनिया में अमेरिका के सबसे बड़े राजनयिक केंद्रों में शामिल यह विशाल दूतावास परिसर पहले भी ईरान समर्थित मिलिशिया द्वारा दागे गए रॉकेट और ड्रोन का कई बार निशाना बना है।

### होर्मुज की सुरक्षा को चीन, ब्रिटेन फ्रांस से युद्धपोत भेजने का आग्रह

**वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने के ईरान के प्रयास से प्रभावित देशों से आग्रह किया कि वे वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण इस संकरे समुद्री मार्ग को सुरक्षित करने के लिए जहाज भेजें। ट्रंप ने एक पोस्ट में चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और अन्य देशों से होर्मुज स्ट्रेट में जहाज भेजने का आग्रह किया तथा कहा कि अमेरिका तटरेखा पर बमबारी जारी रखेगा और ईरानी जहाजों को निशाना बनाएगा।

# एसआई भर्ती परीक्षा में 'पंडित' ऑप्शन को लेकर छिड़ा विवाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डिप्टी सीएम पाठक ने इसे बताया गलत, सीएम से शिकायत, पुलिस भर्ती बोर्ड बोला- कराएंगे जांच

**अमृत विचार :** पिछले दिनों फिल्म के पंडत नाम को लेकर हुआ विवाद अभी ठंडा ही हुआ था कि अब यूपी एसआई की भर्ती परीक्षा में पूछे गए पंडित शब्द को लेकर नया विवाद छिड़ गया।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इसे गलत बताते हुए दोषियों पर कार्रवाई की बात कही है। वहीं, भाजपा के प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्र ने मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिखकर शिकायत की है। दरअसल, शनिवार को एसआई भर्ती परीक्षा के दौरान 20 नंबर पर एक प्रश्न पूछा गया है। प्रश्न है कि अवसर के हिसाब से बदल जाने वाले को आप क्या कहेंगे? इस प्रश्न के आप्शन भी दिए गए हैं, जिनमें ए-निष्कपट, बी-सदाचारी, सी- पंडित, डी-अवसरवादी आप्शन लिखे हैं। इसमें अभ्यर्थी को किसी एक पर टिक करना हैं। इसे लेकर डिप्टी सीएम पाठक ने एक्स पर लिखा है कि इस पर हमें कड़ी आपत्ति है। सरकार ने गंभीरता से संज्ञान लिया है। किसी भी प्रश्न से किसी समाज या फिर वर्ग की गरिमा को ठेस पहुंचती है तो यह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। उधर, यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के प्रवक्ता के मुताबिक पेपर विभाग नहीं बनाता है। गोपनीय संस्थाएं बनाती है। उन्हें खोल कर चेक भी नहीं किया जा सकता। वायरल लेटर के जांच के आदेश दिए गए है। यदि कोई दोष पाया जाता है तो कार्रवाई की जाएगी।

### परीक्षा में पहले दिन 1.26 लाख अभ्यर्थी गैर हाजिर

**लखनऊ।** यूपी पुलिस में एसआई पद के लिए हुई लिखित परीक्षा पहले दिन शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। इस दौरान शनिवार को दोनों पालियों की परीक्षा में 5,31,765 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जबकि 1,26,000 से अधिक अभ्यर्थी गैर हाजिर रहे। उधर फर्जी तौर पर पेपर लीक का दावा कर परीक्षार्थियों से धन वसूलने के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया, साथ ही सात टेलीग्राम ग्रुपों के खिलाफ मुकदमा कायम करा दिया गया है। उधर रविवार को भी प्रदेश के सभी केन्द्रों पर दोनों पालियों में परीक्षा कराई जाएगी। यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निकाली गई 4,543 पदों के लिए 15,75,760 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा में 160 पूछे गए, वहीं पांच मिनट का अतिरिक्त समय भी दिया गया। प्रवक्ता ने दावा किया कि कंट्रोल रूम के जरिए प्रदेश भर के परीक्षा केन्द्रों पर निगरानी रही। पूरी तरह से परीभा शांति पूर्वक संपन्न हुई।

- पेपर लीक कराने का फर्जी दावा करने वाले तीन युवक गिरफ्तार सात टेलीग्राम चैनलों पर मुकदमा

### एक-दूजे के हुए कुलदीप-वंशिका

भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव ने मसूरी में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका चड्ढा से शादी की। दो दिवसीय समारोह द सेवाय होटल में रॉयल आइवरी थीम पर आयोजित हुआ। इसमें चहल, रैना, कैलाश खेर जैसे सितारे शामिल हुए।

# अभिषेक प्रकाश सेवा में बहाल विभागीय कार्रवाई यथावत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ जारी रहेगी कार्रवाई

**अमृत विचार :** शासन ने निलंबित चल रहे आईएएस अभिषेक प्रकाश को बहाल कर दिया है। राज्य सरकार ने निलंबन अवधि समाप्त होने के बाद 15 मार्च 2026 से सेवा में बहाल करने का आदेश जारी किया है। शासन के नियुक्ति अनुभाग-5 द्वारा 14 मार्च शनिवार को जारी आदेश में कहा गया है कि बहाली के बावजूद उनके खिलाफ चल रही विभागीय कार्रवाई पूर्ववत जारी रहेगी। शासन ने यह आदेश राज्यपाल की अनुमति से दिया है।

आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि निलंबन अवधि 14 मार्च 2026 तक मानी जाएगी और 15 मार्च से अभिषेक प्रकाश को फिर से सेवा में शामिल किया जाएगा। साथ ही अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने तक कोई भी विभागीय निर्णय या कार्रवाई प्रभावित नहीं होगी। अर्थात, नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और शासन की जवाबदेही और पारदर्शिता बनी रहेगी।

# एलपीजी ला रहे 2 जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट को किया पार

नई दिल्ली, एजेंसी

खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर आ रहे दो भारतीय जहाजों ने शनिवार सुबह युद्ध प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रूप से पार कर लिया। इसके साथ ही होर्मुज को पार करने वाले भारतीय ध्यज वाले जहाजों की संख्या तीन हो गई है। जहाजरानी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी।

जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से में बचे हुए 22 जहाज प्रतीक्षा में हैं, क्योंकि भारत सरकार उनकी सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र की सरकारों के साथ बातचीत कर रही है। जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि एलपीजी ला रहे जहाज शिवालिक और नंदा देवी अब गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये जहाज 92,700 टन एलपीजी ला रहे हैं। शिवालिक के 16 मार्च को मुंद्रा जबकि नंदा देवी पोत के 17 मार्च को कांडला बंदरगाह पर पहुंचने की संभावना है। भारतीय ध्वज वाले जहाजों की निकासी भारतीय कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होने के साथ-साथ ये इस मायने में भी अहम है कि रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। भारत अपनी एलपीजी आवश्यकताओं का 60 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें से 85-90% सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी देशों से प्राप्त होता है। ये देश तेल और गैस के परिवहन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का उपयोग करते हैं।

सिन्हा ने कहा पश्चिमी हिस्से में बचे भारतीय ध्वज वाले 22 जहाजों में से छह एलपीजी पोत हैं, एक द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) वाहक है, चार कच्चे तेल के टैंकर हैं, एक रासायनिक उत्पादों की ढुलाई कर रहा है और तीन कंटेनर जहाज हैं और दो 'बल्क कैरियर' हैं।

**सियासत** हरियाणा के कैथल में मुख्यमंत्री बोले- जनता का भरोसा खो चुके लोग अब संवैधानिक संस्थाओं पर उठा रहे सवाल

# मुकाबला नहीं कर पा रहे, अफवाहों से फैला रहे अराजकता : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता जिन लोगों को नकार चुकी है और जो मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं, वे अफवाहों के जरिए अराजकता और अव्यवस्था फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे तत्वों को समाज को मिलकर रोकना होगा और 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के निर्माण में मजबूती से काम करना होगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा के कैथल जिले के सौंगल गांव स्थित बाबा मुकुट नाथ मठ में ब्रह्मलीन महंत पीर गणेश नाथ जी के आठमान भंडारा, देशमेल और शंखाढाल कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पूजन-अर्चन कर संतों को श्रद्धांजलि अर्पित की और आयोजन के लिए महंत शेरनाथ महाराज

को शुभकामनाएं दीं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग जनता का विश्वास खो चुके हैं, वे अब भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर ही सवाल उठा रहे हैं। कभी लोकसभा अध्यक्ष, कभी न्यायपालिका तो कभी निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जीतने पर श्रेय लेना और हारने पर संस्थाओं पर आरोप लगाना उचित नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और आर्थिक अस्थिरता का माहौल है, लेकिन भारत किसानों के परिश्रम और मजबूत नेतृत्व के कारण विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 145 करोड़ देशवासी एकजुट होकर देश के नेतृत्व पर भरोसा जता रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद कई सरकारें आईं, लेकिन आस्था के सवालों पर ध्यान नहीं दिया गया, क्योंकि वे वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति में उलझी रहीं। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश में समान सोच वाली सरकार बनने के बाद अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का सपना साकार हुआ। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारपुरी और बद्रीनाथ धाम जैसे धार्मिक स्थलों का भव्य विकास भी इसी सोच का परिणाम है।

### संतों के सानिध्य में ऊंची रहेगी सनातन की ध्वज पताका

योगी ने कहा कि भारत की संत परंपरा ने सदैव समाज व राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश दिया है। संतों के सानिध्य में सनातन की ध्वज पताका हमेशा ऊंची रहेगी। उन्होंने कहा कि धर्मस्थल केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र चेतना और सामाजिक समरसता के भी केंद्र होते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा की भूमि संतों और वीरों की परंपरा के लिए जानी जाती है। इस परंपरा ने देश की सुरक्षा और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

### यहां नशे को बढ़ावा दे रहा पाकिस्तान

योगी ने कहा कि पाकिस्तान भारत में नशे को बढ़ावा देकर युवा पीढ़ी को कमजोर करने की साजिश कर रहा है। उन्होंने समाज और संतों से अपील की कि नशे के खिलाफ जनजागरण चलाया जाए। नशा समाज और राष्ट्र दोनों के लिए विनाशकारी है और इसके खिलाफ लड़ाई देशसेवा के समान है।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के. बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर
विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

# अर्नव के हत्यारोपी माता-पिता को घेरा, पीटने की कोशिश

## गिरफ्तारी के साक्ष्य जुटाने के लिए घर लेकर गई थी चौक पुलिस, हत्या में प्रयुक्त चाकू, झाड़ू, वाईपर, स्केल, बेल्ट व रस्सी की बरामद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः चौक के लाजपतनगर के 4 वर्षीय अर्नव की हत्या के आरोपी उसके पिता भीष्म खरबंदा और सौतेली मां रागिनी को चौक पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उन्हें साक्ष्य जुटाने और पिटाई व हत्या में प्रयुक्त सामान की बरामदगी के लिए लाजपतनगर स्थित घर लेकर पहुंचीं। वहां मोहल्ले के लोगों ने दंपति को घेर कर पीटने का प्रयास किया। आक्रोशित लोग चिल्ला रहे थे कि, निर्दयी दंपति को उनके हवाले कर दो, हम अभी सजा दे देंगे। पुलिस ने किसी तरह स्थिति को संभाला।

मासूम अर्नव।

पुलिस ने चाकू, झाड़ू, वाईपर, स्केल, बेल्ट व रस्सी बरामद कर ली। पुलिस ने आरोपी दंपति को जेल भेज दिया है।

इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय ने बताया कि जांच में सामने आया कि आरोपी दंपति कई महीनों से मासूम अर्नव को टॉर्चर कर रहे थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आरोपियों से पूछताछ की गयी तो उन्होंने प्रताड़ना की पूरी बात बतायी। दंपति रस्सी से पैर बांधकर रखते थे। झाड़ू, वाइपर, बेल्ट व लकड़ी की स्केल से पीटते थे। यही नहीं चाकू से भी कई बार मारा था। डराते-धमकाते थे कि अगर नानी या मौसी से कुछ बोला तो मार डालेंगे। यही नहीं मासूम से गंदगी तक साफ कराते थे।

शनिवार को चौक पुलिस साक्ष्य संकलन के लिए भीष्म और रागिनी को उनके घर ले गई थी। हत्यारे माता-पिता को देख स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। कुछ ही देर बाद भीष्म के घर के बाहर लोगों का जमावड़ा लग गया। पुलिस आरोपियों को आक्रोशित भीड़ से बचाते हुए उनके घर ले गई। इस बीच घर के बाहर लोगों ने नारेबाजी शुरू कर दी। कुछ लोगों ने गेट फांदने का प्रयास किया। करीब एक घंटे बाद पुलिस दंपति को लेकर बाहर निकली तो स्थानीय लोगों ने उन्हें पीटने का प्रयास किया। आक्रोशित लोग पुलिस से कह रहे थे कि आरोपियों को उनके हवाले कर दिया जाए।

इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी सौतेली मां रागिनी फिरोजाबाद के शिकोहाबाद स्थित बैलमपुर की रहने वाली है। सौतेली मां और पिता की पिटाई से 12 मार्च को मासूम की मौत हुई थी। आरोपियों ने बीमारी से मौत की बात कही थी। शक होने पर नानी सुधा ने मासूम के कपड़े उतारे तो जुल्म के निशान देख हत्या का आरोप लगाया था। आरोप था संपति के लालच में बच्चे की हत्या की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट शुक्रवार को दर्ज की थी।

मासूम अर्नव के हत्यारोपी माता और पिता।

## रंजिश में युवक पर हथौड़ी व डंडे से हमला

**अमृत विचार, मलिहाबाद :** ग्राम गदियाखेड़ा मजरा तिलन निवासी आरती पाल ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब 12:30 बजे उनके पति सोनू पाल उर्फ शशिकांत सामान लेने के लिए लोधई पुलिया गए थे। आरोप है कि वहां पान मसाला की दुकानदार लालता रैदास निवासी लोधई जमोलिया ने पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने हथौड़ी और डंडे से हमला कर दिया। हमले में सोनू पाल का सिर फट गया तथा चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद दुकानदारों ने बीच-बचाव कर किसी तरह घायल को बचाया। आरोप है कि जाते समय आरोपी ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

## न्यूज ब्रीफ

### आरोपी शिक्षिका की कार के पूर्व में ओवर स्पीड के मिले तीन चालान

**अमृत विचार, लखनऊ :** मोहनलालगंज के इमलिहाखेड़ा गांव में छह वर्षीय मासूम अर्जुन को कुचलने वाली शिक्षिका रेनू की कार के तीन चालान पूर्व में भी हो चुके हैं। तीनों चालान ओवर स्पीड के हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी शिक्षिका को थाने से जमानत दे दी। उधर, शनिवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद अर्जुन का शव लेकर परिजन गांव पहुंचे। दोबारा बवाल न हो इसलिए पुलिस बल मौके पर भेजा गया। पुलिस बल की मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार किया गया। पिता ने तहरीर में जिक्र किया है कि कार में पहले से ही ओवर स्पीड के तीन चालान हैं। एप से पता चला कि 16 जून 2023 को एक हजार रुपये, 9 जनवरी 2024 को दो हजार व 29 अप्रैल 2024 को दो हजार रुपये का चालान हुआ है जो अभी तक जमा नहीं किया गया है।

### विशाल के शतक से फिटनेस क्लब की जीत

**अमृत विचार, लखनऊ :** विशाल मिश्रा के शानदार शतक के चलते फिटनेस क्रिकेट क्लब ने राजन वर्मा डब्बू मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में स्ट्रीट वॉरियर्स को 19 रनों से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। पार्थ क्रिकेट मैदान पर खेले गए मुकाबले में फिटनेस क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट खोकर 196 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से विशाल मिश्रा ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 105 रन बनाए, जबकि सचिन तिवारी ने 30 रनों का योगदान दिया। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्ट्रीट वॉरियर्स की टीम 20 ओवरों में 177 रन ही बना सकी। टीम की ओर से फैजान ने नाबाद 62 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। फिटनेस क्लब की ओर से गेंदबाजी में मुरारी झा ने तीन विकेट और अनुराग सिंह ने दो विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। शानदार प्रदर्शन के लिए विशाल मिश्रा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

# मातृ वंदना योजना में 7,499 महिलाओं का पंजीकरण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गर्भवती महिलाओं को दो किस्तों में 5,000 रुपये, दूसरी बार बालिका जन्म पर 6,000 रुपये की सहायता

अमृत विचार : प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) में गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रेयस कुमार ने बताया कि जिले में वित्तीय वर्ष 2025–26 में अब तक 7,499 पंजीकरण हो चुके हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं योजना पोर्टल पर लाभार्थियों का पंजीकरण करा रहे हैं। पोषण ट्रैकर ऐप के माध्यम से फेस रिकग्निशन भी किया जा रहा है।

श्रेयस ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए महिला का आधार कार्ड, एमसीपी कार्ड पर अंकित प्रसवपूर्व जांच की तिथि, एमसीटीएस-आरसीएच नंबर या आभा आईडी आवश्यक है। साथ ही परिवार की वार्षिक आय आठ लाख रुपये से कम होने का प्रमाण आय प्रमाण पत्र, बीपीएल राशन कार्ड, ई-श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड या मनरेगा जॉब कार्ड में से कोई एक देना होगा। इसके अलावा किसान महिला को किसान सम्मान निधि में लाभार्थी होना और दिव्यांग महिलाओं के लिए 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता प्रमाण पत्र जरूरी है।

अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग की प्रसूताओं को जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। पंजीकृत महिला को डीबीटी से प्रसवपूर्व जांच के बाद पहली किस्त 3,000 रुपये और बच्चे के जन्म पंजीकरण व प्रथम टीकाकरण के बाद और द्वितीय किस्त में 2,000 रुपये दिए जाते हैं।

दूसरी बार गर्भधारण पर बालिका का जन्म होने की स्थिति में 6,000 रुपये का एकमुश्त भुगतान किया जाता है।उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को पोषण सहायता देना, नवजात के स्वास्थ्य को सुरक्षित करना तथा संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना है। इच्छुक महिलाएं अपने क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता या विकास भवन स्थित जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर सकती हैं।

## लखनऊ जंक्शन पर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण

**अमृत विचार, लखनऊ :** रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) व भारत सरकार के पदेन सचिव विवेक कुमार गुप्ता ने शनिवार को लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ गौरव अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक उत्तर रेलवे लखनऊ सुनील कुमार वर्मा, रेल भूमि विकास प्राधिकरण के मुख्य परियोजना प्रबंधक पावस यादव और मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने लखनऊ जंक्शन के शताब्दी वर्ष पर स्टेशन परिसर में लगाई गई हैरिटेज प्रदर्शनी और विभागों के स्टॉल का अवलोकन किया। परिचालन, इंजीनियरिंग, सिग्नल व दूरसंचार, वाणिज्य, भंडार, यांत्रिक, रेलवे सुरक्षा बल, कार्मिक और विद्युत विभाग के स्टॉलों में रेलवे के इतिहास और विकास से जुड़ी झलकियां प्रस्तुत की गई थीं।

# नशे में धुत युवक ने पिंक बूथ में की तोड़फोड़, पुलिस की फाड़ी वर्दी

संवाददाता, सरोजनीनगर

- महिला सिपाही से की अभद्रता राहगीरों से भी भिड़ा
- बंथरा पुलिस ने मशक्कत कर पकड़ा, पहुंचाया थाने

अमृत विचारः बंथरा थाने के पास शनिवार शाम नशे में धुत सिरफिरे ने जमकर हंगामा करते हुए पिंक बूथ में तोड़फोड़ कर दी। महिला सिपाही ने टोका तो हाथापाई करने लगा। राहगीर दौड़े तो उनसे भी भिड़ गया। सूचना मिलने पर पहुंची इंस्पेक्टर राणा राजेश कुमार सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने पकड़ने का प्रयास किया तो उनसे मारपीट की। एक सिपाही की वर्दी फाड़ दी। काफी मशक्कत के बाद उसे काबू में किया। उसके बाद युवक को पकड़कर कार समेत थाने ले गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शाम करीब पांच बजे बंथरा थाने से लगभग 200 मीटर दूर टीवीएस एजेंसी के सामने बने पिंक बूथ के पास युवक ने कार रोकी। गाड़ी से उतरकर काफी देर से इधर-उधर टहल रहा था। अचानक उसने बूथ के बाहर रखा कूलर पलट दिया और ईंट-पत्थरों से बूथ की खिड़की के शीशे तोड़ दिए। इसके बाद उसने दरवाजा भी क्षतिग्रस्त करने की कोशिश की। घटना के समय पिंक बूथ में तैनात महिला सिपाही श्वेता पति के साथ बाहर निकली।

युवक को तोड़फोड़ करता देख रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह उनसे भी उलझ गया और अभद्रता करते हुए मारपीट करने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह उनसे भी भिड़ गया। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर बंथरा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखकर युवक और उग्र हो गया और पुलिसकर्मियों से भी धक्का-मुक्की और मारपीट करने लगा। हाथापाई के दौरान एक पुलिसकर्मी की वर्दी तक फाड़ दी। किसी तरह पुलिस उसे पकड़कर थाने लेकर पहुंची।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम वाराणसी के कैंट स्थित फुलवरिया निवासी राजा भारती बताया। बंथरा थाना प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश सिंह का कहना है कि युवक काफी शराब के नशे में था। वह गाड़ी चलाने का काम करता है। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

# डंपर ने कार में मारी टक्कर दंपति व तीन बेटियां घायल

संवाददाता, सरोजनीनगर

- निजी अस्पताल में भर्ती, बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज

**अमृत विचारः** बंथरा में ओवरटेक करने के संकेत देने के बाद भी बेकाबू डंपर ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में दंपति और तीन बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने परिजन की तहरीर पर डंपर के अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मूल रूप से कानपुर नगर के नौबस्ता निवासी जय सिंह ने बताया कि बड़ा भाई विशाल वर्मा 11 मार्च की रात परिवार संग एक रिश्तेदार के विवाह समारोह में शामिल होकर कार से लखनऊ से लौट रहे थे। देर रात करीब एक बजे बंथरा के पास विशाल ने आगे चल रहे डंपर को ओवरटेक का प्रयास किया। काफी देर तक रास्ता न मिलने के बाद जब चालक ने निकलने का संकेत दिया तो विशाल वर्मा ने कार आगे बढ़ाने की कोशिश की। इसी दौरान डंपर चालक ने अचानक वाहन लहरा दिया, जिससे कार अनियंत्रित होकर डंपर से टकरा गई। हादसे में विशाल वर्मा, उनकी पत्नी प्रीति वर्मा, उनकी तीनों बेटियां आर्ना, आद्या व आकर्षिता गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद डॉयल-112 पर सूचना दी गई। जिसके बाद एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया।

उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ की लखनऊ शाखा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी।

# अब्दुल अध्यक्ष और राजेश चुने गए मंत्री

संवाददाता सरोजनीनगर

- सर्वसम्मति से हुआ शाखा चारबाग डिपो ट्रैफिक लखनऊ का चुनाव

**अमृत विचारः** उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ की शाखा चारबाग डिपो ट्रैफिक लखनऊ क्षेत्र का चुनाव शनिवार को सरोजनीनगर के नादरगंज स्थित अमौसी रोडवेज कार्यशाला में हुआ। मोहम्मद नसीम की देखरेख में हुए चुनाव में सर्वसम्मति से अब्दुल करीम को अध्यक्ष, राजेश कुमार शुक्ला को मंत्री चुना गया।

अब्दुल कुददूस को कार्यकारी अध्यक्ष, राम चंदर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुनील कुमार, सौरव कुमार और मनोज कश्यप उपाध्यक्ष चुने गए। संयुक्त मंत्री पद पर रूसैद अब्बास, अनिल शर्मा, मनप्रीत सिंह, हर्ष कुमार और साहिबे आलम और ललित यादव को उपमंत्री की जिम्मेदारी दी गई। अनुज कश्यप को संगठन मंत्री, जितेंद्र सिंह को कोषाध्यक्ष, अजय वर्मा को प्रचार मंत्री और श्रवण कुमार मिश्रा को सांस्कृतिक मंत्री का दायित्व दियागया। रंजीत कुमार सुमन, उमेश चंद यादव और अजीज अहमद क्षेत्रीय प्रतिनिधि व सुग्रीव को वरिष्ठ सदस्य नामित किया गया। रामू, मनोज सिंह, मोहम्मद नसीम द्वितीय, सुरेश चंद यादव, संतोष कन्नौजिया, शिवजी पांडेय, संतोष कुमार, शैलेन्द्र कुमार, तारा चंद, तिवारी, महेश चंद, गणेश दत्त पांडेय, जितेंद्र कुमार और प्रदीप कुमार को कार्यकारिणी सदस्य में जगह दी गई।

# कारोबारी से विदेशी युवती बन की दोस्ती, ठगे 68 लाख रुपये

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मदेयगंज के डालीगंज निवासी कारोबारी से ठगी, रिपोर्ट दर्ज

**अमृत विचारः** डालीगंज निवासी कारोबारी बृजेंद्र कुमार सिंह को साइबर जालसाजों ने हनी ट्रैपिंग में फंसा कर 68 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित मदेयगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बृजेंद्र के मुताबिक अगस्त 2025 को फेसबुक कर डॉरिस विलियम की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार की। फिर उससे कई बार वीडियो और ऑडियो कॉल पर बात हुई। भारत आने के की बात कही और वाट्सएप पर लंदन से दिल्ली का फ्लाइट टिकट भेजा।

10 सितंबर को सुबह करीब 11 बजे अनजान नंबर से कॉल आई। बताया कि आपकी परिचित विदेशी महिला भारत आई है। उसके पास मिले 2.5 लाख ब्रिटिश पाउंड जब्त कर लिए गए हैं। अगर आपको मदद करनी है तो 60 हजार देने होंगे। 18 सितंबर को भुगतान कर दिया। कुछ दिन बाद डॉरिस ने लंदन पहुंचने और मदद के बदले 35 लाख रुपये देने की बात कही। इस पर 21 सितंबर को उसे अपने बैंक डिटेल दे दिए। मोबाइल पर रायल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड लंदन बैंक का लोगों लगा मैसेज आया। इसमें 35 लाख ट्रांसफर करने के बदले 61 हजार रुपये फीस मांगी गई। डॉरिस को बताया कि रॉयल बैंक भारत में 2016 में बंद हो चुकी तो उसके साथी जॉन फिलिप, सरवर खान और जॉय ने आरबीआई के जरिये रकम देने की बात कही।

राजनाथ सिंह से मिलते उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी।

# व्यापारियों ने रक्षामंत्री से की किराया वृद्धि की शिकायत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने दिया ज्ञापन

अमृत विचारः तालकटोरा रोड के दुकानों के किराए में नगर निगम द्वारा की गई बेतहाशा वृद्धि को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल की लखनऊ इकाई का दस सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल शनिवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर मिला। विधि संयोजक शैलेन्द्र शर्मा अटल, महामंत्री योगेन्द्र सिंह, संगठन मंत्री श्याम मिश्रा, युवा अध्यक्ष संजय जायसवाल, मंत्री विवेक अग्रवाल, सुनील गुलवानी, रमन मिश्रा, पंकज मेहंदी रत्ता की अगुवाई में प्रतिनिधि मण्डल ने नगर निगम द्वारा की गई वृद्धि को अव्यवहारिक बताते हुए इसे निरस्त कर स्थायी समाधान कराने की मांग रखी।

प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि नगर निगम सदन में पारित प्रस्ताव के आधार पर दुकानदारों से 240 रु.प्रति माह की दर से किराया लिया जाना चाहिए या फिर मार्च 2019 से मार्च 2026 तक 5% वार्षिक वृद्धि के आधार पर किराया जमा कराया जाना चाहिए। यह प्रस्ताव नगर निगम के पिछले कार्यकाल में सदन के समक्ष भी रखा जा चुका है, किंतु नगर निगम में व्याप्त विसंगतियों के कारण अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है। वार्ता के दौरान लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल भी वहीं उपस्थित थीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महापौर से व्यापारियों की समस्या के समाधान के संबंध में वार्ता की। इस पर महापौर ने बताया कि इस विषय पर विचार-विमर्श चल रहा है। कमेटी का गठन भी किया गया है।

BN HOSPITAL
स्वास्थ्य सेवा समर्पण
भव्य शुभारम्भ
B N SUPER SPECIALITY HOSPITAL
(200 Bedded Hospital)
दिनांक: 15 मार्च 2026 | समय : प्रातः 11:00 बजे | दिन: रविवार
Chief Guest Mr. K.N Singh Patel
Hon'ble Chairman Mr. Mahesh Singh Patel


Departments Available In The Hospital
- Department of Medicine
- Department of Gynecology & Obstetrics
- Department of Orthopedics
- Department of General Surgery
- Department of Cardiology
- Department of Ear, Nose and Throat
- Department of Neuro Sciences
- Department of Urology
- Department of Oncology & Oncosurgery
- Department of Nephrology
- Department of Anesthesia
- Department of Neurology & Neurosurgery
- Department of Plastic Surgery
- Department of Pediatrics Surgery
- Department of Neuro Psychiatry
- Department of ICU/PICU & Critical Care
- Emergency & Trauma Centre
- Department of Ophthalmology
- Department of Physiotherapy
- Dental Department
24/7 SERVICE
निःशुल्क
स्वास्थ्य जाँच शिविर में उपलब्ध सेवाएं
दिनांक: 15/03/2026 दिन: रविवार समय: सुबह 11:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक
ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, HbA1c, कोलेस्ट्रॉल (डॉक्टर की सलाहानुसार ईसीजी)
निःशुल्क परामर्श: चिकित्सक
नवीकोट नंदना, बीकेटी, सीतापुर रोड, लखनऊ-226201 | अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : +91 7234000913 +91 7234000914
Email. : care@bnhospital.com | Website. : www.bnhospital.com

अमृत विचार
# लोक दर्पण
रविवार, 15 मार्च 2026 www.amritvichar.com

# पोस्ट-फेस्टिवल ब्लूज

## उत्सव के बाद का खालीपन

*हमारे यहां कोई भी त्योहार जब आता है, तो सभी के मन में एक अलग ही खुशबू बिखरने लगती है। त्योहार भावनाओं का ऐसा विस्तार है, जिनमें जीवन का पूरा रंगमंच सजीव हो उठता है। मिठाइयों की मिठास, घरों में गूंजती हंसी, रिश्तों की गर्माहट और परंपराओं की सुगंध, ये सब मिलकर जीवन को कुछ दिनों के लिए एक अलग ही लय देते हैं। लगता है, जैसे समय भी इन दिनों थोड़ा ठहर जाता है और मनुष्य अपने व्यस्त जीवन से निकलकर रिश्तों और आनंद के एक सामूहिक उत्सव में शामिल हो जाता है, लेकिन जब यह उत्सव समाप्त होता है, तब वही घर, जो कुछ दिन पहले हंसी और रौनक से भरे थे, अचानक शांत हो जाते हैं। मेहमान विदा हो चुके होते हैं, घर की सजावट उतरने लगती है, मिठाइयों के डिब्बे खाली हो चुके होते हैं और रोजमर्रा की दिनचर्या धीरे-धीरे फिर से लौटने लगती है। इसी समय एक हल्की-सी उदासी मन को छूती है- एक ऐसी भावना, जिसे शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना कठिन होता है। इसे ही कई मनोवैज्ञानिक पोस्ट-फेस्टिवल ब्लूज (त्योहार के बाद की उदासी) कहते हैं। यह उदासी बहुत गहरी या दुखद नहीं होती, बल्कि एक शांत खालीपन की तरह होती है। यह उस क्षण की तरह होती है, जब कोई मधुर संगीत अचानक समाप्त हो जाता है और कुछ पल तक कान उसी लय को खोजते रहते हैं।*

नृपेंद्र अभिषेक नृप
स्तंभकार

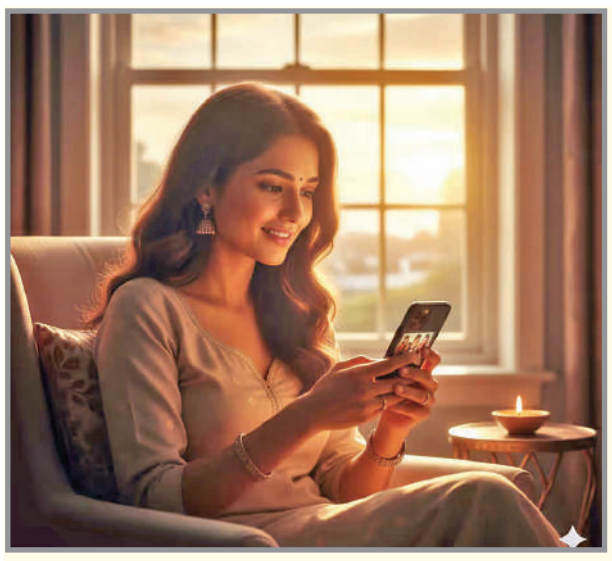

### उत्सव की सामूहिक ऊर्जा

त्योहारों की असली शक्ति उनकी सामूहिकता में होती है। जब परिवार के लोग एक साथ मिलकर घर सजाते हैं, पकवान बनाते हैं, पूजा करते हैं या एक-दूसरे को बधाई देते हैं, तब केवल एक परंपरा नहीं निभाई जा रही होती, बल्कि भावनाओं का आदान-प्रदान हो रहा होता है। इन दिनों घरों में काम भले ही अधिक होता है, लेकिन उस काम में थकान नहीं होती। सुबह से लेकर रात तक कुछ न कुछ चलता रहता है- कहीं बाजार की रौनक, कहीं घर की साफ-सफाई, कहीं रिश्तेदारों से मुलाकात और कहीं बच्चों की चहल-पहल। इस पूरे वातावरण में मनुष्य अपने आप को अधिक जीवंत महसूस करता है। दरअसल, त्योहार हमारे भीतर छिपी उस सामाजिक प्रवृत्ति को जागृत करते हैं, जो आधुनिक जीवन की व्यस्तता में अक्सर दब जाती है। हम एक-दूसरे से मिलते हैं, पुराने मित्रों को याद करते हैं, रिश्तों को ताज़ा करते हैं और जीवन को साझा अनुभवों के माध्यम से जीते हैं। यही कारण है कि त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक पुनर्मिलन के अवसर भी होते हैं।

### भावनात्मक ऊंचाई का अचानक अंत

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए, तो त्योहारों के दौरान मनुष्य की भावनात्मक ऊर्जा अपने चरम पर होती है। नई चीजें, नई मुलाकातें, उत्सव की तैयारी और सामूहिक आनंद, ये सब मिलकर मन में उत्साह और प्रसन्नता का स्तर बढ़ा देते हैं। जब यह अवधि समाप्त होती है, तो भावनाओं का स्तर भी धीरे-धीरे सामान्य होने लगता है। यही कारण है कि कई लोगों को त्योहार के बाद कुछ दिनों तक हल्की उदासी या खालीपन महसूस होता है। यह स्थिति बिल्कुल उसी तरह होती है जैसे कोई लंबी यात्रा समाप्त होने के बाद घर लौटते समय महसूस होती है। यात्रा के दौरान जो उत्साह और रोमांच होता है, वह समाप्त होने पर मन थोड़ी देर के लिए शांत और स्थिर हो जाता है।

### अचानक लौटती दिनचर्या

उत्सव समाप्त होते ही जीवन फिर से अपनी सामान्य गति में लौटने लगता है। सुबह का वही काम, कार्यालय की जिम्मेदारियां, बच्चों की पढ़ाई और घर की रोजमर्रा की व्यवस्थाएं, सब कुछ धीरे-धीरे पहले जैसा हो जाता है। यह परिवर्तन अचानक महसूस होता है, क्योंकि कुछ दिनों तक जीवन एक अलग ही उत्सवपूर्ण लय में था। जब वह लय समाप्त होती है, तो मन कुछ समय के लिए उस ऊर्जा को खोजने लगता है, जो अभी तक वातावरण में मौजूद थी। यही वह क्षण है जब हमें लगता है कि घर कुछ अधिक शांत हो गया है, गलियां कुछ अधिक खाली लग रही हैं और दिन कुछ अधिक सामान्य हो गए हैं। यह भावना विशेष रूप से तब अधिक होती है जब त्योहार के दौरान परिवार के सदस्य दूर-दूर से घर आए हों। उनके लौट जाने के बाद घर का वातावरण सचमुच बदल जाता है। जहां कल तक बच्चों की आवाजें और बातचीत की गूंज थी, वहां अब एक शांत स्थिरता होती है।

### स्मृतियों की कोमलता

त्योहारों की सबसे सुंदर बात यह है कि वे केवल उस समय तक सीमित नहीं रहते। उनके समाप्त होने के बाद भी उनकी स्मृतियां लंबे समय तक मन में बनी रहती हैं। कभी अचानक किसी पकवान की खुशबू याद आ जाती है, कभी किसी पारिवारिक बातचीत की याद मुस्कान ले आती है और कभी घर की सजावट की तस्वीरें देखकर मन फिर से उसी उत्सव में लौट जाता है। ये स्मृतियां ही उस खालीपन को धीरे-धीरे भर देती हैं, जो उत्सव के समाप्त होने के बाद पैदा हुआ था। समय के साथ यह खालीपन उदास नहीं रहता, बल्कि एक मधुर स्मृति बन जाता है।

### आधुनिक जीवन और बढ़ती दूरी

आज के समय में त्योहारों के बाद की उदासी का एक कारण आधुनिक जीवन की संरचना भी है। पहले संयुक्त परिवारों में त्योहार लंबे समय तक चलते थे और रिश्तों का मेल-मिलाप अधिक स्थायी होता था। आज अधिकांश लोग काम या पढ़ाई के कारण अलग-अलग शहरों में रहते हैं। ऐसे में त्योहार ही वह समय बन जाते हैं, जब पूरा परिवार एक साथ मिल पाता है। इसलिए जब यह समय समाप्त होता है, तो बिछड़ने का भाव अधिक गहराई से महसूस होता है। यह केवल भौगोलिक दूरी का प्रश्न नहीं है, बल्कि भावनात्मक निकटता का भी है। त्योहारों के दौरान जो आत्मीयता महसूस होती है, वह सामान्य दिनों में कम दिखाई देती है।

### सोशल मीडिया का प्रभाव

आजकल त्योहारों के अनुभव का एक हिस्सा सोशल मीडिया भी बन गया है। लोग अपने उत्सव की तस्वीरें साझा करते हैं, शुभकामनाएं भेजते हैं और अपने आनंद के क्षणों को दूसरों के साथ बांटते हैं, लेकिन जब त्योहार समाप्त हो जाते हैं और सोशल मीडिया पर भी वही पुरानी दिनचर्या लौट आती है, तो यह परिवर्तन भी मन को प्रभावित करता है। कुछ समय पहले तक जो मंच खुशियों और बधाइयों से भरा था, वह अचानक सामान्य पोस्टों से भर जाता है। इस परिवर्तन से भी कई लोगों को लगता है कि जैसे उत्सव की चमक अचानक समाप्त हो गई है।

### उदासी को समझना जरूरी

त्योहार के बाद की उदासी को अक्सर लोग एक नकारात्मक भावना मान लेते हैं, जबकि वास्तव में यह जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा है। यह भावना हमें यह याद दिलाती है कि हमने कुछ सुंदर क्षण जिए हैं। यदि जीवन में कभी कोई उत्सव न हो, तो उसके समाप्त होने का भी कोई प्रश्न नहीं होगा। इसलिए यह हल्की-सी उदासी वास्तव में उन खुशियों की याद का संकेत है, जो हमने अभी-अभी अनुभव की हैं। हम जब इस भावना को समझते हैं, तो यह बोझ नहीं लगती, बल्कि जीवन की लय का एक स्वाभाविक हिस्सा प्रतीत होती है।

### खालीपन से संतोष तक की यात्रा

समय के साथ यह खालीपन धीरे-धीरे एक शांत संतोष में बदल जाता है। हम फिर से अपने काम में व्यस्त हो जाते हैं, दिनचर्या अपनी गति पकड़ लेती है और जीवन फिर से सामान्य रूप से चलने लगता है। अब हमारे भीतर उन उत्सवों की स्मृतियां भी होती हैं, जो हमें समय-समय पर आनंद का अनुभव कराती रहती हैं। यही स्मृतियां हमें अगले त्योहार की प्रतीक्षा करने के लिए प्रेरित करती हैं। दरअसल, जीवन का सौंदर्य इसी चक्र में छिपा है, उत्सव और सामान्यता के बीच का संतुलन। यदि हर दिन त्योहार जैसा हो, तो शायद उसका महत्व भी कम हो जाए।

### क्या है पोस्ट-फेस्टिवल ब्लूज और उसका प्रभाव

त्योहारों के दिनों में परिवार, मित्रों और समाज के साथ होने वाला मेल-मिलाप हमारे मन में उत्साह, ऊर्जा और प्रसन्नता का स्तर बढ़ा देता है। घर की सजावट, पकवानों की खुशबू, रिश्तेदारों का आना-जाना और सामूहिक आनंद का वातावरण मनुष्य को भावनात्मक रूप से बेहद सक्रिय बना देता है, लेकिन जब यह उत्सव समाप्त हो जाता है और जीवन फिर से अपनी सामान्य दिनचर्या में लौटने लगता है, तो कई लोगों को हल्का-सा खालीपन या शांत उदासी महसूस होती है। मनोविज्ञान में इस अनुभव को पोस्ट-फेस्टिवल ब्लूज कहा जाता है। यह कोई मानसिक समस्या या बीमारी नहीं है, बल्कि उन सुखद और ऊर्जावान क्षणों के अचानक समाप्त हो जाने के बाद उत्पन्न होने वाली स्वाभाविक भावनात्मक प्रतिक्रिया है, जो हमें अभी कुछ समय पहले तक आनंद से भर रहे थे।

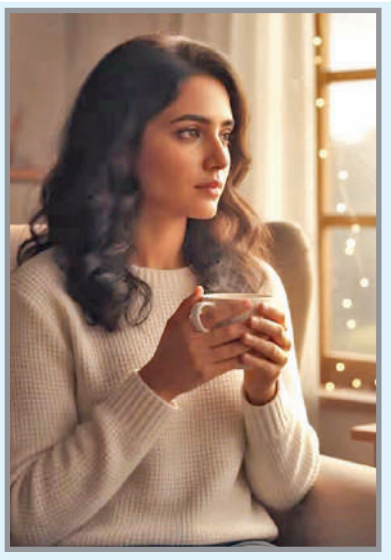

### नकारात्मक नहीं है, उदासी की यह भावना

त्योहार के बाद मन में उतरने वाली यह हल्की खामोशी अक्सर लोगों को उदासी जैसी लगती है, लेकिन वास्तव में यह भावना नकारात्मक नहीं होती। यह उन सुंदर और आत्मीय क्षणों की स्मृति का संकेत होती है, जिन्हें हमने हाल ही में जिया है। उत्सव के दौरान परिवार के साथ बिताए पल, मित्रों की हंसी-मजाक, घर की रौनक और सामूहिक आनंद की अनुभूति मन में एक गहरी छाप छोड़ जाती है। जब यह वातावरण अचानक शांत हो जाता है, तो मन कुछ समय तक उसी उल्लास को खोजता रहता है। दरअसल, यह खालीपन हमें यह एहसास कराता है कि हमारे जीवन में रिश्तों और मेल-मिलाप की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका है। समय के साथ यही हल्की उदासी मधुर स्मृतियों में बदल जाती है और हमें अगले उत्सव की प्रतीक्षा करने के लिए प्रेरित करती है।

### उत्सव से जीवन की ऊर्जा

त्योहार मनुष्य के जीवन में केवल क्षणिक आनंद के अवसर नहीं होते, बल्कि वे मानसिक और भावनात्मक रूप से नई ऊर्जा देने का भी कार्य करते हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़, जिम्मेदारियों और निरंतर बढ़ते तनाव के बीच त्योहार एक ऐसे विराम की तरह आते हैं, जहां मनुष्य कुछ समय के लिए अपनी चिंताओं से मुक्त होकर अपनों के साथ सहज और प्रसन्न क्षणों का अनुभव करता है। इस दौरान परिवार और समाज के साथ जुड़ाव का भाव गहरा होता है और मन में सकारात्मकता का संचार होता है। जब उत्सव समाप्त होते हैं और हम फिर से अपनी दैनिक दिनचर्या और कामकाज में लौटते हैं, तो भीतर एक नई ताजगी और उत्साह महसूस होता है। यही ताजगी हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को अधिक लगन और संतुलन के साथ निभाने की प्रेरणा देती है। इसलिए यदि गहराई से देखा जाए, तो उत्सव के बाद आने वाली शांति और ठहराव भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितना कि उत्सव के दिनों का उल्लास और चहल-पहल।

### जीवन की लय को स्वीकार करना

प्रकृति का स्वभाव ही संतुलन और लय पर आधारित है। वह हमें बार-बार यह सिखाती है कि हर उल्लास के बाद एक शांत विराम आना स्वाभाविक है। जैसे उजले दिन के बाद रात का सन्नाटा उतरता है और वसंत की हरियाली के बाद वर्षा का ठहराव आता है, उसी प्रकार जीवन के उत्सवपूर्ण क्षणों के बाद भी सामान्य दिनचर्या की स्थिरता लौटती है। यह परिवर्तन किसी कमी का संकेत नहीं, बल्कि जीवन की स्वाभाविक गति का हिस्सा है। यदि हम इस लय को समझना सीख लें, तो त्योहारों के बाद मन में उतरने वाली हल्की उदासी हमें विचलित नहीं करती। इसके विपरीत हम उसे एक आवश्यक विराम की तरह स्वीकार कर पाते हैं, एक ऐसा ठहराव, जो मन को फिर से संतुलित करता है, स्मृतियों को सहेजने का अवसर देता है और हमें आने वाले नए उत्सवों तथा खुशियों के लिए भीतर से तैयार करता है।

### स्मृतियों को संजोना

त्योहारों के बाद की इस शांति को सकारात्मक बनाने का एक तरीका यह भी है कि हम उन स्मृतियों को सहेजकर रखें, जो उत्सव के दौरान बनी थीं। परिवार के साथ बिताए क्षणों को याद करना, तस्वीरों को देखना, बातचीत को दोहराना, ये सब उस आनंद को लंबे समय तक जीवित रखते हैं। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि हम रोजमर्रा के जीवन में भी छोटे-छोटे उत्सव खोजें। कभी परिवार के साथ एक साधारण भोजन, कभी दोस्तों के साथ एक छोटी-सी मुलाकात या कभी किसी उपलब्धि का छोटा-सा जश्न, ये सब जीवन को उत्सवमय बनाए रखते हैं। त्योहार जीवन के उन उजले पलों की तरह हैं, जो कुछ समय के लिए हमारी दुनिया को रंगों और रोशनी से भर देते हैं। जब वे समाप्त होते हैं, तो जो शांति और खालीपन महसूस होता है, वह भी जीवन की एक स्वाभाविक अनुभूति है। यह खालीपन हमें यह एहसास कराता है कि हमने कुछ सुंदर क्षण जिए हैं और उन क्षणों की स्मृतियां हमारे भीतर अब भी जीवित हैं। यदि हम इस भावना को स्वीकार कर लें और इसे जीवन की लय का हिस्सा मान लें, तो यह उदासी धीरे-धीरे एक शांत संतोष में बदल जाती है। यह सच है कि जीवन केवल उत्सवों से नहीं चलता, बल्कि उन उत्सवों के बीच की साधारण दिनों से भी बनता है और शायद यही साधारण दिन ही हमें अगली बार आने वाले उत्सव का इंतजार करना सिखाते हैं। उत्सव के बाद की खामोशी कोई अंत नहीं, बल्कि एक नया आरंभ है, जहां स्मृतियों की मधुरता और आने वाले उत्सवों की उम्मीद साथ-साथ चलती है।

**विश्व गौरैया दिवस (20 मार्च विशेष)**

# घर-आंगन से गुम होती गौरैया की चहक

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्य-जीव लेखक, जयपुर

आधुनिकता और कंक्रीट के जंगलों ने हमसे हमारी नन्हीं गौरैया छीन ली है। जहां उत्तर प्रदेश के पारंपरिक आंगन अब इसकी वापसी की उम्मीद जगा रहे हैं, वहीं राजस्थान के शहरों में इसे लेकर एक उदास सन्नाटा है। इस विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर समझते हैं अपनी बदलती जीवनशैली के संकट को और जानते हैं, वे सरल तरीके, जिनसे यह चहचहाहट हमारे घरों में फिर लौट सकती है। सुबह की पहली किरण जब खिड़की के शीशे से टकराती है, तो मन अनायास ही उस चहचहाहट की मधुर ध्वनि को खोजने लगता है, जो कभी घड़ी के अलार्म से पहले हमारी नींद खोल दिया करती थी। यह महज एक पक्षी नहीं, हमारे घर-आंगन की सबसे आत्मीय और चुलबुली सदस्य हुआ करती थी। इस नन्हीं चिड़िया ने दिल्ली और बिहार के राज्य पक्षी के रूप में तो गौरवशाली पहचान बनाई है, लेकिन राजस्थान की मरुधरा में यह अपनी चहक खोती जा रही है।

**मैं चिड़िया का पर्याय होकर भी बेघर हूं:** यदि गौरैया के मन की बात सुनें, तो वह कुछ व्यंग्यात्मक पीड़ा के साथ कहती है- "नगर हो या महानगर, गांव हो या कस्बा, जहां भी मानव आवास है, मैं आपको अवश्य मिलूंगी। मानव से मेरा नाता सदियों पुराना है। मैं इनसे इतनी घुलमिल गई हूं कि आपने मुझे 'चिड़िया' का पर्याय ही बना दिया। बंगाली भाई मुझे 'चड़ाई पाखी' कहते हैं, मराठी 'चिमणी', गुजराती 'कली', तमिल 'शिटक्कुरूवी' और कन्नड़ में मैं 'गुब्बच्चि' हूं। पर अफसोस! आपके साहित्यकारों ने चालाक कोयल और धूर्त कौए की प्रशंसा में तो ढेरों पन्ने रंग डाले, पर मेरे जैसे सच्चे साथी के प्रति सदा उदासीन रहे।" गौरैया की दुनिया को करीब से देखें, तो इसके नर और मादा की पहचान बड़ी स्पष्ट है। नर गौरैया अपनी कत्थई भूरी पीठ और छाती से ठोड़ी तक फैली एक काली मोटी धारी के कारण अपनी अलग पहचान रखता है मानो उसने कोई छोटी-सी काली 'टाई' पहन रखी हो। वहीं मादा गौरैया का रंग मटमैला भूरा होता है। ये दोनों मिलकर हमारे रोशनदानों और पुरानी दीवारों की दरारों में अपना घरौंदा बनाते थे, लेकिन आधुनिक वास्तुकला ने इस 'सह-जीवन' के सूत्र को बेरहमी से काट दिया है।

**उत्तर प्रदेश, जहां परंपरा अब भी सहारा है :** उत्तर प्रदेश के कई शहरों और कस्बों में गौरैया की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर दिखाई देती है। लखनऊ के पुराने इलाकों, वाराणसी की तंग गलियों और गोरखपुर जैसे कृषि प्रधान क्षेत्रों में इसकी उपस्थिति अभी भी सामान्य रूप से देखी जा सकती है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण पुरातनता और नवीनता का संगम है। उत्तर प्रदेश के अनेक शहरों में आज भी पुरानी बस्तियां अपने मूल स्वरूप में जीवित हैं, जहां संकरी गलियां और पुराने मकान गौरैया को वह सुरक्षा प्रदान करते हैं, जिसकी उसे तलाश रहती है। उत्तर प्रदेश में खेतों की निकटता, अनाज की निरंतर उपलब्धता और प्राकृतिक कीटों की मौजूदगी ने गौरैया को भोजन की कमी नहीं होने दी।

**आधुनिकता ने छीना बसेरा :** राजस्थान के प्रमुख शहर जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और कोटा पिछले दो दशकों में जिस गति से 'स्मार्ट' हुए हैं, उसकी सबसे बड़ी कीमत इन नन्हें पक्षियों ने चुकाई है। पुरानी हवेलियों के झरोखे, ऊंचे परकोटे और लकड़ी की नक्काशीदार खिड़कियां अब शीशे की ऊंची इमारतों और एल्यूमिनियम के स्लाइडिंग दरवाजों में बदल चुकी हैं। गगनचुंबी भवनों के लिए पेड़ों की कटाई ने परिंदों के बसेरों को उजाड़ दिया है। आधुनिक न्यूनतमवादी वास्तुकला ने दीवारों को इतना सपाट बना दिया है कि वहां तिनका रखने की भी जगह नहीं बची। गौरैया अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहती है - "आपके बुद्धिमान होने पर मुझे तब शंका होती है, जब आप मेरे अंडों से आबाद घोंसले को तो उठाकर बाहर फेंक देते हैं और जंगल से 'बया' का उजड़ा हुआ घोंसला लाकर अपने ड्राइंग रूम में सजाते हैं, यह कैसी विडंबना है!" शहरों में अब अनाज सीलबंद पैकेटों में आता है, जिससे गौरैया के भोजन का प्राथमिक स्रोत 'बिखरे हुए दाने' लगभग समाप्त हो गया है। ऊपर से, रासायनिक कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग ने उन छोटे कीटों को मार दिया है, जो गौरैया के शिशुओं के लिए प्रोटीन का प्रमुख स्रोत होते हैं।

**'ड्रायक्लीनिंग' की शौकीन और अदृश्य दुश्मन रेडिएशन :** गौरैया को नहाना विशेष रूप से पसंद है। कड़ाके की सर्दी में भी यह सुबह-सुबह ठंडे पानी से नहा लेती है। गर्मियों में जब पानी कम होता है, तो यह धूल से अपनी ड्रायक्लीनिंग कर लेती है। सड़कों के किनारे महीन धूल में पंख उछाल-उछाल कर नहाना इसका खास शगल है। मोबाइल टावरों से निकलने वाली विद्युतचुंबकीय तरंगों के प्रभाव को लेकर अक्सर चिंता जताई जाती है। कुछ शोधों के अनुसार, इन तरंगों का प्रतिकूल प्रभाव पक्षियों की प्रजनन क्षमता पर पड़ रहा है। रेडिएशन के कारण अंडों के भीतर भ्रूण का विकास बाधित होता है, जिससे गौरैया की संख्या निरंतर कम हो रही है। हालांकि वैज्ञानिक समुदाय में इस पर और अधिक शोध की आवश्यकता महसूस की जाती है।

**कैसे लौटेंगी आंगन की खुशियां? :** गौरैया की वापसी के लिए केवल विलाप नहीं, बल्कि कुछ ठोस और संवेदनशील प्रयास करने होंगे। आज गौरैया का संरक्षण केवल दया का विषय नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण के अस्तित्व का सवाल है। एक सुरक्षित छोटा कोना: आधुनिक कंक्रीट के घरों में जहां पुराने रोशनदान गायब हो चुके हैं, वहां घर के सुरक्षित कोनों, बालकनी या छतों पर लकड़ी के छोटे कृत्रिम घोंसले (नेस्ट बॉक्स) लगाए जा सकते हैं। ये घोंसले ऐसी सुरक्षित जगह लगाए जाएं, जहां सीधी धूप और भारी बारिश न आए, जिससे ये गौरैया के लिए सुरक्षित और आधुनिक आशियाने साबित हों।

**परंपरा का पुनर्जीवन :** राजस्थान की पुरानी 'परिंडा' परंपरा को पुनर्जीवित करना भी उपयोगी होगा। छत या आंगन में एक मिट्टी के बर्तन में साफ पानी और अनाज के कुछ दाने रखने की आदत डालें। जब गौरैया को विश्वास हो जाएगा कि यहां उसे नियमित दाना-पानी मिल रहा है, तो वह फिर से आकर्षित होने लगेगी। इसके साथ ही अपने बगीचों और गमलों में रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग तुरंत बंद कर दें। ये रसायन उन छोटे कीटों को मार देते हैं, जो गौरैया के चूजों और शिशुओं का मुख्य आहार हैं।

**उम्मीदों का आशियाना :** उत्तर प्रदेश की सकारात्मक खबरें यह भरोसा दिलाती हैं कि यदि हम प्रयास करें, तो यह नन्हीं चिड़िया फिर लौट सकती है। गौरैया हमारी सांस्कृतिक विरासत के साथ ही हमारे लोकगीतों की 'चिड़कली' भी है, जिसका गायब होना केवल एक प्रजाति का विलुप्त होना नहीं, बल्कि हमारे हृदय की कोमलता का कम होना भी है। विश्व गौरैया दिवस पर संकल्प लें कि हम अपने आधुनिक आशियानों में एक छोटा-सा हिस्सा इस नन्हीं चिड़िया के लिए भी आरक्षित करेंगे। जिस दिन आपके घर की मुंडेर पर फिर से वह चिरपरिचत 'चिर्र-चिर्र' गूंजेगी, तब समझ आ जाएगा कि प्रकृति और मनुष्य के बीच का सामंजस्य फिर से लौट आया है। अंततः प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व ही हमारा एकमात्र सुरक्षित भविष्य है।

भारत की परंपराओं और जीवनशैली में पान का विशेष स्थान रहा है। विवाह, उत्सव, अतिथि सत्कार और भोजन के बाद पान देने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। हालांकि आधुनिक समय में पान को अक्सर केवल एक नशे की वस्तु या आदत के रूप में देखा जाता है, जबकि आयुर्वेद के अनुसार पान का सही उपयोग स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हो सकता है। प्राचीन काल से ही पान का उपयोग धार्मिक अनुष्ठानों, सामाजिक अवसरों तथा स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता रहा है। आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथ अष्टांगहृदयम् में 'तांबूल सेवन' का उल्लेख मिलता है। इसमें बताया गया है कि भोजन के बाद पान का सेवन करने से पाचन क्रिया में सुधार होता है, मुंह की स्वच्छता बनी रहती है और कफ दोष का संतुलन होता है। इस दृष्टि से पान केवल स्वाद के लिए ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना गया है।



# नशा नहीं है पान बल्कि महत्वपूर्ण औषधि

## पान का परिचय

पान एक बेल या लता के रूप में बढ़ने वाला पौधा है। इसका वैज्ञानिक नाम Piper betle है। यह पौधा मुख्यतः उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है और भारत सहित कई एशियाई देशों में इसकी खेती की जाती है। भारत में उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम जैसे राज्यों में पान की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। पान के पत्ते हरे, चिकने, सुगंधित और हृदयाकार होते हैं। पान में कई प्रकार के आवश्यक तेल, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी, कैल्शियम ,आयरनस, फाइबर और औषधीय तत्व पाए जाते हैं, जो इसे एक प्रभावी औषधि बनाते हैं। पान का रस कटु, तिक्त और कषाय होता है। इसका स्वभाव उष्ण है और यह मुख्य रूप से कफ व वात दोष को कम करने में सहायक होता है।

## आयुर्वेद में पान का वर्णन

आयुर्वेदिक ग्रंथों में पान को पाचन शक्ति बढ़ाने वाला, मुख को सुगंधित रखने वाला तथा शरीर में स्फूर्ति प्रदान करने वाला बताया गया है। पान को "दीपन" और "पाचन" गुणों से युक्त माना गया है, अर्थात यह जठराग्नि को प्रबल करता है और भोजन के पाचन में सहायता करता है। यह केवल स्वाद के लिए ही नहीं, बल्कि पाचन को बेहतर बनाने के लिए भी किया जाता था।

## तांबूल के पांच मुख्य घटक

आयुर्वेद के अनुसार पान को औषधि के रूप में उपयोग करने के लिए उसमें कुछ विशेष सामग्रियों का संतुलित संयोजन होना आवश्यक है। इस संयोजन को तांबूल कहा जाता है।

### पान का ताजा पत्ता

पान का पत्ता तांबूल का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। यह कफ नाशक और सुगंधित होता है। इसके सेवन से मुंह की दुर्गंध दूर होती है और पाचन क्रिया को बल मिलता है। ताजा पान का पत्ता ही उपयोग करना चाहिए, क्योंकि उसमें औषधीय गुण अधिक होते हैं।

### सुपारी

सुपारी का उपयोग तांबूल में थोड़ी मात्रा में किया जाता है। यह कसैली और पाचक होती है। सुपारी लार के स्राव को बढ़ाती है, जिससे भोजन के पाचन में सहायता मिलती है। हालांकि इसका अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं माना जाता, इसलिए इसे सीमित मात्रा में ही लेना चाहिए।

### चूना

तांबूल में चूना बहुत कम मात्रा में मिलाया जाता है। यह कैल्शियम का स्रोत माना जाता है। इसकी मात्रा लगभग गेहूं के दाने के बराबर होनी चाहिए। अधिक चूना लेने से मुंह व पेट को नुकसान हो सकता है।



**लौंग :** लौंग में शक्तिशाली एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। यह मुंह की दुर्गंध को दूर करने में मदद करती है और दांतों तथा मसूड़ों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है। आयुर्वेद में लौंग को दंत रोगों के लिए भी उपयोगी माना गया है।

### इलायची या जायफल/जावित्री

इलायची व जायफल तांबूल पाचन क्रिया को बेहतर करते हैं। इनके सेवन से मुंह में ताजगी बनी रहती है। इन सभी घटकों का संतुलित मिश्रण पान को एक औषधीय तांबूल का रूप देता है।" आयुर्वेदिक में औषधीय रूप में लिया गया पान लाभकारी माना जाता है। तंबाकू मिलाकर पान खाने से यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है।

## शरीर के विभिन्न रोगों में लाभदायक

### पाचन तंत्र के लिए लाभकारी

पान का सबसे प्रमुख लाभ यह है कि यह पाचन शक्ति को बढ़ाता है। आयुर्वेद के अनुसार पान अग्नि को प्रदीप्त करता है, जिससे भोजन का पाचन ठीक प्रकार से होता है। भोजन के बाद पान का सेवन करने से गैस, अपच, पेट फूलना और भारीपन जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। इसके अलावा पान के पत्तों में मौजूद तत्व पाचन रसों के स्राव को बढ़ाते हैं, जिससे भोजन जल्दी और आसानी से पच जाता है।

### श्वसन तंत्र के रोगों में उपयोगी

पान के पत्ते श्वसन तंत्र के लिए भी अत्यंत लाभकारी माने जाते हैं। आयुर्वेद में खांसी, जुकाम और दमा जैसी समस्याओं में पान का उपयोग किया जाता है। यदि पान के पत्तों को हल्का गर्म करके छाती पर रखा जाए, तो यह कफ को ढीला करने में मदद करता है और सांस लेने में आसानी होती है। छोटे बच्चों में कफ और खांसी की समस्या होने पर पान के पत्तों का उपयोग घरेलू उपचार के रूप में किया जाता है।

### मुख स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

पान के पत्तों में एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। ये गुण मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करने में मदद करते हैं। पान का सेवन करने से मुंह की दुर्गंध दूर होती है और दांत तथा मसूड़े मजबूत बनते हैं। यही कारण है कि भोजन के बाद पान को मुखवास के रूप में लिया जाता है।

### घाव भरने में सहायक

पान के पत्तों में एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं, जो घावों को जल्दी भरने में मदद करते हैं। यदि पान के पत्तों को पीसकर घाव पर लगाया जाए, तो इससे संक्रमण का खतरा कम हो जाता है और घाव जल्दी भरने लगता है। यह त्वचा के छोटे संक्रमण, फोड़े-फुंसियों और सूजन में भी उपयोगी माना जाता है।

### त्वचा रोगों में उपयोग

पान के पत्तों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण त्वचा के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। यदि पान के पत्तों का लेप त्वचा पर लगाया जाए, तो यह खुजली, फोड़े-फुंसियों और हल्के संक्रमण में राहत देता है। इसके अलावा पान



का रस त्वचा को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने में भी सहायक होता है।

### आयुर्वेदिक चिकित्सा में पान का प्रयोग

आयुर्वेदिक चिकित्सा में पान के पत्तों का उपयोग कई प्रकार के उपचारों में किया जाता है। पान कई घरेलू नुस्खों और औषधीय तैयारियों का हिस्सा होता है। कुछ प्रमुख उपयोग इस प्रकार हैं-

- खांसी और कफ में पान का रस
- पेट दर्द में पान का सेवन
- घावों पर पान का लेप
- सूजन में पान के पत्तों का प्रयोग

इन उपायों का उपयोग प्राचीन समय से घरेलू चिकित्सा में किया जाता रहा है।

**रुहेलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बरेली** आयुर्वेदिक उपचार और जागरूकता के माध्यम से रोगियों को स्वस्थ जीवन की ओर मार्गदर्शन प्रदान करता है। पान का उपयोग औषधीय दृष्टि से या संयमित मात्रा में ही करना उचित है। पान भारतीय परंपरा, संस्कृति और आयुर्वेद तीनों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह केवल एक स्वादिष्ट मुखवास नहीं, बल्कि एक प्रभावी औषधीय वनस्पति भी है। इसके पत्तों में पाए जाने वाले औषधीय गुण शरीर को कई प्रकार से लाभ पहुंचाते हैं। यदि पान का सेवन सही तरीके और उचित मात्रा में किया जाए, तो यह पाचन शक्ति को बढ़ाने, श्वसन तंत्र को स्वस्थ रखने, त्वचा रोगों में राहत देने और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होता है। आज के समय में भी आयुर्वेद के माध्यम से प्राकृतिक औषधियों के महत्व को समझना आवश्यक है। इस दिशा में रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली जैसे संस्थान लोगों को आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बीती 28 फरवरी 2026 को तंबाकू निषेध केंद्र (TCC) की स्थापना की गई। तंबाकू निषेध केंद्र की स्थापना तंबाकू मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने, व्यसन मुक्त भारत अभियान को बढ़ावा देने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह संस्थान समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, चिकित्सा शिविर के माध्यम से आयुर्वेदिक जीवनशैली को बढ़ावा देता है। जागरूकता कार्यक्रमों में लोगों को प्राकृतिक आहार, औषधीय पौधों और पारंपरिक आयुर्वेदिक पद्धतियों के बारे में जानकारी दी जाती है। कॉलेज के विशेषज्ञ चिकित्सक लोगों को यह समझाने का प्रयास करते हैं कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवनशैली है, जो व्यक्ति को स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की दिशा दिखाती है।

# धूप में छुपा है हमारी सेहत का खजाना



डॉ. अर्चना श्रीवास्तव
चिकित्सक, लखनऊ



भारत एक ऐसा देश है, जहां साल के अधिकांश समय धूप प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहती है। सामान्य रूप से माना जाता है कि धूप की पर्याप्त उपलब्धता के कारण यहां के लोगों में विटामिन डी की कमी नहीं होनी चाहिए, लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। आज भारत में बड़ी संख्या में लोग विटामिन डी की कमी से जूझ रहे हैं। कई शोधों और स्वास्थ्य सर्वेक्षणों में यह पाया गया है कि भारत की लगभग 60-80 प्रतिशत आबादी में विटामिन डी का स्तर सामान्य से कम है। यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि विटामिन डी हमारे शरीर के लिए अत्यंत आवश्यक पोषक तत्व है।

## विटामिन डी का महत्व

विटामिन डी शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्यों के लिए आवश्यक होता है। यह हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है तथा कैल्शियम और फॉस्फोरस के अवशोषण को बढ़ाता है। इसके अलावा यह मांसपेशियों की शक्ति, प्रतिरक्षा प्रणाली और शरीर के समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाए, तो हड्डियों में दर्द, मांसपेशियों की कमजोरी, थकान और कई अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। बच्चों में इसकी कमी से रिकेट्स और वयस्कों में ऑस्टियोमलेशिया या ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

## कमी के प्रभाव

विटामिन डी की कमी केवल हड्डियों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह शरीर के कई अंगों और प्रणालियों को प्रभावित कर सकती है। इसके कुछ प्रमुख प्रभाव इस प्रकार हैं-

- हड्डियों और जोड़ों में दर्द
- मांसपेशियों की कमजोरी
- जल्दी थकान महसूस होना
- बच्चों में हड्डियों का सही विकास न होना
- बुजुर्गों में हड्डियों के टूटने का खतरा बढ़ जाना
- शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होना

दीर्घकालिक रूप से विटामिन डी की कमी कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को भी बढ़ा सकती है।

## विटामिन डी की कमी के प्रमुख कारण

### आधुनिक जीवनशैली

आज के समय में लोगों की जीवनशैली काफी बदल गई है। अधिकांश लोग दिन का अधिक समय घरों, कार्यालयों या अन्य बंद स्थानों में बिताते हैं। इससे शरीर को सूर्य की किरणों का पर्याप्त संपर्क नहीं मिल पाता और विटामिन डी का निर्माण कम हो जाता है।

### गलत है धूप से बचने की प्रवृत्ति

कई लोग त्वचा के काले पड़ने या गर्मी से बचने के लिए धूप में निकलने से बचते हैं। महिलाएं विशेष रूप से सनस्क्रीन का अधिक उपयोग करती हैं, जिससे त्वचा तक सूर्य की किरणें कम पहुंचती हैं और विटामिन डी का निर्माण प्रभावित होता है।

### प्रदूषण

शहरी क्षेत्रों में बढ़ता वायु प्रदूषण भी एक महत्वपूर्ण कारण है। प्रदूषण की मोटी परत सूर्य की पराबैंगनी किरणों को धरती तक पूरी तरह पहुंचने से रोकती है, जिससे शरीर में विटामिन डी बनने की प्रक्रिया कम हो जाती है।

### त्वचा का रंग

भारतीय लोगों की त्वचा सामान्यतः गहरी होती है। उनमें मेलेनिन की मात्रा अधिक होती है। मेलेनिन प्राकृतिक सनस्क्रीन की तरह काम करता है। इसके कारण त्वचा सूर्य की पराबैंगनी किरणों को कम अवशोषित करती है। परिणामस्वरूप शरीर में विटामिन डी का निर्माण अपेक्षाकृत धीमा हो जाता है। इसलिए गहरी त्वचा वाले लोगों को पर्याप्त विटामिन डी बनाने के लिए अधिक समय तक धूप में रहने की आवश्यकता होती है।

### असंतुलित आहार

भारत में कई लोगों के भोजन में ऐसे खाद्य पदार्थों की कमी होती है, जिनसे विटामिन डी प्राप्त हो सकता है। दूध, मछली, अंडा और फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों का सेवन कई परिवारों में नियमित रूप से नहीं होता, जिससे शरीर को पर्याप्त विटामिन डी नहीं मिल पाता।

### शहरीकरण और व्यस्त दिनचर्या

बढ़ते शहरीकरण के कारण लोग सुबह जल्दी घर से निकलते हैं और दिनभर कार्यालय या बंद वातावरण में काम करते हैं। शाम तक सूरज की रोशनी कम हो जाती है और इस प्रकार उन्हें पर्याप्त धूप नहीं मिल पाती।

## कमी से बचाव के उपाय

- **नियमित रूप से धूप लेना :** सुबह की हल्की धूप में प्रतिदिन लगभग 15-20 मिनट तक बैठना या टहलना विटामिन डी के निर्माण के लिए लाभकारी होता है।
- **संतुलित आहार लेना :** अपने भोजन में दूध, दही, अंडा, मछली, मशरूम और फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए।
- **नियमित स्वास्थ्य जांच :** समय-समय पर विटामिन डी के स्तर की जांच कराना भी आवश्यक है ताकि कमी होने पर समय रहते उपचार किया जा सके।
- **जागरूकता बढ़ाना :** समाज में विटामिन डी के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। स्वास्थ्य शिविरों, जागरूकता अभियानों और चिकित्सा परामर्श के माध्यम से लोगों को इस विषय में जानकारी दी जा सकती है।

भारत जैसे धूप से भरपूर देश में भी विटामिन डी की कमी यह संकेत देती है कि समस्या धूप की नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली की है। यदि हम रोज थोड़ी देर धूप में समय बिताएं और संतुलित आहार अपनाएं, तो विटामिन डी की कमी से आसानी से बचा जा सकता है। इसलिए बेहतर स्वास्थ्य के लिए धूप से दोस्ती करना बहुत जरूरी है।

## साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

**मेष** — यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए हुए है। आपको करियर-कारोबार में उल्लेखनीय प्रगति और लाभ होने की संभावना है। पूर्व में किए गए धन निवेश से लाभ होगा। स्वजनों द्वारा मिलने वाले समर्थन से आपके भीतर एक अलग ही उत्साह और ऊर्जा देखने को मिलेगी।

**वृष** — इस सप्ताह अपने कार्य योजनाबद्ध तरीके से समय पर करने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप ऐसा करने में कामयाब रहते हैं, तो आपको लाभ होगा अन्यथा न चाहते हुए भी तमाम तरह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती है। सप्ताह के अंत में लाभ की योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

**मिथुन** — यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। पूरा सप्ताह आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति से घर-परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा। पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद आपसी सहमति से दूर होंगे।

**कर्क** — यह सप्ताह अनुकूल रहने वाला है। सप्ताह के उत्तरार्ध में छोटी-मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दिया जाए, तो पूरे सप्ताह आपको सौभाग्य का पूरा साथ मिलता हुआ नजर आएगा। सप्ताह की शुरुआत में किसी बड़ी अड़चनें के दूर होने से आप राहत की सांस लेंगे।

**सिंह** — इस सप्ताह किसी भी कार्य को करने में लापरवाही बरतने से बचना होगा अन्यथा आर्थिक एवं मानसिक समस्या हो सकता है। सप्ताह की शुरुआत में नियमों का उल्लंघन करने से बचें और अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से करते हुए समय पर पूरा करने का प्रयास करें। अपना काम दूसरे के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं करने का प्रयास करना चाहिए।

**कन्या** — यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। हालांकि सप्ताह की शुरुआत आपके लिए अच्छी कही जा सकती है। इस दौरान आपको करियर-कारोबार में अनुकूलता बनी रहेगी। यदि आप विदेश से जुड़े कार्य करते हैं, तो आपको विशेष लाभ प्राप्ति का अवसर प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा।

**तुला** — यह सप्ताह करियर-कारोबार की दृष्टि से शुभ, लेकिन रिश्ते-नातों की दृष्टि से थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। कारोबारियों के लिए सप्ताह का पूर्वार्ध अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। पूर्व में आपके द्वारा करियर-कारोबार के लिए किए गए प्रयास सफल और सार्थक साबित होते हुए नजर आएंगे।

**वृश्चिक** — यह सप्ताह मिश्रित रहने वाला है। करियर-कारोबार में अपेक्षा के अनुरूप फल न मिलने के कारण आपका मन कई बार हताश और निराश रह सकता है। स्वजनों का सहयोग न मिल पाने के कारण आपका मन खिन्न रहेगा। आपको अपने व्यवहार एवं भाषा को प्रभावशाली तरीके से व्यक्त करने की आवश्यकता रहेगी।

**धनु** — यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपको किसी धार्मिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान आपका अधिकांश समय स्वजनों के साथ हंसी-खुशी बीतेगा। करियर-कारोबार में अनुकूलता बनी रहेगी। सप्ताह के पूर्वार्ध में किसी योजना अथवा कारोबार में फंसा हुआ धन अप्रत्याशित रूप से निकल आएगा।

**मकर** — यह सप्ताह सामान्य फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह आप जितना परिश्रम और प्रयास करेंगे आपको सिर्फ उतना ही फल प्राप्त होगा। ऐसे में मनचाही सफलता पाने के लिए आलस्य छोड़कर प्रत्येक कार्य को समय पर पूरे मनोयोग से करें। नौकरीपेशा लोग इस सप्ताह अपने कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों को मिलाकर चलना उचित रहेगा।

**कुंभ** — यह सप्ताह सामान्य फलदायक रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध में कामकाज में छोटी-मोटी दिक्कतें आ सकती हैं, लेकिन आप सप्ताह के उत्तरार्ध तक उसका समाधान खोजने में अंततः कामयाब हो जाएंगे। इस सप्ताह परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों का मन पढ़ाई लिखाई में खूब लगेगा तो वहीं घरेलू महिलाओं का मन धर्म-कर्म से जुड़े कार्यों में रमेगा।

**मीन** — यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपको सेहत संबंधी कुछेक दिक्कतें आ सकती हैं। ऐसे में इस दौरान अपनी दिनचर्या और खानपान का ख्याल रखते हुए मौसमी बीमारी से बचें। यात्रा के दौरान अपने सामान और सेहत का विशेष रूप से ख्याल रखें। इस सप्ताह आपको अपने धन का प्रबंधन करके चलना होगा।

## वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

### काकुरो 50



### काकुरो 49 का हल

## कहानी

# शन्नो

डॉक्टरी की परीक्षा पास करने के बाद मेरी पोस्टिंग सीमा से सटे गांव के स्वास्थ्य केंद्र पर हुई। मेरे दोस्त ने चुटकी ली -"मुबारक हो डॉक्टर साहब, अब आप मरीजों से ज्यादा बंदूकों की आवाज सुनेंगे।" मैं मुस्कुरा दिया, लेकिन भीतर कहीं चिंता घर कर गई। गांव पहुंचा तो वाकई माहौल अलग था। हर ओर ऊंचे नीचे पहाड़, संकरी पगडंडिया और उनके बीच चमकती नीली झील। गांव वाले सीधे सादे थे, लेकिन हर चेहरे पर आतंकवाद की दहशत का साया दिखता था।

पोस्टिंग के कुछ ही दिनों बाद मुझे पता चला कि झील के पार हर साल बड़ा मेला लगता है। लोग दूर-दूर से आते, नाव से झील पार करते, ढोल-नगाड़ों की थाप और लोकगीतों से वातावरण गूंज उठता। मैं मेले में पहुंचा। बाजार सजा था, झील किनारे झूले लगे थे। रंग-बिरंगे झंडे, हाथ में लिए बच्चों की खिलखिलाहट से वातावरण जीवंत हो उठा। यहीं मेरी नजर दो लड़कियों पर पड़ी। सफेद सूट में, सिर पर हल्की गुलाबी ओढ़नी, मुस्कुराते हुए बच्चों को खिलौने दे रही थी। चेहरे पर मासूमियत, आंखों में शरारत। मेरा दिल एक पल को ठहर गया। मैं धीरे-धीरे पास पहुंचा। "आप यहीं की हैं?" मैंने हिम्मत करके पूछा। एक लड़की ने हल्की हंसी के साथ कहा -"नहीं पड़ोस के गांव से आई हूं। मेरा नाम शन्नो है और यह मेरी सहेली शब्बो है।" मैंने कहा-"मैं नवल किशोर, सरकारी अस्पताल में डॉक्टर हूं। तभी हिंडोले वाला आया -"शाब, मेम शाब को झूला झूलाएगा?" "नहीं।" मैंने रूखेपन से कहा। वह पीछे ही पड़ गया -"शाब, बादलों की सैर करेगा।" एक लड़की ने कहा -"ठीक कह रहा है, जब हिंडोला ऊपर जाता है, लगता है बादलों के पास पहुंच गए।"

वाजिद हुसैन सिद्दीक़ी
कहानीकार

अचानक घटा आई और मूसलाधार बारिश होने लगी। मैं पेड़ के नीचे खड़ा जलभराव को देख रहा था। दिलकश नजारा था, लेकिन मेरी जिंदगी चटियल मैदान थी। मैंने उन दोनों लड़कियों को देखा, जो महीन मलमल के कुर्ते पहने हुए थी, जो उनके बदन के साथ चिपके हुए थे। मैंने पहले किसी लड़की को बारिश में इस तरह भीगा नहीं देखा था, क्योंकि मैं मिजाज से इस किस्म का लड़का था, जो औरतों को इन निगाहों से देखना पाप समझता था। मेरी उम्र जो महज पच्चीस साल के करीब रही थी, तजुर्बा न था। जिंदगी में पहली बार मैंने जवान लड़कियों के शबाब को गीली मलमल में लिपटे देखा। मुझे यह महसूस हुआ, मेरे शरीर में चिंगारियां दौड़ रही हैं। मैंने उन दोनों लड़कियों में से एक को चुनना चाहा। देर तक गौर करता रहा। शन्नो बड़ी चंचल और खूबसूरत थी दूसरी उससे कम। मैंने सोचा चंचल अच्छी रहेगी, मुझे भी चंचल बना देगी। थोड़ी देर के लिए मैं शायर बन गया। इसके अलावा रेडियो में सुने फिल्मी गानों की धुन भी मेरे मन में गूंजने लगी। मुझे लगा कि मैं फिल्म की शूटिंग के लिए यहां आया हूं और कोई रोमांटिक सीन फिल्माया जा रहा है।

अचानक तेज हवा चलना शुरू हो गई, लड़कियां घर जाने लगीं। लड़की जिसका नाम शन्नो था, केयरिंग थी। उसने कहा -"डॉक्टर, ऐसे मौसम में लैंडस्लाइड का डर बना रहता है। आपका यहां रुकना सेफ नहीं, आप चाहे तो हमारे घर चल सकते हैं।" न-नुकर के बाद में उसके साथ चल पड़ा। मुझे पहाड़ी सीढ़ियां चढ़ने में कठिनाई हो रही थी। उसने मेरा हाथ पकड़ा, तो लगा पंख लग गए और मैं उड़ता हुआ उसके घर पहुंच गया। उसके बाद मेरी शन्नो से मुलाकातें होने लगी। झील किनारे टहलते हुए शन्नो खुलकर हस्ती बोलती और मैं जो हमेशा किताबें और मरीजों में उलझा रहा, अचानक जीवन में रंग महसूस करने लगा। एक शाम शन्नों ने कहा- "आज पूरे चांद की रात है चलो झील की सैर करें।" मेरे होठों पर अनकही मुस्कान तैर गई। हम दोनों नाव में बैठे। चांदनी झील पर बिखरी थी, पानी में हमारी परछाइयां तैर रही थी। हवा में पहाड़ी बांसुरी की धुन बज रही थी। हम एक-दूसरे को अपनी कहानियां सुनाते रहे।

किसी दार्शनिक ने कहा है-"मन, बहते पानी में तैरने को और शबाब में डूबने को मचलता है।" वही मेरे साथ भी हुआ। मैंने दोनों हाथ, उसकी कमर में डाल दिए और उसे अपने सीने से लगा लिया। उसके होठों की और झुका, शन्नो ने मुझे जोर से धक्का दिया। नाव डगमगाई। "रुक जाओ डॉक्टर!" उसकी आवाज कांप रही थी। "तुम नहीं जानते मैं कौन हूं?" मैं सन्न रह गया। शन्नो की आंखों में आंसू बह निकले। "मुझे यहां तुम्हें मारने के लिए भेजा गया था। आतंकियों ने मुझे विषकन्या बना दिया है। कहा कि तुम्हें अपने जाल में फंसाकर खत्म कर दूं। बारिश में, मेले में, तुम्हारे करीब आकर मैंने वही किया जो मुझे सिखाया गया था।"

मेरा चेहरा पीला पड़ गया। शन्नो ने आह भरकर कहा, मैं जानती हूं, "बॉस की नाफरमानी की सजा मौत मिलेगी, पर मैंने ऐसा किया, क्योंकि मुझे लगा, आपका दिल मेरे लिए धड़कता है और मैं आपसे मुहब्बत करने लगी। मेरा दिल बदल गया। मैंने ठान लिया कि आपको चोट नहीं पहुंचाऊंगी, चाहे मेरा अंजाम कुछ भी हो। याद रखना डॉक्टर, मैं विषकन्या ही नहीं, एक औरत भी हूं, जिसने तुम्हें सच्चा प्यार किया है।"

डॉक्टर के गले से आवाज मुश्किल से निकली -"शन्नो, पलभर की मोहब्बत में अपनी जान क्यों दे रही हो? मुझे मरने दो। ज्वाइन करते समय सीएमओ ने मुझे आगाह किया था, हनी ट्रैप में मत फंसना, जान से हाथ गंवा बैठोगे।" शन्नों ने थरथराते होठों से कहा -"क्योंकि पल भर में भी मोहब्बत पूरी जिंदगी की खुशियां दे सकती है। मुझे यह पल चाहिए था। अब मौत से कोई गिला नहीं।" उसने अपनी चोली से पिस्टल निकालकर मुझे थमा दी, "इसे रख लो। तुम डॉक्टर हो, तुम्हें जिंदा रहना है, वतन के लिए और मेरी मौत का बदला लेने के लिए।"

इस वक्त झाड़ियां में हरकत हुई। गोलियों की आवाज गूंजी। शन्नो डॉक्टर के सामने खड़ी हो गई और चिल्लाई -"गोली चलाओ डॉक्टर!" अचानक फौजी दस्ते वहां पहुंचे। मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर हो गए, लेकिन शन्नो भी गोली लगने से झील में गिर गई। डॉक्टर चीखा -"शन्नो!" फौजी अफसर ने उसका कंधा थामा -"डॉक्टर साहब, आपने देशभक्ति की मिसाल कायम की, लेकिन वह लड़की? क्या वह सचमुच आतंकवादी थी?" मैंने गले में अटकी रुलाई से कहा-"नहीं सर... वह देशभक्त थी। मजबूरी ने उसे विषकन्या बनाया था, पर उसने आखिरी दम तक मुझे बचाने की कोशिश की।" अफसर चुप हो गए।

समय बीतता गया। मैंने खुद को पूरी तरह सेवा और वतन के काम में झोंक दिया, लेकिन शन्नो की याद हर पल मेरे साथ रही। एक दिन, सीमा के इस इलाके में आतंकवादी हमले के बाद घायल सैनिकों का इलाज करने के लिए मुझे बुलाया गया। अस्पताल में मरीजों के बीच दौड़ते हुए मैंने अचानक एक नर्स को देखा। सफेद ड्रेस में, चेहरे पर हल्का नकाब, लेकिन आंखें वही थी शन्नो की आंखें!

मेरा दिल थम गया। "शन्नो... तुम?" वह मुस्कुराई, आंखों में नमी थी। "हां डॉक्टर। उस रात में मरी नहीं थी, बस घायल होकर गुमनाम रह गई। फौज ने मुझे बचाया, मेरे शरीर का जहर न्यूट्रलाइज किया और एक नई पहचान दी। अब मैं आतंकवादियों के खिलाफ काम कर रही हूं। एक नर्स बनकर, जिंदगियां बचा रही हूं।" डॉक्टर की आंखें छलक उठीं। उसने धीमे से कहा -तो अब तुम विषकन्या नहीं, मेरे वतन की बेटी और मेरी हमसफर हो।" शन्नो शर्म से लजा गई। पूरे चांद की रात की अधूरी कहानी, बरसात का वह पहला इश्क, वतन और मोहब्बत का दीप अब हमेशा के लिए जल उठा था।

## काव्य

### गौरैया

नहीं फुदकती घर-आंगन में
छज्जे पर गौरैया
एक कमी-सी लगती
जब यह दिखती नहीं चिरैया
सबके साथ बहुत अपनापन
भरा हुआ रिश्ता था
धूप में पसरे चावल का
बस दो दाना उसका था
बच्चों की टोकरियों में वह
अक्सर फंस जाती थी
घर-घर में वह नीड़ बनाने
को तिनके लाती थी
ये बातें इतिहास बनी हैं
क्यों बोलो अब भैया?
नहीं फुदकती घर-आंगन में
छज्जे पर गौरैया
सुबह-सुबह उसकी बोली से
चहकने लगता आंगन
होने लगती नींबू-अमरूदों
पर चुनमुन-चुनमुन
अंधेरी कोठारियां कलरव
से चहका करती थीं
गौरैया जब रोशनदानों
में फुदका करती थी
जीवन का संगीत सुनाया
करती थी गौरैया
नहीं फुदकती घर-आंगन में
छज्जे पर गौरैया
काट-काट कर हरियाली
जो हमने नगर बनाए
ईंट-पत्थरों के जंगल में
पंछी न रह पाए
भीड़-शोर की माया नगरी
में न शीतल छैयां
नहीं फुदकती घर-आंगन में
छज्जे पर गौरैया।

अंजना वर्मा
बेंगलुरू

### पीड़ा के परिणाम

भीगी रातों ने परिचय में
किसके-किसके नाम
लिखे?
तारों ने भी चुपके-चुपके
गीत कई गुमनाम लिखे।

चौराहों पर घर की फिर
चर्चाएं हैं।
बहकी-बहकी लगतीं
आज हवाएं हैं।
मन के दस्तावेजों में तो,
मैंने खुद अंजाम लिखे।

मेढ़ों पर खेतों की ढेरों,
सपनों को बोकर आए।
जितनी बार मिले अपनों से,
अनगिन ही धोखे खाए।
सुखमय पल तो
छू न सका बस,
पीड़ा के परिणाम लिखे।
अपना सब कुछ खोकर भी
चाहा बस अपनापन ही।

बूंद-बूंद जब पिया धूप को
सोचा तब कह दूं मन की।
सांझ ढली तो सूरज को ही,
मन ने फिर पैगाम लिखे।

पंकज मिश्र 'अटल'
गीतकार

### क्षणिकाएं

**मुंह चिढ़ाती हुई धूप**
क्या खूब चेहरा है आंधियों
का
माफी भी मांग लें, तो
कहलाएं विनम्र
लेकिन वे टहनियां जाएं तो
जाएं कहां
जो अक्सर ही टूट जाती हैं
टकराते हुए
छूट जाता है सभी कुछ छूट
जाता है पीछे
और एक दिन भस्म हो जाता
है सभी कुछ
उड़ती रह जाती है सिर्फ
राख, मिट्टी, धूल
और मुंह चिढ़ाती हुई धूप।

**कितना कमतर मैं**
कटिबद्ध हूं, प्रतिबद्ध हूं मैं
अपने ही दु:ख की ओर
लौटने के लिए
दु:ख और
औरों के सभी भूलते
हुए कौन लिखेगा, कौन
समझाएगा मुझे
कितना कायर, कितना
कमतर हूं मैं
फिर भी लिपिबद्ध हूं मैं?

**मुश्किल हैं कविताएं**
मुश्किल कविताओं का
मुश्किल वक्त है,
मुश्किल में प्रतिरोध
अन्न-कण दबे हैं अर्से से
गरुण के मुंह में
भूखे हैं घरों में चिड़िया के
बच्चे।

राजकुमार कुंभज
वरिष्ठ कवि

## लघुकथा

# तफ्तीश

घनी अंधेरी रात में पति-पत्नी बाइक से घर लौट रहे थे। अंधेरा होने से पूर्व घर लौटने की फिक्र तो थी, लेकिन शादियों में चलन ही ऐसा होने लगा है देर हो ही जाती है। लोगों से मिलने-मिलाने और डिनर लेने के बाद ही वहां से चलना होता है। रात अंधेरी थी। एक शहर से दूसरे शहर का निर्जन रास्ता। दिल में डर भी था, लेकिन हौंसला भी बरकरार था। घर पहुंचने की जल्दी तो बहुत थी, लेकिन पति संयम से ड्राइव करते हुए धैर्यवान भी बना रहा। थोड़ी फिक्र और डर भीतर में भी था।

एक जगह, सुनसान सड़क पर चार लोगों ने उसे रुकने का इशारा किया। उसे अजीब लगा कि यहां न तो कोई नाका और न बाइक रोकने की कोई वजह। कौन हैं ये लोग? मन में शंका पैदा होने लगी थी। पति जब तक कुछ समझ पाता, बाइक रोक ली गई थी। रोबदार आवाज सुनाई पड़ी-"जो कुछ भी तुम्हारे पास है, निकालकर हमें दे दो!" पति घबरा उठा और पत्नी की देह तो थर-थर कांपने लगी थी। उम्र ज्यादा नहीं थी और पत्नी का सुंदरता भी झलक दे रहा था। उसने चुपचाप कान, नाक और गले में पहने जेवर उतारकर उन्हें दे दिए। जेब में जो रुपया-पैसा था, मोबाइल, घड़ी और सोने का कड़ा था, पति ने भी निकालकर उन्हें सौंप दिया।

सोचा था-"अब तो जाने देंगे?" लेकिन गठीले शरीर और लंबे कद वाले, चुस्त-दुरुस्त एक लुटेरे ने पत्नी का हाथ पकड़ा और उसे खींचकर बाहों में कस लिया। पत्नी छटपटा उठी। पति बोला-"हमारे पास जो कुछ भी था, वह हमने तुम्हें दे दिया है। मेरी पत्नी को कुछ न कहो।" उनमें से एक लुटेरे ने कहा-"मूर्ख, यह भी तो हुस्न का खजाना है। बेशकीमती खरा सोना, इसे भी कुछ देर हमारे पास रहने दो।" और वे उसे लेकर जाने लगे। पति का क्रोध और आवेश उमड़ पड़ा। अपनी पत्नी को छुड़ाने की कोशिश में वह उनसे उलझ बैठा। मारपीट होने लगी और उन चारों ने पति की सांसे रोक दी।

डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

सुबह हुई, सायरन देती पुलिस की गाड़ियां और भारी भरकम बूटों की आवाजें मौका-ए-वारदात पर उपस्थित हुईं। रिपोर्टर, कैमरामैन और मीड़िया के असंख्य लोग। जांच अधिकारी और आस-पास की भीड़ भी दिखाई पड़ने लगी थी। रिपोर्टर ने खबर को प्रसारित किया-"पति की हत्या और पत्नी से सामूहिक दुष्कर्म। तफ्तीश अभी जारी है।"

एक सीनियर जांच अधिकारी बड़े मनोयोग और गहराई से जांच-पड़ताल कर रहा था। तभी उसकी नजरें लाश के नजदीक सिपाही की एक नेमप्लेट पर गई। उसने चुपके से उसे उठाया और इशारे से एक सिपाही को पास बुलाकर उसपर चींखा-"हर काम में कोताही, तुम्हारा ध्यान कहां रहता है? मीडिया की नजरें यहां तक चली आती, तो हम कहीं के नहीं रहते। निक्कमें... बेवकूफ!"

## किस्सा

# कोरा पत्र

एक थे चांगदेव! वह हठयोगी थे। कहते हैं वह एक हजार चार सौ वर्ष तक वह जीवित रहे। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने अपनी मौत को चौदह बार वापस लौटा दिया था। इतने लंबे जीवन में उन्होंने ढेरों सिद्धियां प्राप्त कर ली थीं। उस समय उनके बराबर का ज्ञानी-ध्यानी कोई नहीं था, इस कारण उन्हें अपनी सिद्धियों पर अभिमान हो गया था।

उसी समय ज्ञानेश्वर का जन्म हुआ था। वह ईश्वर के महान भक्त थे। सोलह वर्ष के होते-होते ज्ञानेश्वर की कीर्ति सारे संसार में फैल गई। चांगदेव ने भी ज्ञानेश्वर की कीर्ति सुनी। उन्होंने ज्ञानेश्वर की खिल्ली उड़ाई। भला सोलह वर्ष का बालक क्या ज्ञानी होगा? जरूर ढोंग करता होगा? उन्होंने सोचा।

एक बार चांगदेव के मन में आया कि वह ज्ञानेश्वर को पत्र लिखें। वह पत्र लिखने बैठे। पर उस पत्र में क्या लिखें? क्या न लिखें? यह सोच नहीं पाए। ज्ञानेश्वर उनसे बहुत छोटे थे, अतः वह उन्हें पूज्य कैसे लिखते? और चिरंजीव वह लिखना नहीं चाहते थे। अतः बिना लिखे ही उन्होंने वह पत्र ज्ञानेश्वर के पास भिजवा दिया। ज्ञानेश्वर की एक बहन और शिष्या थी, मुक्ताबाई। उन्हें पत्र मिला। उसने वह पत्र ज्ञानेश्वर को दिया।

शिवचरण चौहान
लेखक

ज्ञानेश्वर बहुत पहुंचे हुए संत थे। वे चांगदेव का अभिमान समझ गए। उन्होंने तुरंत उत्तर लिखकर चांगदेव को भिजवा दिया- "मान्यवर। एक हजार वर्ष से भी अधिक आपकी उम्र हो गई, साधना करते-करते। फिर भी आप कोरे के कोरे रह गए। ये शब्द चांगदेव को बहुत खले। वह घमंड से भरकर ज्ञानेश्वर से मिलने चल दिए। अपनी सिद्धियों के प्रदर्शन के लिए उन्होंने बाघ के मुख में-काले नाग की लगाम लगाई और उस पर सवारी करके चल दिए। संत ज्ञानेश्वर ने जब सुना कि चांगदेव उनसे मिलने आ रहे हैं तो उन्होंने उनके स्वागत की तैयारी की। जब चांगदेव उनके आश्रम के करीब आ गए, तो उस समय ज्ञानेश्वर एक शिला पर बैठे हुए थे। उन्होंने शिला को चलने की आज्ञा दी, ताकि वह आगे बढ़कर चांगदेव की अगवानी कर सकें। शिला ज्ञानेश्वर को अपने ऊपर बिठाए हुए चल दी।

चांगदेव ने जब देखा कि पत्थर पर बैठे हुए ज्ञानेश्वर उनका स्वागत करने के लिए चले आ रहे हैं, तो उनका अभिमान चूर हो गया। उन्होंने सोचा- मैं तो इतनी लंबी साधना करके एक हिसंक जानवर को ही वश में कर पाया, पर बालक ज्ञानेश्वर ने तो बेजान वस्तु को भी वश में कर लिया है। उन्होंने ज्ञानेश्वर के पैर पकड़ लिए। बोले-आप सच्चे भक्त हैं। मैं अभिमानी था। आप मुझे राह दिखाइए। ज्ञानेश्वर ने उन्हें उपदेश दिया तो उनका रहा सहा अभिमान भी खत्म हो गया। उन्होंने फिर सारी जिंदगी ज्ञानेश्वर का शिष्य बनकर सेवा करते बिताई।

## व्यंग्य

# मौत की प्रतीक बनती सेल्फी



सेल्फी लेना जब हमारे नसीब में नहीं था। तब हम बिना किसी हुज्जत के प्राकृतिक तरीके से बाकायदा अर्थी पर सज-धजकर टाइम से ऊपर चले जाते थे। जब से हम सेल्फी वाले बन गए हैं। तब से मौत मोबाइल के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। सेल्फी ने मौत को इतनी आसानी से अपने करीब कर लिया है। बंदा ट्रेन में हो, तो बर्थ सीठ छोड़कर सीधे डिब्बे के ऊपर छैय्यां-छैय्यां की तर्ज पर विद मौत के सेल्फी लेने चला जाता है। मौत भी सम्मान से आती है। सेल्फी वालों की सेल्फी भी हो जाती है।

सब जानते हैं हर इंसान को अपनी-अपनी पड़ी है। कोई तो मेरी तस्वीर खींचने से रहा। जीवन का हर मौका गंवा दो। अगर सेल्फी लेना गंवा दिया। समझिए आपने अपना जीवन गंवा दिया। इधर सरकार पुलों को स्थापित करती है। लोगों के आवागमन के लिए। पुल लोगों की आवाजाही से कम पुलों पर आधुनिक अंदाज में खड़े होकर सेल्फी लेने के कारण ज्यादा प्रख्यात होते जा रहे हैं। इंसान को अब मौत से डर नहीं लगता। अगर हाथ में सेल्फी वाला मोबाइल उपलब्ध नहीं है, तो जमाने वालों के सामने स्टेटस का कचरा न हो जाए। यह डर सदैव सताता रहता है। अब मौत तो सबको ही आनी है। सेल्फी लेते वक्त मौत को अगर पब्लिक स्टंट मिल जाए, तो मौत की टी.आर.पी.भी बढ़ जाती है। चैनल भी दुखद हादसों की खबरों के दरिया में डुबकी लगा लेते हैं।

आसिम अनमोल

सेल्फी की अपनी पावर है। सेल्फी के बगैर हम कई दिन तक कपड़े तक नहीं बदलते। सेल्फी है, तो नए-नए ब्रांडेड कपड़े पहनने का जूनून रहता है। यह अलग बात है कि अब जीवन भगवान के हाथ न होकर सेल्फी वाले मोबाइल के हाथों में पहुंच गया है। मौत भी अब प्राकृतिक नहीं रही। मौत सांसारिक हो गई है। मौत ने भी अब सेल्फी वाले मोबाइल से टाईअप कर लिया है। जिंदा रहना है तो रहो। वरना सेल्फी लेते-लेते भी भगवान के पास जा सकते हो। सेल्फी से मौत का बुलावा देना बड़ा आसान है। गाड़ी चलाते वक्त यह ध्यान रखना जरूरी नहीं होता है कि गाड़ी कितनी स्पीड में है। एक्सीडेंट का उपहार भी आपको मिल सकता है। सेल्फी जरूरी है। अगर गाड़ी चलाते वक्त स्टेरिंग छोड़कर हमने सेल्फी नहीं ली, तो सेल्फी का बना बनाया रसूख खाक में मिल जाएगा।

सेल्फी अपने आपमें एक ऐसा सौंदर्य प्रोडक्ट है, जो न सिर्फ जीवन स्तर को दुनिया के सम्मुख खूबसूरत बनाता है, बल्कि आपको सेल्फीयुक्त इंसान भी बनाता है। सेल्फी वाले इंसान बनना बहुत मुश्किल काम है। हर दु:ख से दूर रखती है यह प्यारी सेल्फी। सेल्फी प्रेमिका का एक रूप भी है। जैसे प्रेमिका वादा करके मुकर जाने की संभावनाएं बनाकर प्रेमी को अकेला छोड़ देती है। वैसे ही सेल्फी के बिना इंसान को भी सेल्फी तड़पा-तड़पाकर बेचैन रखती है। जब से लोगों के जीवन में सेल्फी आई है। तब से क्या घर बार क्या बीवी, क्या जिम्मेदारी सब पीछे रह गईं हैं। एक बार एक फैमिली बाजार करने जा रही थी।

एक सांसद महोदय का वहां से गुजरना हुआ। हस्बैंड ने जैसे ही सांसद को देखा। बीवी-बच्चे भूलकर सांसद के पीछे एक सेल्फी हो जाए लेने चले गए। इधर भीड़-भाड़ में न जाने किसी ने अपनी बाइक बीवी बच्चों पर चढ़ा दी। बीवी बच्चे घायल। जनता भी यह सब देखकर बीवी-बच्चों की सेल्फी लेने लगी। किसी ने मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाया। सेल्फी लेने के लिए सैकड़ों हाथ आ गए। पति भी सांसद के साथ ली गई सेल्फी चेक करते हुए अपनी बीवी-बच्चों के पास आए तो हक्का-वक्का रह गए। इधर पब्लिक घायल बीवी बच्चों की सेल्फी लिए जा रही थी। उधर हस्बैंड सेल्फी लेने वालों के मुंह ताक रहा था।

## समीक्षा

# मातृशक्ति को समर्पित

कवि अखिलेश कुमार शर्मा हिन्दी साहित्य जगत में समादृत सुपरिचित नाम है। गतिस्त्वम् महा मां उनकी प्रथम प्रकाशित काव्यात्मक कृति है। यह कृति मातृ सत्तात्मक महाशक्ति को समर्पित है। धर्म, दर्शन और आध्यात्म जब एक बिंदु पर मिलते हैं, तब जनोपयोगी साहित्य की सर्जना होती है। यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता की यह उक्ति इस कृति पर पूरी तरह से सार्थक सिद्ध होती है।

यह कृति धर्म और दर्शन के क्षेत्र में कवि की गहन रुचि को प्रकट करती है। आदिशक्ति के रूप में अवतरित महा मां के परम पूज्य स्वरूप का वर्णन करते समय कवि भावों के अतिरेक में लीन हो जाता है।

कवियों की परिपाटी और परंपरा का निर्वाह कवि अखिलेश कुमार शर्मा ने भी किया है। बाधारहित सफलता की कामना ही कवि को काम्य है। मां भगवती भवानी की स्तुति करते समय कवि भाव-विभोर हो जाता है - अखंड गर्व खंडिनी, समस्त लोक मंडिनी। प्रचंड मुंड मालिनी, अनूप रूप शालिनी।। समीक्ष्य कृति का कलेवर अत्युत्तम है। मातृशक्ति के अंक में बैठा हुआ शिशु इसको भव्यता प्रदान करता है।

पुस्तक : गतिस्त्वं महा मां
लेखक : अखिलेश कुमार
प्रकाशक : ईथोस सर्विसेज
हल्द्वानी-नैनीताल
मूल्य : 250 रुपये
पृष्ठ : 250
समीक्षक : रमेश चन्द्र द्विवेदी।

इस ग्रंथ का प्रणयन करते समय संपादक ने बुद्धिमत्ता का परिचय दिया है। धर्म और आध्यात्म में रुचि रखने वाले हिन्दी के पाठकों के लिए यह ग्रंथ पठनीय एवं संग्रहणीय है। कहा जा सकता है कि प्रस्तुत पुस्तक में कवि मन के भावों को उड़ेल कर रख देता है।

# समझ लें थोड़ी सी बारीकियां
## रिश्ते रहेंगे मजबूत और सरस

क्या आपको अक्सर लगता है कि आप लोगों के लिए जितना करते हैं उनकी तरफ से, उसका 50 फीसदी भी आपको नहीं मिलता? क्या आपको यह भी लगता है कि लोग आपको जानबूझकर नजरअंदाज करते हैं या प्यार नहीं करते? क्या आपको अपने आसपास का हर दूसरा-तीसरा आदमी निहायत स्वार्थी, चतुर और घुन्ना लगता है? अगर ऐसा है, तो आपको मानवीय स्वभाव, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और लोकाचार से जुड़ी कुछ बारीकियों को समझना होगा। भगवान बुद्ध ने कहा था, "हजार लड़ाइयां जीतने की कोशिश करने से अच्छा है, आप खुद अपने मन को नियंत्रित कर लें।"

शिखर चंद जैन
लेखक

### वन वे ट्रैफिक नहीं हैं रिश्तें

रिश्तों को खुशहाल और सरस न तो वन वे ट्रैफिक वाले रास्ते पर चलकर बनाया जा सकता है न ही भाग्य के भरोसे छोड़ा जा सकता है। आपको इन पर निरंतर उसी गंभीरता और मेहनत से काम करना पड़ता है जैसे आप अपनी प्रोफेशनल या बिजनेस लाइफ में क्लाइंट या ग्राहक के साथ रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए करते हैं। जरा सी समझदारी और सूझबूझ से काम लें, तो दो विपरीत राजनीतिक दलों का समर्थन करने वाले, अलग तरह के खान-पान में रुचि रखने वाले, अलग तरह का पहनावा पसंद करने वाले लोग भी दीर्घकाल तक या यूं कहें कि हमेशा के लिए अच्छे रिश्ते बरकरार रख सकते हैं।

### पहली प्रतिक्रिया पर पाएं काबू

हम जब किसी व्यक्ति से किसी बात पर नाराज होते हैं और बहुत गुस्से में रहते हैं, तो हमारी पहली प्रतिक्रिया काफी कठोर और तीखी हो सकती है। इस प्रतिक्रिया से संबंधों पर काफी गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। बुद्धिमानी इसी में है कि अपनी पहली प्रतिक्रिया पर हम किसी भी प्रकार काबू पा लें और कुछ देर बाद सोच समझकर ठंडे दिमाग से अपनी बात कहें। इससे हम कोई बहुत कड़वी बात कहने से बच सकते हैं।

### समझें मानवीय स्वभाव

आपको सबसे पहले यह समझना होगा कि हर व्यक्ति के अपने अलग गुण, अपनी रुचि और अपना स्वभाव होता है, जो उसे दूसरों से अलग व्यक्तित्व प्रदान करता है। हर किसी के अपने विचार, सोच, स्वाद , इच्छाएं , उम्मीदें, सपने और आशाएं होती हैं। हर कोई दुनिया को अलग तरीके से देखता है और लोगों के साथ व्यवहार करता है। आपको लोगों की इस यूनीकनेस यानी खास व्यक्तित्व का सम्मान करना सीखना होगा।

### पहले पूरी बात सुनें

जब भी किसी बात पर किसी से आपकी असहमति हो या विवाद हो, तो सबसे पहले उन्हें अपनी बात पूरी कहने दें। बीच में बात काटने और उनका विरोध करने से बात बढ़ती है और बेवजह की बहस ज्यादा होती है। अगर वह आप पर किसी प्रकार का आरोप लगा रहे हैं या आप पर गुस्सा कर रहे हैं, तो उनसे भी ऊंची आवाज में अपनी बात कहकर खुद को उनसे ज्यादा ताकतवर साबित करने की कोशिश न करें। अच्छा होगा कि आप उनकी पूरी बात सुनकर अपनी बात को तर्कसंगत तरीके से रखें। इससे ज्यादातर मामले सुलझ जाते हैं।

### पीस फार्मूला

ओपेरा स्टार जेन पियर्स ने अपने 50 साल के वैवाहिक जीवन की सफलता का राज बताते हुए कहा था मेरी पत्नी और मैंने बहुत पहले एक समझौता किया था और हम चाहे एक-दूसरे से कितना ही गुस्सा हो हमने इस समझौते को निभाया है। जब एक गुस्सा हो रहा हो और जोर-जोर से कुछ कह रहा हो, तो दूसरा ठंडे दिमाग से उसकी बातें सुनेगा, क्योंकि अगर दोनों ही चीखने लगे, तो संवाद हो ही नहीं सकता और घर में शोरगुल और विवाद के अलावा कुछ भी नहीं होगा।

### ज्यादा उम्मीदें न करें

इस दुनिया में हम सभी कोई भी संबंध या रिश्ता इसलिए बनाते या रखते हैं, क्योंकि हमें उससे सुकून और खुशी मिलती है या फिर कहीं न कहीं कोई फायदा होता है। हम इस दुनिया में अकेले नहीं रह सकते। इसलिए हमारा दूसरों की तरफ झुकाव होता है। लोगों के साथ रहने से मानसिक शांति, सुकून और सुख मिलता है, लेकिन समस्या तब होती है, जब हम एक तरफा फायदा खोजते हैं या फिर हम लोगों से बहुत ज्यादा उम्मीद रखते हैं और उनसे फेवर, पैसा, प्रशंसा या दूसरी चीजों की मांग करते हैं। जब हमारी मानसिकता रिश्तों का फायदा उठाने और दोहन करने की हो जाती है, तो लोग हमारे लिए जितना करते हैं हम उनसे उतना ही ज्यादा चाहने लगते हैं।

इसकी परिणति रिश्तों में खटास और अंत में टूटन के रूप में होती है। इसलिए जितना आप लेना चाहते हैं, उतना ही देने का भी दिल रखिए। रिश्तों की गाड़ी हमेशा टू वे ट्रैफिक पर ही सुगमतापूर्वक चलती है।

### देने का भाव जागृत करें

अपने दिमाग और दिल को विस्तार दीजिए। लोगों से संबंधों के दायरे को बड़ा कीजिए। अपने परिवार, सोसाइटी, मोहल्ले, वर्कप्लेस के लोगों के लिए कुछ कीजिए। उनके दुख-सुख में काम आने, हिम्मत बंधाने और समानुभूति यानी एंपैथी रखने की आदत डालिए। फिर देखिए कैसे लोगों का प्यार और स्नेह आपको मिलता है और लोगों से आपके रिश्ते कैसे इंप्रूव होते हैं। आपको धीरे-धीरे पता चलेगा कि जो प्यार आपने बांटा है, अपना समय और ऊर्जा लोगों की बेहतरी और उनसे जुड़ने में लगाई है,वह आपको किस प्रकार आंतरिक खुशी सफलता और सुकून दे रही है। आखिर हमारा कारोबार या पेशा भी लोगों की बदौलत ही फलता-फूलता है।

### लोगों को उनकी तरह से स्वीकारें

लोगों को उसी तरह प्यार करें और स्वीकार करें जैसे वे हैं। उन्हें अपनी तरह बनाने की कोशिश न करें। आप उनकी तरह बन सकें तो ठीक है, वरना समझ लें कि वे अपने स्वभाव के मुताबिक ही आचरण करेंगे। रिश्तों को प्रगाढ़ बनाने वाला यह फार्मूला दांपत्य संबंधों के निर्वाह में भी सफलतापूर्वक काम करता है। जब आप ऐसा करते हैं, तो धीरे-धीरे आपको लोगों के सकारात्मक गुण नजर आने लगते हैं और आप उनकी बुराइयों या नकारात्मकता को नजर अंदाज करने लगते हैं। जाहिर है इससे आपके मन में उनके प्रति चिढ़न या कुढ़न बंद हो जाती है और रिश्ते इंप्रूव होने लगते हैं।

### असहमति को अपमान न समझें

जिंदगी भर जिस व्यक्ति के साथ रहना है, उनकी बहुत सी बातों से हमें या हमारी कई बातों से उन्हें असहमति हो सकती है। जरूरी नहीं कि पति और पत्नी एक दूसरे की हर बात से सहमत हों। ऐसे में अगर जीवनसाथी आपकी किसी बात से असहमत हो, तो उसे अपना अपमान समझकर उनसे मनमुटाव या झगड़ा करना न तो व्यावहारिक है और न ही बुद्धिमानी। रिश्ते को मधुर बनाए रखने के लिए परस्पर असहमतियों का स्वागत करें और इन असहमतियों के साथ एक-दूसरे के साथ रहने की कला सीखें।

### सहमति के क्षेत्र खोजें

माना कि दो लोगों के हर मुद्दे पर अलग-अलग विचार और अलग-अलग प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं, लेकिन ऐसे भी बहुत सारे मुद्दे होंगे, जिन पर आप दोनों एक जैसे विचार रखते हों। रिश्तों को मधुर बनाए रखने के लिए अक्सर ऐसे ही मुद्दों पर बातचीत करना लाजिमी होगा, जिनमें आपकी बहस न हो। इसका मतलब यह भी नहीं कि जिन बातों को सॉर्ट आउट करना जरूरी है, उन पर बात ही न हो। इसके लिए आपको एक खास मौके की प्रतीक्षा करनी चाहिए और सही समय पर सही तरीके से अपनी बात कहनी चाहिए।

# नन्हें हाथों को रचना सिखाएं अक्षरों की सुंदर दुनिया

आज के डिजिटल युग में जहां मोबाइल, टैबलेट और कंप्यूटर का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है, वहीं हाथ से लिखने की कला धीरे-धीरे कम होती जा रही है। सच यह है कि सुंदर और साफ लिखावट का महत्व आज भी उतना ही है, जितना पहले था। बच्चों की लिखावट केवल अच्छे नंबर पाने का साधन नहीं है, बल्कि यह उनके आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और अनुशासन का भी प्रतीक होता है। जब बच्चा साफ-सुथरी और सुंदर लिखावट में अपने विचार लिखता है, तो उसका मन भी प्रसन्न रहता है और उसे अपने काम पर गर्व महसूस होता है। इसलिए बच्चों की लिखावट को सुधारना और उसे सुंदर बनाना केवल पढ़ाई का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके समग्र विकास की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

डॉ. मोनिका राज
शोधार्थी

### लिखावट और व्यक्तित्व का गहरा संबंध

किसी भी व्यक्ति की लिखावट उसके व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ बता देती है। बच्चों के मामले में यह बात और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। जब बच्चा साफ और संतुलित अक्षरों में लिखता है, तो यह उसके धैर्य, एकाग्रता और अनुशासन को दर्शाता है। सुंदर लिखावट वाला बच्चा अक्सर अपने काम के प्रति अधिक सजग रहता है। वह शब्दों को सोच-समझकर लिखता है और अपनी कॉपी को व्यवस्थित रखने की कोशिश करता है। इससे उसके भीतर जिम्मेदारी और आत्मविश्वास की भावना विकसित होती है। दूसरी ओर, जब लिखावट बहुत उलझी हुई होती है, तो कई बार बच्चा खुद भी अपनी लिखी हुई बात को समझने में कठिनाई महसूस करता है, जिससे उसका आत्मविश्वास कम हो सकता है। इसलिए यह जरूरी है कि बच्चों को शुरू से ही साफ और सुंदर लिखने की आदत सिखाई जाए ताकि उनकी सोच और अभिव्यक्ति भी स्पष्ट हो सके।

### माता-पिता व शिक्षकों की भूमिका

बच्चों की लिखावट सुधारने में माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। अगर वे बच्चों को धैर्य और प्यार से मार्गदर्शन दें, तो बच्चे आसानी से अपनी लिखावट को बेहतर बना सकते हैं। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर अधिक दबाव न डालें, बल्कि उन्हें प्रेरित करें। अगर बच्चा थोड़ा भी सुधार दिखाता है, तो उसकी प्रशंसा जरूर करनी चाहिए। इससे बच्चे का मनोबल बढ़ता है और वह और बेहतर करने की कोशिश करता है। शिक्षक भी कक्षा में लिखावट पर ध्यान दें और बच्चों को सही तरीके से लिखने के लिए प्रोत्साहित करें। अगर शिक्षक समय-समय पर बच्चों को सुंदर लिखावट के महत्व के बारे में बताएंगे, तो बच्चे इसे गंभीरता से अपनाएंगे।

### धैर्य और निरंतरता

लिखावट सुधारना एक दिन का काम नहीं है। इसके लिए धैर्य और निरंतर प्रयास की जरूरत होती है। कई बार बच्चे जल्दी परिणाम न मिलने पर निराश हो जाते हैं, लेकिन उन्हें यह समझाना जरूरी है कि हर छोटी-सी कोशिश भी उन्हें बेहतर बनाती है। अगर बच्चा रोज थोड़ा-थोड़ा अभ्यास करता है और धीरे-धीरे अपनी गलतियों को सुधारता है, तो कुछ ही समय में उसकी लिखावट में स्पष्ट परिवर्तन दिखाई देने लगता है। यह परिवर्तन बच्चे के आत्मविश्वास को भी मजबूत बनाता है। समय पर बच्चों को सुंदर लिखावट के महत्व के बारे में बताएंगे, तो बच्चे इसे गंभीरता से अपनाएंगे।

### सुंदर लिखावट से बढ़ता है आत्मविश्वास

जब बच्चे की लिखावट अच्छी होती है, तो उसे स्कूल में भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती है। शिक्षक उसकी कॉपी देखकर प्रसन्न होते हैं और कई बार उसकी प्रशंसा भी करते हैं। यह छोटी-सी प्रशंसा बच्चे के मन में बहुत बड़ा असर डालती है। अच्छी लिखावट वाले बच्चे को अपनी कॉपी दिखाने में झिझक नहीं होती। वह अपने काम को गर्व के साथ प्रस्तुत करता है। इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह पढ़ाई के प्रति अधिक उत्साहित रहता है। इसके विपरीत, अगर लिखावट बहुत खराब हो, तो बच्चा कई बार अपनी कॉपी दिखाने से भी हिचकता है। उसे लगता है कि लोग उसकी लिखावट पर हंसेंगे या आलोचना करेंगे। इसलिए लिखावट को सुधारना बच्चों के आत्मसम्मान और आत्मविश्वास के लिए भी जरूरी है।

### राइटिंग में अभ्यास की भूमिका

सुंदर लिखावट कोई जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि यह नियमित अभ्यास से विकसित होती है। जिस तरह खेल में अच्छा बनने के लिए अभ्यास जरूरी होता है, उसी तरह लिखावट को सुंदर बनाने के लिए भी रोज थोड़ा-थोड़ा अभ्यास करना आवश्यक है। बच्चों को रोज कुछ समय कॉपी में धीरे-धीरे और ध्यान से लिखने की आदत डालनी चाहिए। शुरुआत में अक्षरों के आकार और दूरी पर ध्यान देना चाहिए। धीरे-धीरे जब हाथ की गति और नियंत्रण बेहतर हो जाता है, तो लिखावट भी स्वतः ही सुंदर और संतुलित हो जाती है। अभ्यास के दौरान बच्चों को जल्दबाजी से बचना चाहिए। अगर वे धीरे-धीरे और ध्यानपूर्वक लिखेंगे, तो अक्षर स्पष्ट और आकर्षक बनेंगे।

### सही पकड़ और बैठने की मुद्रा

अक्सर बच्चों की लिखावट खराब होने का एक कारण गलत तरीके से पेन या पेंसिल पकड़ना भी होता है। अगर बच्चा पेंसिल को बहुत कसकर या बहुत ढीला पकड़ता है, तो लिखावट पर इसका असर पड़ता है। पेंसिल या पेन को हल्के और संतुलित तरीके से पकड़ना चाहिए ताकि हाथ आसानी से चल सके। इसके साथ ही बैठने की मुद्रा भी सही होनी चाहिए। बच्चे को सीधा बैठकर, कॉपी को उचित दूरी पर रखकर लिखना चाहिए। जब बच्चा सही मुद्रा में लिखता है, तो उसके हाथ और आंखों का तालमेल बेहतर होता है। इससे अक्षर साफ और सुंदर बनते हैं और बच्चे को लिखने में थकान भी कम होती है।

**खाना खजाना**

# दही-धनिया की चटनी

दही-धनिया की चटनी भारतीय रसोई की सबसे लोकप्रिय और स्वादिष्ट चटनियों में से एक मानी जाती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें दही की मलाईदार ताजगी और धनिया-पुदीने की हर्बल खुशबू एक साथ मिलकर खाने का स्वाद कई गुना बढ़ा देती है। भारतीय घरों में चटनियां अलग-अलग तरीकों और सामग्रियों से बनाई जाती हैं, लेकिन हरी दही चटनी अपनी सादगी और लाजवाब स्वाद के कारण लगभग हर किसी की पसंद बन जाती है। धनिया और पुदीना जैसी हरी जड़ी-बूटियां न केवल भोजन को स्वादिष्ट बनाती हैं, बल्कि पाचन के लिए भी फायदेमंद मानी जाती हैं। जब इन्हें ताजे दही के साथ मिलाकर चटनी बनाई जाती है, तो इसका स्वाद और भी संतुलित व हल्का हो जाता है। दही-धनिया की चटनी की सबसे बड़ी खूबी इसकी बहुमुखी उपयोगिता है। इसे आप मोमोज, तंदूरी पनीर टिक्का, आलू वेजेज, बिरयानी, डोसा, समोसा के साथ परोस सकते हैं। इतना ही नहीं, यह चटनी रोजमर्रा के खाने जैसे रोटी, सब्जी और चावल के साथ भी स्वाद को बढ़ाने का काम करती है। आइए आज आपको बताते हैं दही-धनिया की चटनी बनाने की विधि।

### सामग्री

**सामग्री**

- धनिया- 100 ग्राम (मोटी डंडियां हटाकर)
- पोदीना - 50 ग्राम
- दही - 100 ग्राम
- नमक – 3/4 छोटी चम्मच
- हरी मिर्च- 2-3
- अदरक पेस्ट- आधा छोटी चम्मच
- हींग - 1 चुटकी
- भुना जीरा पाउडर- आधा छोटी चम्मच
- चम्मच नींबू का रस- 1 से 2 चम्मच



### बनाने की विधि

दही धनिया की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले हरे धनिये की मोटी डंडियां हटाकर उसे अच्छी तरह धो लें और छलनी में रखकर अतिरिक्त पानी निकलने दें। इसी तरह पुदीने की पत्तियों को भी साफ पानी से धोकर छलनी में रख दें। हरी मिर्च के डंठल तोड़कर उन्हें भी धो लें। इसके बाद हरे धनिये को मोटा-मोटा काट लें और हरी मिर्च के छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब मिक्सर जार में कटे हुए हरे धनिये, पुदीना और हरी मिर्च डालें। इसमें स्वादानुसार नमक, एक चुटकी हींग और ताजा दही भी मिला दें। जार का ढक्कन बंद करके मिश्रण को अच्छी तरह पीस लें, ताकि एक चिकनी और बारीक चटनी तैयार हो जाए। तैयार चटनी को मिक्सर से निकालकर एक साफ प्याले में रख लें। यह दही वाली हरी चटनी खाने के साथ तुरंत परोसी जा सकती है। चाहें तो इसे फ्रिज में रखकर लगभग 5-6 दिन तक आराम से इस्तेमाल कर सकते हैं।

## सिटी ब्रीफ

### बारात में नोट लुटाने में चले पत्थर, दर्जन भर लोग घायल

**अमृत विचार, शुक्लागंज, उन्नाव :** गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पोनी रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में शुक्रवार रात बारात के दौरान नोट लुटाने को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ा कि स्थानीय युवकों, बैंडबाजा वालों व बारातियों में कहासुनी के बाद पथराव शुरू हो गया। इसमें महिलाओं समेत करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि पथराव में लड़के पक्ष की रामदेवी, नन्हा, पंकज सिंह, कृष्णकांत सिंह व रानी समेत कई लोग घायल हो गए। घटना के दौरान कृष्णकांत का बैग छीनने का भी प्रयास किया गया। जिसमें हजारों रुपये थे। वहीं रानी की नाक की कील टूटकर पार हो गई। जिससे वह घायल हो गईं। इसकी सूचना लोगों ने पीआरवी को दी लेकिन पुलिस के देर से पहुंचने की बात कही जा रही है। बाद में बारात में शामिल राज्य पिछड़ा आयोग के जिला प्रतिनिधि ठाकुर प्रसाद सिंह ने एएसपी दक्षिणी प्रेमचंद्र को फोन कर मामले की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस पहुंची। अभी तक किसी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं दी गई है।

### लटकते तारों की चपेट में आया ट्रैक्टर चालक

**अमृत विचार, उन्नाव :** बिहार थानाक्षेत्र के बदनखेड़ा गांव निवासी शिव प्रकाश साहू का ट्रैक्टर-ट्रॉली भूसा भरने के लिए रघुनाथखेड़ा जा रहा था। तभी रास्ते में ही ट्रैक्टर ट्रॉली लटक रहे विद्युत तार से टकरा गया। देखते ही देखते पूरे ट्रैक्टर में करंट फैल गया। उस समय ट्रैक्टर पर चालक सहित 3 लोग सवार थे। झटका लगते ही दो मजदूरों ने कूदकर अपनी जान बचाई। लेकिन चालक गोविंद उर्फ मुनई (40) निवासी मधुकरपुर खेड़ा इसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। इसके बाद ट्रैक्टर में आग लग गई। ग्रामीणों ने आनन-फानन में चालक को ट्रैक्टर से निकाला और पीएचसी सुमेरपुर पहुंचाया। चालक को गंभीर देख डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

### पत्नी से विवाद के बाद लगाया फंदा, मौत

**अमृत विचार, हरदोई :** नशे की हालत में दावत से घर पहुंचा पति मोबाइल चार्ज करने के लिए बिजली के तार छूने लगा। पत्नी ने रोका तो उससे विवाद करते हुए उसकी चूड़ियां तोड़ दी। इसके बाद कमरा बंदकर दुपट्टे से फंदा लगा लिया। घर वालों ने दरवाजा तोड़कर उसे सीएचसी हरपालपुर पहुंचाया, लेकिन उसी बीच मौत हो गई। पुलिस जांच कर रही है। सवायजपुर कोतवाली के खालेपुरवा मजरा बरसोहिया निवासी राजीव (35) पुत्र जयराम फेरी लगाता था। उसके एक बेटा व दो बेटियां है।

### बेकाबू ट्रक की टक्कर से ऑटो चालक की मौत

**अमृत विचार, उन्नाव :** सवारियों के इंतजार में खड़े ऑटो चालक को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इसमें उसकी मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के तकिया गांव निवासी मुजीब (45) पुत्र स्व. मजीद ऑटो चला कर परिवार पालता था। शनिवार सुबह वह रोज की तरह थानाक्षेत्र के बांगरमऊ-लखनऊ मार्ग पर तकिया चौराहा के पास ऑटो किनारे खड़ा कर सवारियां बैठा रहा था। तभी तेज रफ्तार ट्रक उसे रौंदते हुए भाग निकला। लोगों की सूचना पर पहुंचे परिजन शव देख बेहाल हो गए। उसकी मौत से पत्नी जनतुम व बेटे अदिल, सुहैब व बेटी अलिजा रो-रोकर बेहाल हैं। भतीजे राजू ने बताया कि वह 7 भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। उसने आरोप लगाया कि चौराहा पर कभी पुलिस नहीं रहती है। इससे वहां जाम लगता है और हादसे भी होते हैं।

# मां शाकुंभरी मंदिर के विकास कार्यों का लिया जायजा

## मुख्यमंत्री योगी ने मंदिर परिसर में मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना भी की

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/सहारनपुर

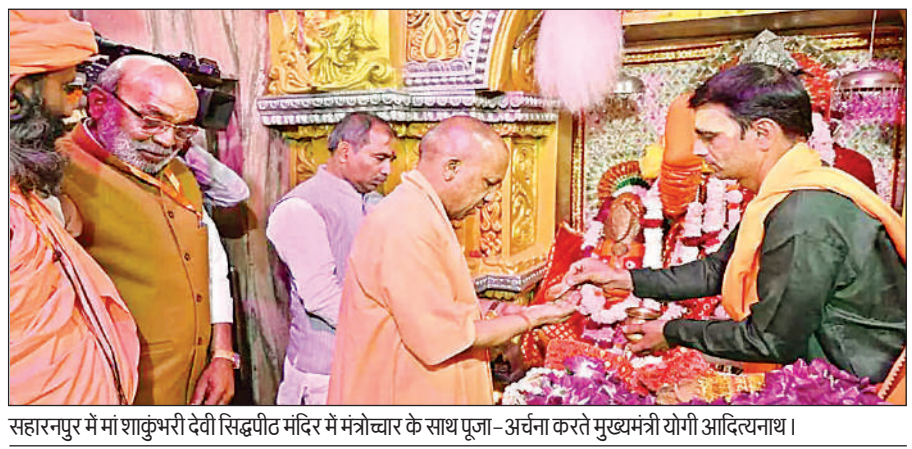

सहारनपुर में मां शाकुंभरी देवी सिद्धपीठ मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

**अमृत विचार :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को सहारनपुर में मां शाकुंभरी देवी सिद्धपीठ मंदिर पहुंचे और निर्माणाधीन पर्यटन विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना भी की।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने मां शाकुंभरी देवी पर्यटन कॉरिडोर परियोजना के तहत निर्माणाधीन सोविनियर शॉप, टॉयलेट ब्लॉक, टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर और मल्टीलेवल पार्किंग की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा किया जाए और अक्टूबर माह तक शारदीय नवरात्रि तक परियोजनाएं पूरी हो जाएं। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से भूरादेव मंदिर से शाकुंभरी देवी मंदिर तक निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड के कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

# आवास योजना के लाभार्थियों को कल पहली किस्त भेजेंगे मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विभिन्न जिलों के लाभार्थियों से योगी करेंगे वर्चुअल संवाद

**अमृत विचार :** प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत लगभग 90 हजार पात्र लाभार्थियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहली किस्त जारी करेंगे। यह धनराशि डीबीटी माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में सिंगल क्लिक से भेजी जाएगी। यह कार्यक्रम 16 मार्च को लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में आयोजित होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री 20 लाभार्थियों को आवास स्वीकृति प्रमाणपत्र भी वितरित करेंगे। इसके साथ ही वे फतेहपुर, गोरखपुर, प्रयागराज, सहारनपुर, महाराजगंज और देवरिया के चयनित लाभार्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल संवाद भी करेंगे और योजना के लाभ एवं अनुभवों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 एक मांग आधारित योजना है, जिसमें पात्र शहरी परिवारों को चरणबद्ध तरीके से आवास निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित, पक्का और स्वदेशी आवास उपलब्ध कराना है, जिससे "सबके लिए आवास" की परिकल्पना को साकार किया जा सके।

राज्य सरकार की इस पहल से शहरी गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को आवास के साथ-साथ बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस योजना के माध्यम से लाभार्थियों को न केवल वित्तीय सहायता मिल रही है, बल्कि सरकार की सामाजिक समावेशन और गरीब सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता भी स्पष्ट हो रही है।

# वाहन की टक्कर से हेल्पर की मौत, चालक गंभीर

## गोसाईंगंज स्थित लक्ष्मणपुर गांव के पास हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त पिकअप वाहन। अमृत विचार

मृतक राजीव

**टक्कर इतनी तेज थी कि हेल्पर की मौके पर ही मौत हो गई**

**अमृत विचार:** गोसाईंगंज स्थित लक्ष्मणपुर गांव के पास शुक्रवार देर रात पिकअप को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप के हेल्पर की मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने हालत नाजुक देख घायल चालक को एपेक्स ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

मूलरूप से अमेठी के जगदीशपुर सौना गांव निवासी राजीव सिंह (32) पिकअप में हेल्पर था। परिजन ने बताया कि गांव का अतुल कुमार पिकअप चालक है। बुधवार को राजीव और अतुल पिकअप से मुर्गा लेकर मध्यप्रदेश के लिए निकले थे। वापस आते वक्त शुक्रवार देर रात सुल्तानपुर हाइवे पर लक्ष्मण पुर गांव के पास तेज रफ्तार वाहन ने पिकअप में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि हेल्पर राजीव की मौके पर ही मौत हो गई। चालक अतुल गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा देखकर राहगीरों की भीड़ लग गई। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही गोसाईंगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लहूलुहाल हालत में दोनों को गोसाईगंज सीएचसी लेकर पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने राजीव को मृत घोषित कर दिया। जबकि चालक अतुल को एपेक्स ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया।पुलिस ने तलाशी के दौरान राजीव के पास से मिले मोबाइल फोन से परिजन को घटना की जानकारी दी। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के परिजन ने अभी तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश की जाएगी। भाई अजीत ने बताया कि राजीव तीन भाइयों में सबसे छोटा था। वह मां जनकलली के साथ रहता था।

### इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता के विजेता हुए सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ/आगरा : आगरा के बीएसएनएल ग्राउंड में इंडिया स्किल्स 2025-26 नॉर्थ रीजनल प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हुआ। समापन समारोह में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं युवाओं को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देती हैं। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा और कौशल विकास से ही विकसित भारत-2047 का सपना साकार होगा। कौशल विकास राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में 4000 से अधिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां ग्रामीण और दूरदराज के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं। प्रतियोगिता में उत्तर भारत के 5 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों के 360 से अधिक प्रतिभागियों ने 41 विभिन्न स्किल ट्रेड्स में अपनी तकनीकी दक्षता और नवाचार का प्रदर्शन किया।

# लोक अदालत में 4.81 लाख वादों का निस्तारण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**65.97** करोड़ रुपये की वसूली की गई

**अमृत विचार :** जन सामान्य को त्वरित, सस्ता और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लखनऊ में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ। प्रशासनिक न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान के नेतृत्व में संपन्न अदालत में कुल 4,81,112 वादों का निस्तारण करते हुए 65,97,32,278 रुपये की वसूली की गई।

पुराने उच्च न्यायालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। न्यायाधीश लखनऊ मलखान सिंह ने प्रशासनिक न्यायमूर्ति का स्वागत किया। इस मौके पर हेल्थ कैंप और रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। इसी अवसर पर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, पारिवारिक न्यायालय, वाणिज्यिक न्यायालय और उपभोक्ता फोरम में लंबित 19,546 वादों का निस्तारण कर 52 करोड़ 33 लाख 11,412 रुपये वसूल किए गए। प्री-लिटिगेशन स्तर पर राजस्व, बैंक रिकवरी और वैवाहिक विवाद सहित 4,61,566 मामलों का निस्तारण कर 13 करोड़ 64 लाख 20,866 रुपये की वसूली की गई। इससे लखनऊ में बड़ी संख्या में वादकारियों को त्वरित न्याय और राहत मिली।

### 108 वादों में 7.56 करोड़ का मुआवजा वितरित

अमृत विचार : उच्च न्यायालय लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 108 वादों का निस्तारण किया गया और सात करोड़ 56 लाख 17 हजार 451 रुपये का मुआवजा वादकारियों को वितरित किया गया।

### प्री-लिटिगेशन श्रेणी के 1.21 करोड़ वाद निस्तारित

अमृत विचार : राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण अभियान आयोजित हुआ। उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव मनु कालिया ने बताया कि प्री-लिटिगेशन श्रेणी के 1,12,94,748 वाद और न्यायालयों में लंबित 8,16,093 वादों का निस्तारण किया गया। कुल मिलाकर 1,21,10,841 वादों का समाधान किया गया। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वादों के निस्तारण की अंतिम संख्या अभी प्राप्त होना शेष है।

### सम्राट अशोक के शिलालेखों की प्रतिकृतियों का लोकार्पण

**अमृत विचार, लखनऊ :** उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज के सम्राट हर्षवर्धन बुद्ध विहार, अरैल-नैनी में चक्रवर्ती सम्राट अशोक के ऐतिहासिक शिलालेखों की प्रतिकृतियों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक भारतीय इतिहास के ऐसे महान शासक थे, जिन्होंने शासन को केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि लोककल्याण, शांति और नैतिक मूल्यों की स्थापना का साधन बनाया। उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को बताया कि अशोक ने गौतम बुद्ध के उपदेशों से प्रेरणा लेकर अहिंसा, करुणा और धर्म के सिद्धांत अपनाए और समाज में शांति तथा सद्भाव का संदेश दिया। उनके शिलालेख आज भी मानवता, न्याय और नैतिकता की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हैं।

# पूर्व विधायक से ठगे एक करोड़

## हाइवे पर जमीन बेचने का दिया झांसा, जाली दस्तावेज दिखाकर फंसाया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पुलिस आयुक्त के आदेश पर निगोहां थाने में रिपोर्ट दर्ज

**अमृत विचार:** रायबरेली हाइवे स्थित निगोहां टोल प्लाजा के पास सात बीघा जमीन बेचने का झांसा देकर जालसाजों ने प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री के छोटे भाई व पूर्व विधायक से एक करोड़ रुपये ठग लिए। आरोपी प्रॉपर्टी डीलर व पूर्व प्रधान ने साथियों संग मिलकर पूर्व विधायक को जमीन के जाली पेपर दिखाकर फंसाया और नकद व खाते में रुपये लिए। रजिस्ट्री में टालमटोल देख पीड़ित ने छानबीन की तो ठगी का पता चला। पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर के आदेश पर निगोहां पुलिस ने दो नामजद व दो अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सुशांत गोल्फ सिटी के अंसल एपीआई निवासी रायबरेली के पूर्व विधायक राकेश सिंह ने बताया कि प्रॉपर्टी डीलर विकास तिवारी उर्फ अनमोल तिवारी व पूर्व प्रधान अशोक तिवारी निवासी दखिना निगोहां टोल प्लाजा के पास प्लाटिंग करते हैं। करीब डेढ़ साल पहले आरोपियों ने राकेश सिंह से संपर्क कर जमीन बेचने का प्रस्ताव दिया। आरोपियों ने बैनामा और रजिस्ट्री से जुड़े दस्तावेज दिखाकर जमीन का सौदा लगभग दो करोड़ रुपये में तय किया। सात बीघा जमीन देख पीड़ित ने हामी भर दी।

पीड़ित ने खाते में 14 नवंबर 2024 को 25 लाख रुपये ऑनलाइन और कई बार में नकद 75 लाख रुपये दिए। रजिस्ट्री के नाम पर आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी। पीड़ित राकेश सिंह ने दस्तावेज की जांच कराई तो पता चला कि वह जाली है। पीड़ित ने विरोध कर रुपये वापस मांगे। इस पर आरोपियों ने रुपये वापस करने की बात कही। आरोपियों ने 1.10 लाख रुपये वापस किये और शेष करीब 99 लाख रुपये हड़प लिये। निगोहां पुलिस ने तहरीर के आधार पर विकास तिवारी, अशोक तिवारी व दो अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसओ अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

# बकाया जमा करने के बाद भी नहीं जुड़े कनेक्शन

- राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने रखी बकाया की किश्तों में भुगतान की मांग

**अमृत विचार, लखनऊ :** बिजली कंपनियों में नेगेटिव बैलेंस वाले स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं की बिजली बड़े पैमाने पर ऑटो मोड पर काट दी गई। कई उपभोक्ताओं ने तुरंत बकाया जमा कर दिया, लेकिन भुगतान के बाद भी बड़ी संख्या में कनेक्शन स्वतः बहाल नहीं हो सके। इसके कारण लोगों को घंटों तक बिजली के बिना रहना पड़ा और कैश काउंटरों पर लंबी लाइनें लग गईं।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश राय ने कहा कि बिजली कंपनियों के एमआईएसपी ग्रुप में अभियंता उपभोक्ताओं की जमा रसीदें पोस्ट कर कनेक्शन जोड़ने का अनुरोध करते दिखाई दिए। इससे सवाल उठ रहा है कि जब सिस्टम ऑटो मोड पर बिजली काट सकता है, तो भुगतान के बाद कनेक्शन स्वतः क्यों नहीं जुड़ रहा। इसे स्मार्ट प्रीपेड मीटर प्रणाली की गंभीर तकनीकी खामी माना जा रहा है। उपभोक्ता परिषद ने पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार से बातचीत कर आर्थिक रूप से कमजोर उपभोक्ताओं को किस्तों में भुगतान की सुविधा देने की मांग की। प्रबंध निदेशक ने इस पर विचार करने का आश्वासन दिया।

# एचपीसीएल अधिकारियों को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

## जल्द दोनों मृत अधिकारियों के घर जाकर परिजनों से मिलेगा पार्टी प्रतिनिधिमंडल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

मृतक अधिकारियों के चित्र पर पुष्पांजलि देते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य।

**अमृत विचार:** बदायूं में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के दो वरिष्ठ अधिकारियों की हत्या के विरोध और मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिवंगत अधिकारियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं और अब सरकारी अधिकारी भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मृतक अधिकारी स्व. सुधीर गुप्ता ने 14 जनवरी को जिलाधिकारी बदायूं को पत्र लिखकर आरोपी अजय प्रताप सिंह के खिलाफ शिकायत की थी। पत्र में उन्होंने बताया था कि आरोपी निषिद्ध क्षेत्र में घुसकर अधिकारियों और कर्मचारियों को धमका रहा है। अजय राय ने बताया कि 13 जनवरी को आरोपी ने एचपीसीएल प्लांट में अवैध रूप से प्रवेश कर अधिकारियों को धमकाया और शाम को घर लौटते समय उनकी गाड़ी रोककर भी डराया। इसके बावजूद प्रशासन ने समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जिसका परिणाम यह दुखद घटना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही दोनों मृत अधिकारियों के घर जाकर उनके परिजनों से मिलेगा और उन्हें न्याय दिलाने के लिए सरकार पर दबाव बनाएगा। सभा में कई कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### स्वजातीय अपराधियों को दिया जा रहा संरक्षण

**अमृत विचार, लखनऊ :** सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश के हर जिले और गांव में यह चर्चा आम है कि जातीय पक्षपात के चलते अपने ही जाति के अधिकारियों की तैनाती कर स्वजातीय माफियाओं और अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। प्रदेश में भेदभाव, अन्याय, अत्याचार चरम पर है। सपा प्रमुख ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि सरकार के इस माहौल का नतीजा है कि जौनपुर में एक ड्राइवर को गर्दन पर पैर रखकर दबाकर मार दिया गया। बदायूं में दो लोगों को गोली मार दी गई।

## धर्म-संस्कृति

### 19 से शुरू होंगे चैत्र नवरात्र व हिंदू नववर्ष

# पालकी पर सवार होकर आएंगी मां

संवाददाता, सफीपुर, उन्नाव

पंडित ऋषिकांत मिश्र शास्त्री।

- पंचांग के अनुसार, तिथियों के संयोग के कारण इस बार नवरात्र 8 दिन के होंगे, क्योंकि अष्टमी व नवमी तिथि एक दिन पड़ रही

**अमृत विचार :** हिंदू धर्म के पवित्र पर्व चैत्र नवरात्र व हिंदू नववर्ष का शुभारंभ इस वर्ष 19 मार्च से हो रहा है। पंचांग के अनुसार तिथियों के संयोग के कारण इस बार नवरात्र 8 दिन के होंगे। क्योंकि अष्टमी व नवमी तिथि एक दिन पड़ रही है। ज्योतिष पंडित ऋषिकांत मिश्र शास्त्री ने बताया कि चैत्र मास की प्रतिपदा 19 मार्च सुबह 6:40 बजे से शुरू होगी।

धार्मिक मान्यता है कि इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी और सतयुग का आरंभ हुआ था। इस वर्ष के राजा गुरु व मंत्री मंगल होंगे। नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना के लिए दो प्रमुख मुहूर्त श्रेष्ठ रहेंगे। पहला सुबह 6:40 से 07:43 बजे तक। यदि सुबह पूजन न हो सके तो दोपहर 12:05 से 12:53 बजे तक कलश स्थापना की जा सकती है। पंडित ऋषिकांत मिश्र शास्त्री के अनुसार इस वर्ष नवरात्र गुरुवार से शुरू हो रहे हैं। इसलिए मां दुर्गा का आगमन पालकी पर माना जा रहा है। ज्योतिष शास्त्र में मां का पालकी पर आना बड़े बदलावों व नई परिस्थितियों का संकेत माना जाता है। नवरात्र में 9 दिनों तक मां दुर्गा के विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। मान्यता है कि इन दिनों में की गई साधना से घर में सुख-समृद्धि आती है और जीवन की परेशानियां दूर होती हैं।

# पति की तेरहवीं के अगले दिन पत्नी ने भी दी जान

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

- पति के बिना जीवन बेकार, मेरा अंतिम संस्कार अच्छे से कर देना

आरती

**अमृत विचार:** पति की तेरहवीं के अगले दिन पत्नी वॉट्सएप पर स्टेटस लगा फंदे से लटक गई। जब तक पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार पहुंचे तब तक उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पीडी नगर मोहल्ला निवासी आरती (32) के पति बबलू की बीती 2 मार्च को बीमारी से मौत हो गई थी। बीते शुक्रवार उसकी तेरहवीं थी। शनिवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे आरती ने अपने वॉट्सएप पर स्टेटस लगाया कि सभी लोगों को नमस्कार, मेरा अंतिम संस्कार अच्छे से कर देना। पति के बिना मैं जी नहीं सकती। स्टेटस देख पास में रहने वाली मौसी दौड़ कर आरती के घर पहुंची लेकिन तब तक वह साड़ी के फंदे से लटककर जान दे चुकी थी। स्टेटस देख चचेरा भाई निकेत पुत्र रमेशचंद्र भी पहुंचा। उसकी सूचना पर पहुंची अस्पताल चौकी की पुलिस ने जांच के बाद शव म्यूर्चरी भेजा।

# लखनऊ व नोएडा में बनेंगे यू-हब

## 100 करोड़ की योजना से नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इन्क्यूबेशन, एक्सेलेरेशन और रिसर्च के जरिए युवाओं को मिलेंगे नए अवसर

**अमृत विचार :** प्रदेश को नवाचार और स्टार्टअप का बड़ा केंद्र बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बजट 2026-27 में लखनऊ और गौतमबुद्ध नगर में 'यू-हब' स्थापित करने की घोषणा की गई है। सरकार का लक्ष्य इन केंद्रों के माध्यम से युवाओं के नवाचार और स्टार्टअप को मजबूत प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना है, जिससे तकनीक आधारित उद्यमों को नई गति मिल सके।

राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। प्रस्तावित यू-हब को देश के अग्रणी नवाचार केंद्रों की तर्ज पर विकसित करने की योजना है। सरकार का मानना है कि इससे प्रदेश में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

यू-हब को प्लग एंड प्ले मॉडल पर विकसित किया जाएगा, जहां स्टार्टअप को शुरुआती स्तर से लेकर विस्तार तक हर चरण में सहयोग मिलेगा। यहां इन्क्यूबेशन, एक्सेलेरेशन, अनुसंधान और विकास से जुड़े कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसके अलावा स्टार्टअप को विशेषज्ञों की मेंटोरशिप, निवेशकों से जुड़ने के अवसर और आधुनिक तकनीकी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

**स्थापित होगा विश्वस्तरीय नवाचार केंद्र :** प्रदेश सरकार की यह पहल तेलंगाना, केरल और कर्नाटक में स्थापित नवाचार केंद्रों की तर्ज पर तैयार की जा रही है। उद्देश्य यह है कि उत्तर प्रदेश में भी ऐसा विश्वस्तरीय नवाचार केंद्र विकसित किया जाए, जो स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत कर सके और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित कर सके।

# अमृत विचार

रविवार, 15 मार्च 2026

उस दा मुख इक जोत है,
घुंघट है संसार।
घुंघट में ओह छुप्प गया,
मुख पर आंचल डार।।

बुल्ले शाह कहते हैं, परमात्मा का मुख एक दिव्य ज्योति (रोशनी) के समान है, जबकि यह संसार एक घूंघट के समान है। भगवान ने इस संसार रूपी घूंघट को अपने मुख पर डाल लिया है, जिसके कारण वह छिपे हुए हैं और हमें दिखाई नहीं देते।



# विश्व को सुंदर बनाने की अभिलाषा ही हिंदुत्व

> वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले धर्महीन समाज विश्व के अस्तित्व के लिए खतरा हैं। हिंदू धर्म की दृष्टि में पूरी पृथ्वी एक परिवार है। इस परिवार में केवल मानव समाज का हित चिंतन ही नहीं है। वैदिक चिंतन में सभी जीव, पशु-पक्षी और कीट-पतंगा भी हमारे परिजन हैं। वनस्पतियां-औषधियां भी उपास्य हैं। विज्ञान में ऐसी प्रीतिपूर्ण दृष्टि नहीं है। विज्ञान सिर्फ सत्य तथ्य देता है। सत्य तथ्य शिरोधार्य है, लेकिन सत्य का शिव और सुंदर होना भी जरूरी है। वैदिक दर्शन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण है।

वैज्ञानिक खोजों ने मानव संहार के अनेक उपकरण बनाए हैं। मध्य पूर्व में युद्ध जारी है। मानवता बारूद के ढेर पर है। विज्ञान निर्मम है। उसका लोकमंगल से कोई लेना-देना नहीं है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले धर्महीन समाज विश्व के अस्तित्व के लिए खतरा हैं। हिंदू धर्म की दृष्टि में पूरी पृथ्वी एक परिवार है। इस परिवार में केवल मानव समाज का हित चिंतन ही नहीं है। वैदिक चिंतन में सभी जीव, पशु-पक्षी और कीट-पतंगा भी हमारे परिजन हैं। वनस्पतियां-औषधियां भी उपास्य हैं। विज्ञान में ऐसी प्रीतिपूर्ण दृष्टि नहीं है। विज्ञान सिर्फ सत्य तथ्य देता है। सत्य तथ्य शिरोधार्य है, लेकिन सत्य का शिव और सुंदर होना भी जरूरी है। वैदिक दर्शन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। लोकमंगल का उद्देश्य है और विश्व को सुंदर बनाने की अभिलाषा है। इन सबका सार हिंदुत्व है। कोई अंधविश्वास नहीं। कोई जबरदस्ती नहीं। असहमत के प्रति भी आदर भाव है। हिंदुत्व में प्रेय श्रेय साथ-साथ हैं। विज्ञान और लोक मंगल भी परस्पर प्रीति में हैं।

डॉ. राधा कृष्णन ने कहा है, 'वैज्ञानिक हमें ऐसे विभिन्न ढंग बताते हैं, जिनसे पृथ्वी नष्ट हो सकती है। यह कभी सुदूर भविष्य में चंद्रमा के बहुत निकट आ पहुंचने से या सूर्य के ठंडा पड़ जाने से नष्ट हो सकती है। कोई पुच्छल तारा पृथ्वी से टकरा सकता है। धरती से ही कोई जहरीली गैस निकल सकती है, परंतु यह सब बहुत दूर की संभावनाएं हैं; जबकि अधिक संभावना इस बात की है कि मानव-जाति स्वयं जान-बूझकर किए गए कार्यों से और अपनी मूर्खता और स्वार्थ के कारण, जो मानव-स्वभाव में मजबूती से जमे हुए हैं, नष्ट हो सकती है। यह बड़ी करुणाजनक बात है कि ऐसे संसार में जो हम सब के आनंद लेने के लिए है और जो हम यदि आजकल युद्ध यंत्रजात को पूर्णता तक पहुंचने में लगाई जा रही ऊर्जाओं के केवल थोड़े-से हिस्से का ही इसके लिए उपयोग करें, तो सबके जीवन को आनंदमय बनाया जा सकता है।'

हिंदुत्व भारत की प्रकृति है और संस्कृति भी। यह भारत के लोगों की जीवनशैली है। इस जीवन शैली में सभी विश्वासों के प्रति आदर भाव है, लेकिन भारतीय राजनीति के आख्यान में हिंदुत्व के अनेक चेहरे है। उग्र हिंदुत्व, मुलायम (सॉफ्ट) हिंदुत्व, सांप्रदायिक हिंदुत्व आदि अनेक विशेषण मूल हिंदुत्व पर आक्रामक हैं। अंग्रेजी भाषांतर में हिंदुत्व को हिंदुइज्म कहा जाता है। इज्म विचार होता है। विचार 'वाद' होता है। वाद का प्रतिवाद भी एक विचार होता है। पूंजीवाद-कैप्टलिज्म है। समाजवाद सोशलिज्म है। इसी तरह कम्युनिज्म है। अंग्रेजी का हिंदुइज्म भी हिंदूवाद का अर्थ देता है, लेकिन हिंदुत्व हिंदूवाद नहीं है।

हिंदुत्व समग्र मानवीय अनुभूति है। वीर होना वीरवाद नहीं होता, वीर होने का भाव वीरता है। दयावान होना दयावाद नहीं दयालुता है। हिंदू होना हिंदुता या हिंदुत्व है। कुछ विद्वान हिंदू को मुसलमानों द्वारा दिया गया शब्द मानते रहे हैं, लेकिन यह सही नहीं है। हिंदू शब्द का प्राचीनतम उल्लेख 'अवेस्ता' में है और अवेस्ता इस्लाम से सैकड़ो वर्ष पुराना है। डेरियस (522-486 ईपू) के शिलालेख में भी हिंदू शब्द का उल्लेख है। हिंदू शब्द विशेष संस्कृति वाले जनसमूह का द्योतक है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

डॉ. राधा कृष्णन ने वाराणसी हिंदू विश्व विद्यालय व कलकत्ता (कोलकाता) विश्व विद्यालय में हिंदू तत्व पर 1942 में भाषण दिए थे। उन्होंने 'धार्मिक आदर्शों' की दृष्टि से समाज के पुनर्गठन' पर कलकत्ता (कोलकाता) विश्वविद्यालय में कहा, "भारतीय जीवन और विचार के किसी पहलू पर तुलनात्मक दृष्टि से विवेचन एक विस्तृत विषय है।" जीवन मूल्यों से समाज के आदर्श व सांस्कृतिक व्यवहार प्रभावित होते हैं और सभ्यता की उम्र भी। भारतीय राष्ट्रजीवन की सांस्कृतिक निरंतरता स्वयं सिद्ध है और प्राचीनता का मूल कारण विचारणीय है।

डॉ. राधा कृष्णन ने औरंगजेब द्वारा अपने अध्यापक मुल्ला साहब को लिखे पत्र का सुंदर उदाहरण दिया है, ''तुमने मेरे पिता शाहजहां से कहा था कि तुम मुझे दर्शन पढ़ाओगे। यह ठीक है, मुझे भली भांति याद है कि तुमने अनेक वर्षों तक मुझे वस्तुओं के संबंध में ऐसे अनेक अव्यक्त प्रश्न समझाए, जिनसे मन को कोई संतोष नहीं होता और जिनका मानव-समाज के लिए कोई उपयोग नहीं है। ऐसी थोथी धारणाएं और खाली कल्पनाएं, जिनकी केवल यह विशेषता थी कि उन्हें समझ पाना बहुत कठिन था और भूल पाना बहुत सरल था। क्या तुमने कभी मुझे यह सिखाने की चेष्टा की कि शहर पर घेरा कैसे डाला जाता है या सेना को किस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है?" औरंगजेब के जीवन का आदर्श युद्ध है। युद्ध मानवीय मूल्य रहित हिंसा है।

डॉ. राधा कृष्णन के अनुसार, 'तत्कालीन विश्व का संकट यही है कि वह सैनिक व्यवस्था के विषय में सब कुछ जानता है और जीवन मूल्यों के दर्शन व धर्म के केंद्रीभूत प्रश्नो कें संबंध में बहुत कम जानता है।' भारतीय संस्कृति में मनुष्य की महिमा है। आनंदमय जीवन की अभिलाषा है। इस अभिलाषा को पूरा करने की आचार संहिता है। यह संहिता हिंदू धर्म है। इस आचार संहिता में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। गांधी जी अहिंसा को उत्कृष्ट जीवन मूल्य बताते थे। इस आदर्श का प्रेरणा केंद्र हिंदुत्व है।

संप्रति दुनिया में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आंधी है। भारत में यह सेकुलरवाद के रास्ते हिंदू धर्म को भी कालवाह्य घोषित करने पर आमादा है। अन्य पंथ रिलीजन अपनी कट्टरता के चलते वैज्ञानिक दृष्टिकोण को श्रेष्ठ नहीं मानते। वैज्ञानिक दृष्टिकोण अनुचित नहीं है। वैज्ञानिकों ने प्रकृति के तमाम रहस्यों को उघाड़ने का काम किया है। अंधविश्वासी मतों, पंथों को भी चुनौती मिली है।

विज्ञान सत्य की खोज करता है। समाज ऐसी खोजों का उपयोग करता है। समाज इनका दुरूपयोग भी करता है। विश्व में पंथिक मजहबी मान्यताओं को लेकर तमाम युद्ध हुए हैं। हिंदू दर्शन भी सत्य का शोध करता है। दर्शन का उद्देश्य केवल सत्य का निर्वचन करना ही नहीं है। इसका ध्येय मनुष्य का दुख दूर करना है। हिंदू धर्म का उद्देश्य दुख का निवारण और आनंद की प्राप्ति है। समाज में आनंद का आपूरण विज्ञान का लक्ष्य नहीं है। विज्ञान के गले में लोकमंगल की घंटी डालने की आवश्यकता है। यह कार्य हिंदुत्व के रास्ते अधिक संभव है। हिंदुत्व लोकमंगल का पर्याय है।

भारत का जीवन ध्येय आनंद है। केवल वैयक्तिक आनंद नहीं; सामाजिक सामूहिक आनंद भी। विवेकानंद ने कहा है, "सभी देशों के निचले स्तर के मनुष्य इन्द्रियों के आनंद में उत्साह दिखाते हैं, किंतु जो सच्चे अर्थों में शिक्षित और सुसंस्कृत हैं, उनके आनंद का आधार विचार और कला होती है। दर्शन और विज्ञान होता है।" सुख और आनंद के अनेक मानसिक व बौद्धिक तल होते हैं। इंद्रिय भोग का सुख निम्न तल है। ज्ञान का सुख आनंद उच्च तल पर है। कला का आनंद गहरा है, लेकिन अनुभूति दर्शन का आनंद बहुत गहरा है। उपनिषद् दर्शन में आनंद की गहन अनुभूति है। तैत्तिरीय उपनिषद् में आनंद की व्याख्या है। शुरुआत में कहते हैं, "सैषा आनंदस्य मीमांसा भवति-अब उस आनंद की मीमांसा करते हैं।"

बताते हैं, 'मनुष्य युवा हो, श्रेष्ठ आचरण वाला हो। अध्ययनशील हो। संपूर्ण अंग बल युक्त हो। स्वस्थ हो। धन संपदा से युक्त हो तो इस लोक में आनंद है।' यहां आनंद के सभी उपकरण प्रत्यक्ष हैं। भौतिक हैं। संसारी हैं। कोई अंध आस्था नहीं। भाववाद नहीं। आनंद की प्राप्ति का स्थान भी यही लोक है। आनंद का आनंद इसी संसार में है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

# क्रीमी लेयर: आय के आधार पर वर्गीकरण उचित नहीं

भारत में आरक्षण व्यवस्था सामाजिक न्याय और समान अवसर की अवधारणा को मजबूत करने के उद्देश्य से लागू की गई है। इसका मूल लक्ष्य उन वर्गों को मुख्यधारा में लाना है, जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े रहे हैं। इसी व्यवस्था के अंतर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया है, हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए कि आरक्षण का लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे, क्रीमी लेयर की व्यवस्था बनाई गई है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इसी विषय से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि क्रीमी लेयर का निर्धारण केवल माता-पिता की आय के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि उनके पद और सामाजिक स्थिति को भी ध्यान में रखना आवश्यक होगा।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

इसकी सुनवाई न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर माधवन की पीठ ने की। पीठ ने केंद्र सरकार की उन अपीलों को खारिज कर दिया, जो मद्रास, केरल और दिल्ली उच्च न्यायालयों के फैसलों के खिलाफ दायर की गई थीं। न्यायालय ने कहा कि क्रीमी लेयर का निर्धारण करते समय केवल वेतन या आय को आधार बनाना उचित नहीं है। इसके साथ-साथ यह भी देखना जरूरी है कि माता-पिता किस पद पर कार्यरत हैं और उनकी सामाजिक स्थिति क्या है। अदालत ने स्पष्ट किया कि क्रीमी लेयर की अवधारणा का उद्देश्य केवल आय के आधार पर वर्गीकरण करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरक्षण का लाभ वास्तव में सामाजिक व शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों तक पहुंचे।

> सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्रीमी लेयर की अवधारणा का उद्देश्य केवल आय के आधार पर वर्गीकरण करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरक्षण का लाभ वास्तव में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों तक पहुंचे।

इस मामले में एक महत्वपूर्ण विवाद वर्ष 1993 में जारी केंद्र सरकार के कार्यालय ज्ञापन और वर्ष 2004 में जारी स्पष्टीकरण पत्र को लेकर सामने आया। वर्ष 1993 के कार्यालय ज्ञापन में क्रीमी लेयर निर्धारित करने के लिए आय के साथ-साथ माता-पिता के पद और सामाजिक स्थिति को भी महत्व दिया गया था। उस समय यह व्यवस्था बनाई गई थी कि श्रेणी-एक और कुछ श्रेणी-दो अफसरों के बच्चों को क्रीमी लेयर माना जाएगा, क्योंकि उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर मानी जाती है। अन्य मामलों में आय की एक सीमा तय की गई थी, जो उस समय ढाई लाख रुपये प्रतिवर्ष थी। बाद में इसे बढ़ाकर आठ लाख प्रतिवर्ष किया गया।

इसके विपरीत वर्ष 2004 में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी स्पष्टीकरण में यह कहा गया कि विश्वविद्यालयों, बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में कार्यरत कर्मचारियों के बच्चों के लिए क्रीमी लेयर का निर्धारण मुख्य रूप से आय सीमा के आधार पर किया जाएगा। इस व्याख्या के कारण कई ऐसे अभ्यर्थियों को क्रीमी लेयर में शामिल कर दिया गया, जिनके माता-पिता सरकारी सेवा में नहीं थे, लेकिन उनकी आय निर्धारित सीमा से अधिक थी। परिणामस्वरूप ऐसे कई अभ्यर्थी ओबीसी के गैर-क्रीमी लेयर वर्ग का लाभ लेने से वंचित हो गए। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि वर्ष 2004 का यह स्पष्टीकरण वर्ष 1993 के कार्यालय ज्ञापन की मूल भावना के विपरीत है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

# आनंद के संग्रह का महीना है रमजान

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार रमजान का महीना 9वां महीना है, जबकि 10 महीने शव्वाल महीने में ईद का पर्व मनाया जाएगा। इस दृष्टि से 10वें महीने के स्वागत का महीना है रमजान। अंक के हिसाब से देखें तो 9 का अंक इकाई ही है और 10वां माह इकाई से दहाई में बदल जा रहा है। इसके सूक्ष्मभाव पर नजर डालें, तो व्यक्ति को समूह में जीने का संदेश भी दे रहा है रमजान का महीना। समूह में जीने के लिए स्नेह, प्रेम, दया की जरूरत होती है और जिसके पास यह है, उसका जीवन खुद-ब-खुद खुशी से भरा रहेगा। ईद के आने के पहले मन-मस्तिष्क में आनंद का सैलाब पैदा करने के पीछे पूरा विज्ञान शामिल है।

10वें माह में आने वाले ईद पर्व के लिए तन-मन को तैयार करने के लिए रमजान महीने के कुछ नियम बने, ताकि व्यक्ति अपने निजी जीवन में भी नियम के साथ रह सके। सहरी यानी सूरज निकलने के पहले फज्र की नमाज़ के पहले सो के उठना, मेडिकल साइंस के हिसाब से सेहत के लिए लाभप्रद है।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

ताजा रिसर्च के अनुसार शरीर के हार्मोन्स आंतरिक सफाई का काम उसी समय करते हैं और उसके बाद सूरज डूबने के समय मगरिब की नमाज के समय अफ्तार (सूरज डूबने के पहले) का वक्त है। इस समय वातावरण में ऐसी तरंगें होती हैं, जिसमें किए गए भोजन से तन और मन स्वस्थ रहता है। विभिन्न धर्मावलंबी भी सूर्य डूबने के पहले भोजन कर लेते हैं।

रमजान महीने में रात को इशा के नमाज के बाद तरावीह की नमाज के दौरान कुरान पाक को सुना जाता है। कुरान पाक में तीस 'पारे', छोटी-बड़ी 114 'सूरतें' हैं। इस प्रकार धार्मिक पद्धति से एक माह कुरान को पढ़ या सुनकर शव्वाल महीने में आने वाले ईद के लिए पूरी तरह दुरुस्त होने का यह रिहर्सल का महीना है। ईद भी 'ऊद' शब्द से बना है, जिसका मतलब सुगंध है। जीवन को सुगंधित बनाने का रमज़ान का माह यह संदेश लेकर हर साल आता है कि इस्लाम धर्मावलंबी ऐसा कार्य करें, जिससे वह जहां रहें और जहां जाएं खुशबू बिखेर दें।

रमज़ान महीने में रोज़ा रखने का यह भी उद्देश्य है कि दिन भर बिना कुछ खाए-पीए रहने से शरीर को जो तकलीफ मिलती है, वह यह संदेश देता है कि जो लोग आर्थिक दृष्टि से मजबूर हैं, वे बिना खाए-पीए रहते हैं तो कितनी तकलीफ उन्हें मिलती होगी, इसलिए सिर्फ इस्लाम में ही नहीं, हर धर्मों में कहा गया है कि सक्षम व्यक्ति को चाहिए कि वह आसपास-पड़ोस के उन लोगों की जानकारी रखें तथा उनकी मदद करें जो अभावग्रस्त हैं। किसी अभावग्रस्त व्यक्ति की सहायता करने से सुकून मिलता है। प्रयास यही करना चाहिए कि अभावग्रस्त व्यक्ति को स्वावलंबी बनाने में मदद की जाए न कि उन्हें खैरात में कुछ पाने की आदत बन जाए। जकात या दान सही व्यक्ति को ही करने से पुण्य (सवाब) मिलता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

# अमेरिकी अपना रहे 'ऑफ-ग्रिड' जीवनशैली

अमेरिका इन दिनों युद्ध को लेकर इतना आक्रमक है, उसके नागरिकों के बीच 'ऑफ-ग्रिड' जीवन शैली अपनाने वालों की संख्या में निरंतर वृद्धि होती जा रही है। 'ऑफ-ग्रिड' यानि सार्वजनिक उपयोगिताओं या भौतिक सुविधाओं को छोड़ना। दिलचस्प यह है कि इस रुझान को आरामदेह और आत्मनिर्भर जीवन की चाहत समझा जा रहा है, न कि महज मजबूरी। अनुमान है कि वर्ष 2035 तक अमेरिका में लगभग 12 प्रतिशत घर ऑफ-ग्रिड हो जाएंगे। रोचक तथ्य यह भी है कि ताजा प्रवृत्ति सिर्फ पर्यावरण प्रेमियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि मुख्यधारा में भी अब लोकप्रिय हो रही है। जमीनी जीवन शैली के इस क्रम में लोग सोलर पैनल, विंड टर्बाइन और निजी जल स्रोतों (कुएं, वर्षा जल संचयन) का उपयोग करके बिजली और पानी की पब्लिक सप्लाई का त्याग कर रहे हैं। यही कवायद आत्मनिर्भरता और सुकून वाले जीवन का आधार बनती जा रही है।

> अमेरिका में 'ऑफ-ग्रिड' जीवनशैली अपनाने वालों की संख्या में निरंतर वृद्धि होती जा रही है। 'ऑफ-ग्रिड' यानी भौतिक सुविधाओं को छोड़ना। दिलचस्प यह है कि इस रुझान को आरामदेह और आत्मनिर्भर जीवन की चाहत समझा जा रहा है न कि महज मजबूरी।

ऐसी लाइफ स्टाइल को अपनाने के कारण भी हैं। अमरीका के कैलिफोर्निया, टेक्सास और लुइसियाना जैसे राज्यों में प्राकृतिक आपदाओं के कारण भी बिजली कटौती के चलते तमाम ग्रिड से अलग हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक उपयोगिताओं की बढ़ती लागत भी एक प्रमुख वजह है। ऐसा भी नहीं है कि वहां लोग आधुनिक ऑफ-ग्रिड शैली अपना कर आदिम युग में जीने लगे हों। इससे अलग उनके पास उन्नत तकनीक जैसे लिथियम बैटरी, स्मार्ट होम सिस्टम आदि विकल्प हैं, जिससे उनकी जीवन शैली पहले से तनावमुक्त है।

अजय दयाल
हल्द्वानी

इसी कड़ी में यह भी समझना होगा कि ऊर्जा की बढ़ती दरों के कारण 2025 तक 19 प्रतिशत अमेरिकियों को बिजली की आपूर्ति बंद होने का सामना करना पड़ा, जिससे त्रस्त आकर उन्होंने विकल्प के तौर पर आत्मनिर्भरता का रास्ता पकड़ा। साफ शब्दों में समझें तो अमरीका में एक नई जीवन शैली आकार ले रही है, जहां लोग सरकारी या निजी ग्रिडों की निर्भरता से अलग होकर, निजी संसाधनों से मानसिक तकलीफ से दूर होकर स्वतंत्र जीना पसंद कर रहे हैं।

थोड़ा रिसर्च कीजिए तो प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर रह कर सफल जीवन जीने वालों के और भी उदाहरण देशी-विदेशी लेखकों की पुस्तकों और इन पर बनी फिल्मों में मिल जाएंगे। ऐसी ही एक सच्ची कहानी जहाज दुर्घटना में फंसे रॉबिन्सन परिवार की है। 19वीं सदी की शुरुआत में पूर्वी इंडीज में आए एक भयंकर तूफान के कारण उनकी जहाज यात्रा एक ऐसे टापू पर अटकती है, जहां भौतिक कुछ था ही नहीं।

यहां दस वर्षों से अधिक समय गुजारने वाले परिवार को अनेक रोमांच और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पेड़ पर घर बनाने से लेकर नए-नए उपकरण और संरचनाएं बनाते सभी ने जीवन यापन किया। वास्तव में यह सच्ची घटना उनके आरामदेह और टिकाऊ जीवन बनाने के प्रयासों और अंततः सकुशल जिंदा रहने के जज्बे का उदाहरण बनी।

उदाहरण उन लोगों के लिए है, जो बिना बिजली अथवा गैस सिलेंडर के जीवन यापन करने की कल्पना मात्र से भयभीत हैं। रॉबिन्सन फैमिली की ऐतिहासिक जुगत विकासशील दुनिया में रह रहे आम लोगों के सामने नजीर है, जिनपर ताजा युद्ध का प्रभाव पड़ने जा रहा है। आग पर खाना पकाना, नदियों में नहाना है और एक साधारण बल्ब या लकड़ी की रोशनी भी विलासिता ही समझनी होगी, क्योंकि इस नये जीवन में लोग सार्वजनिक उपयोगिताओं से मुक्त होकर आरामदेह बल्कि आत्मसंतुष्ट जीवन शैली जी रहे हैं।

रॉबिन्सन फैमिली की तरह प्राकृतिक चिकित्सक मिस्टर हॉल और उनकी पत्नी एलिसिया ब्लिस हॉल का उदाहरण है, जो ऐसे इलाके में रहते हैं जहां बिजली की सुविधा बिल्कुल नहीं है। उनके दो केबिनों में बिजली पूरी तरह से सौर पैनलों से आती है। पानी के लिए नदी, जबकि खाना पकाने के लिए लकड़ी से जलने वाले चूल्हे हैं। वे धारा में एक जलविद्युत प्रणाली स्थापित कर रहे हैं जो सौर ऊर्जा में योगदान देगी।

ऐसे लोगों का ग्रिड से अलग रहकर जीवन यापन करना पहले से कहीं अधिक व्यावहारिक और आरामदेह हो गया है। लेखक रोसेन का अनुमान है कि अमेरिका में बिना बिजली-पानी के जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या में भी प्रति वर्ष लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है।

# कैनेडी बने थे उपभोक्ता अधिकारों की पहली आवाज

15 मार्च यानी वो तारीख जब उपभोक्ता अधिकारों की मशाल जलाई गई, जिसकी नींव 1962 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने रखी थी। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करते हुए पहली बार उपभोक्ता के अधिकारों को परिभाषित किया था। उन्होंने कहा था, "उपभोक्ता अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा समूह है, जो लगभग हर आर्थिक निर्णय को प्रभावित करता है, लेकिन फिर भी उसकी आवाज अक्सर अनसुनी रह जाती है।" इस दिवस को आधिकारिक रूप से मनाने की शुरुआत 15 मार्च 1983 से हुई थी।

संजीव मेहरोत्रा
रिटायर बैंककर्मी

वर्तमान परिदृश्य में बाजार का स्वरूप बिल्कुल बदल चुका है। उपभोक्ताओं के सामने कई चुनौतियां खड़ी हैं। इस बार की थीम 'सुरक्षित उत्पाद, आश्वस्त उपभोक्ता' है, जो कहीं न कहीं आज के दौर की सबसे बड़ी जरूरत को दर्शाती है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत चार अधिकार दिए गए हैं, जिनमें सुरक्षा, सूचना, चयन और सुनवाई का अधिकार शामिल है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि दिए गए अधिकारों का क्या हम उपयोग कर पा रहे हैं, क्या हमें उनका लाभ मिल पा रहा है।

आज बाजार में विकल्पों की लंबी फेहरिस्त है। लुभावने विज्ञापन और सस्ते दामों में चीजें देने का दावा है। उपभोक्ता अब दुकानों तक सीमित नहीं है, वह उससे भी आगे निकल चुका है। वह ई-कामर्स की दुनिया में है, जिसके अपने फायदे और नुकसान हैं। यहां उपभोक्ता को लुभावने और गुमराह करने वाले तरीकों से अनचाही खरीदारी करने के लिए मजबूर किया जाता है। कई उत्पादों का फेक रिव्यूज दिया जाता है। इंटरनेट पर तमाम ऐसे प्लेटफार्मस हैं, जो उत्पादों के रिव्यूज के नाम पर फेक यानी गलत जानकारी देकर गुमराह करते हैं।

भारत में 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019' ने ई-कॉमर्स को अपने दायरे में लिया और यहां से उपभोक्ताओं को नई मजबूती दी, जिसके तहत गुमराह करने वाले विज्ञापनों के लिए हस्तियों व कंपनियों पर भारी जुर्माने का प्रावधान भी किया गया है। लोगों को भी खरीदारी के समय बिल लेने, आईएसआई, एगमार्क जैसे मानकों सहित उत्पाद की एक्सपायरी तिथि जांचने की आदत डालनी होगी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

# नेपाल में बालेन शाह का चुना जाना महज इत्तेफाक नहीं

नेपाल में बालेन शाह के नेतृत्व में सत्तारूढ़ होने वाली नई सरकार के कामकाज के तौर-तरीकों की प्रतीक्षा में दुनिया के कई देश हैं, लेकिन नेपाल के पड़ोसी देशों को खास तौर पर इसकी प्रतीक्षा बेसब्री से है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मतदान के चुनाव की गिनती पूरी हो चुकी है, दोनों चुनाव प्रणाली में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को 175 से अधिक सीटें हासिल हुई हैं। प्रत्यक्ष प्रणाली के चुनाव में 165 सीटों में से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को सर्वाधिक 125 सीटें हासिल हुई हैं, जो अब तक किसी भी पार्टी को मिली सीटों से कहीं ज्यादा है। अप्रत्यक्ष चुनाव प्रक्रिया में अभी कुछ आधिकारिक औपचारिकता बाकी है, जिस वजह से नेपाल में नई सरकार के सत्तारूढ़ होने में एक सप्ताह का समय लग सकता है। इस बीच यह साफ है कि नई सरकार का गठन बालेन शाह के नेतृत्व में ही होगा।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

राजशाही के परंपरागत राजाओं के राजतिलक को छोड़ दें, तो दुनिया में इक्का-दुक्का उदाहरण ही मिलेंगे, जब किसी देश ने 35 वर्षीय एक नौजवान पर भरोसा जताते हुए सत्ता की चाभी सौंप दी हो। काठमांडू के नारा देवी में पैदा हुए, बालेन शाह का पैतृक गांव मधेश के महोत्तरी जिले में है। उनके पिता आयुर्वेदिक चिकित्सक हैं। बालेन शाह के रैप सांग में मुख्यतः नेपाल की पीड़ा और दुश्वारियों का दर्दनाक वर्णन होता था और यही कारण है कि वे नेपाल के युवाओं में रोल-मॉडल बन गए। युवाओं ने उन्हें 2023 में पहले काठमांडू का मेयर बनाया और अब नेपाल भर के इन्हीं युवाओं ने नेपाल की सत्ता सौंप दी। बालेन शाह के नेतृत्व में सत्तारूढ़ होने वाली इस सरकार में अपेक्षाकृत युवाओं की भरमार होगी। राजनीतिक विश्लेषकों के आकलन में इस युवा सरकार को लेकर आशा और उम्मीद तो है, लेकिन कुछ भ्रांतियां और संशय भी है, जिस पर से पर्दा हटना बाकी है।

वाकई यह हैरत की बात है कि जिस आंदोलन में राजधानी काठमांडू तबाह हुआ हो, उसका इल्जाम युवाओं पर लगा हो और उन्हीं युवाओं में से कुछ राजनीति में आकर चुनाव लड़ रहे हों और जनता इन पर विश्वास जताते हुए सत्ता सौंपने का निर्णय ले रही हो, तो यह महज एक्सीडेंटल नहीं है। सोचिए नेपाल की जनता अपनी ही चुनी हुई सरकारों द्वारा कितना धोखा खाई होगी और कितनी बार ठगी गई होगी, तब ऐसा निर्णय लेने को मजबूर होना पड़ा होगा। बालेन शाह के नेतृत्व में बनने वाली नेपाल की अपेक्षाकृत युवा सरकार नेपाल के लोगों की अपेक्षानुरूप काम कर पाएगी, इसका रुझान सत्तारूढ़ होने के कुछ दिन बाद ही पता चल पाएगा।

बालेन शाह का प्रधानमंत्री चुना जाना मधेश क्षेत्र के लोगों के लिए गर्व की बात है, क्योंकि पहली बार ऐसा है कि नेपाल की सर्वोच्च सत्ता पर मधेश का कोई शख्स आसीन होने जा रहा है। इस क्षेत्र में पूर्व में नेपाली कांग्रेस का वर्चस्व रहा करता था। मधेश क्षेत्र के सांसद की बदौलत कोइराला परिवार के सदस्य स्व. वीपी कोइराला से लेकर गिरिजा प्रसाद कोइराला और सुशील कोइराला तक प्रधानमंत्री होते रहे हैं, लेकिन इस परिवार ने प्रधानमंत्री तो दूर मधेश से नेपाली कांग्रेस का सभापति तक के बारे में नहीं सोचा। इस बार काफी संभावना है कि प्रधानमंत्री के साथ नेपाली कांग्रेस के संसदीय दल का नेता भी मधेश से हो। हालांकि अंकगणित के हिसाब से नेपाली कांग्रेस दूसरे नंबर की पार्टी तो है, लेकिन प्रमुख विपक्षी के लायक नहीं है।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के दो तिहाई से अधिक सदस्य युवा हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, जो नई सरकार में गृह मंत्री हो सकते हैं, वे भी युवा हैं और संभावित प्रधानमंत्री बालेन शाह तो महज 35 वर्ष के ही हैं। सुडान गुरुंग, जिनकी पहचान जेन जी आंदोलन के नायक के रूप में है, वे भी बमुश्किल 30 के ही होंगे। नेपाल में बदलाव का साक्षी बने नेपाल के युवा पॉवर की चर्चा अब पूरी दुनिया में है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

# कानून व्यवस्था लागू कराने में अक्षम अधिकारी पद से दे दें इस्तीफा

## इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रमजान के दौरान संभल की एक मस्जिद में नमाज अदा करने वालों की संख्या सीमित करने पर जताई नाराजगी

विधि संवाददाता, प्रयागराज



**अमृत विचार।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रमजान के दौरान संभल जिले की एक मस्जिद में नमाज अदा करने वालों की संख्या सीमित करने के प्रशासनिक आदेश पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य का दायित्व है और इस जिम्मेदारी से बचने के लिए धार्मिक उपासना पर प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि स्थानीय अधिकारी कानून का शासन लागू कराने में स्वयं को सक्षम नहीं मानते, तो उन्हें पद छोड़ देना चाहिए या स्थानांतरण की मांग करनी चाहिए।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन तथा न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा की खंडपीठ ने मुनजीर खान की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि संभल के गाटा संख्या 291 पर स्थित मस्जिद में रमजान के दौरान नमाज अदा करने से उन्हें रोका जा रहा है। याची का कहना था कि प्रशासन ने परिसर में केवल 20 लोगों को ही नमाज की अनुमति दी है, जबकि रमजान के कारण अधिक संख्या में नमाजियों के आने की संभावना है। राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया कि संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए यह प्रतिबंध लगाया गया था। हालांकि कोर्ट ने इस तर्क को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि हर परिस्थिति में कानून का शासन सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है।

अगर पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के कारण उपासकों की संख्या सीमित करनी पड़ रही है, तो उन्हें या तो अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए या संभल से बाहर स्थानांतरण मांग लेना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि पूजा निजी संपत्ति पर हो रही है तो उसके लिए राज्य की अनुमति आवश्यक नहीं होती। अनुमति केवल उन परिस्थितियों में जरूरी हो सकती है जब धार्मिक गतिविधि सार्वजनिक भूमि पर आयोजित की जाए या सार्वजनिक संपत्ति को प्रभावित करे।

### निजी परिसर में शांतिपूर्ण ढंग से धार्मिक प्रार्थना करने पर प्रशासनिक हस्तक्षेप उचित नहीं

**विधि संवाददाता, प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि किसी व्यक्ति को उसके निजी परिसर में शांतिपूर्ण ढंग से नमाज या अन्य धार्मिक प्रार्थना करने से प्रशासन बिना वैधानिक आधार के नहीं रोक सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित न हो, तब तक निजी संपत्ति पर धार्मिक गतिविधियों में हस्तक्षेप उचित नहीं है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ एवं न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने अलीशेर एवं अन्य की याचिका को निस्तारित करते हुए पारित किया। मामले के तथ्यों के अनुसार याचीगण बदायूं जिले की बिल्सी तहसील स्थित ग्राम बेहटा जावी में उनकी भूमि के एक हिस्से पर स्थित वक्फ मस्जिद रज़ा में अपने परिवार और स्थानीय मुस्लिम समुदाय के साथ शांतिपूर्ण रूप से नमाज अदा करते हैं, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इसमें हस्तक्षेप और बाधा उत्पन्न की जा रही थी। अत: प्रशासन के हस्तक्षेप को रोकने तथा नमाजियों को सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश की मांग में वर्तमान याचिका दाखिल की गई। याचियों की ओर से तर्क दिया गया कि कानून में निजी परिसर के भीतर धार्मिक प्रार्थना आयोजित करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने हाईकोर्ट की समन्वय पीठ के एक निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि निजी संपत्ति पर धार्मिक सभा या प्रार्थना करना मौलिक अधिकारों के दायरे में आता है और प्रशासन इस पर मनमाना प्रतिबंध लगाकर मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण नहीं कर सकता है। कोर्ट ने अधिवक्ताओं के तर्कों का समर्थन करते हुए पूर्व निर्णय में स्थापित सिद्धांतों को वर्तमान मामले में भी लागू पाया और संबंधित प्राधिकारियों को निर्देश दिया कि याचियों के परिसर में की जा रही नमाज या प्रार्थना में किसी प्रकार का हस्तक्षेप ना करें।

### भवनों में सुगम पहुंच केवल सुविधा नहीं बल्कि दिव्यांगों का संवैधानिक अधिकार

**विधि संवाददाता, प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सामुदायिक आवासीय भवनों में एक्सेसिबिलिटी के अधिकार को स्पष्ट करते हुए कहा कि "राइट टू एक्सेसिबिलिटी" अब केवल सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामुदायिक आवासीय भवनों में भी यह दिव्यांग व्यक्तियों का मौलिक अधिकार है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पार्किंग से लिफ्ट या अन्य साझा सुविधाओं तक निर्बाध पहुंच में बाधा उत्पन्न करना संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत संरक्षित अधिकार का उल्लंघन है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन एवं न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने मेसर्स एससीसी बिल्डर्स प्रा. लि. की याचिका निस्तारित करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार चलन-क्रिया में 90 प्रतिशत तक दिव्यांग आवंटी बॉबी बग्गा को गाजियाबाद स्थित "एससीसी सैफायर" परियोजना में फ्लैट के साथ पार्किंग संख्या UB-37 आवंटित की गई थी। लगभग आठ वर्ष बाद बिल्डर ने उसी पार्किंग को बिना मूल आवंटी की सहमति दो हिस्सों- 37ए और 37बी- में विभाजित कर अन्य व्यक्ति को आवंटित कर दिया, जिससे आवंटी को पार्किंग से लिफ्ट तक पहुंचने में गंभीर कठिनाई होने लगी। शिकायत करने पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने स्थल निरीक्षण किया और रिपोर्ट में पाया कि पार्किंग विभाजन के कारण दिव्यांग आवंटी की लिफ्ट तक पहुंच बाधित हो रही है।

## न्यूज ब्रीफ

### आग लगने से बकरियां जलीं, मां-बेटी झुलसीं

**संतकबीरनगर, अमृत विचार।** कोतवाली क्षेत्र के तेनुहारी दोयम गांव में शनिवार की भोर झोपड़ी में लगी आग से पांच बकरियां जिंदा जल गईं, जबकि आग बुझाने के प्रयास में मां-बेटी झुलस गईं। दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तेनुहारी दोयम गांव निवासी गनपत ने सुबह करीब 6 बजे डायल 112 पर सूचना दी कि उनकी झोपड़ी में आग लग गई है। झोपड़ी में भूसा रखा था और वहीं बकरियां भी बंधी थीं। आग की चपेट में आने से पांच बकरियां जिंदा जल गईं तथा एक दुधारू पशु भी झुलस गया। आग बुझाने के प्रयास में उसकी पतोहू लक्ष्मी देवी पत्नी चंद्रप्रकाश तथा नातिन कामिनी (17) गंभीर रूप से झुलस गईं।

### मालगाड़ी की चपेट में आकर युवक की मौत

**संतकबीरनगर, अमृत विचार।** खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के तितौवा क्रासिंग के पास मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। युवक होली की छुट्टी पर चेन्नई से घर आया था। वह गुरुवार शाम मोबाइल घर पर छोड़कर नंगे पांव निकला था। शनिवार को परिजनों की शव के शिनाख्त के बाद उसका पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान सर्वेश (23) पुत्र सत्यप्रकाश, निवासी वार्ड नंबर-1 मटिहना, कोतवाली खलीलाबाद के रूप में हुई।

### कोतवाली पर हुई पीस कमेटी की बैठक

**कुशीनगर, अमृत विचार:** उप जिलाधिकारी योगेश्वर सिंह एवं क्षेत्राधिकारी कसया कुन्दन कुमार सिंह द्वारा कोतवाली हाटा में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोतवाल संजय कुमार दुबे एवं पीस कमेटी के सदस्य, विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि सहित अन्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान त्योहारों के अवसर पर शांति, सद्भाव, भाईचारा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

# गोंडा-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन के संचालन को मिली हरी झंडी

**बाराबंकी: अमृत विचार :** यात्रीगण कृपया ध्यान दें, गोंडा पैसेंजर ट्रेन कुछ ही मिनटों में आने वाली है...का एनाउसमेंट फिर से सुनने को मिलेगा। लखनऊ से बलरामपुर वाया गोंडा होकर सफर करने वाले रेल यात्रियों के लिए छह साल से बंद पड़ी लखनऊ गोंडा पैसेंजर ट्रेन के संचालन को हरी झंडी मिल गई है। ट्रेन चारबाग के बजाय डालीगंज से चलेगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह को 24 फरवरी को भेजे गए पत्र में गोंडा पैसेंजर ट्रन संख्या 55061, 62 के फिर से संचालन करने की अनुमति स्वीकृत होने की बात कही गई है। सब कुछ ठीक रहा तो एक सप्ताह के भीतर इसका संचालन होने लगेगा। वर्ष 2020 में कोरोना के दौरान नकहा जंगल से लखनऊ तक चलने वाली इस पैसेंजर ट्रेन का संचालन बंद कर दिया गया था। संभावित समय सारिणी के अनुसार प्रस्तावित 55061 पैसेंजर नकहा जंगल से रात करीब 11 बजे प्रस्थान करेगी और गोंडा, जरवल रोड, घाघरा घाट, चौकाघाट, बुढ़वल जंक्शन, बाराबंकी, सफेदाबाद और बादशाहनगर होते हुए सुबह 9:25 बजे डालीगंज रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। वहीं वापसी में 55062 पैसेंजर डालीगंज से शाम 5:20 बजे रवाना होगी।

### कड़ी सुरक्षा के बीच हुई अलविदा जुमे की नमाज

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** जनपद के लगभग सभी तहसीलों में जुम्मे की नमाज कुशल अदा की गई इस अवसर पर भारी पुलिस बल तैनात् रहा।तहसील शोहरतगढ़. अन्तर्गत पवित्र रमजान माह के अन्तिम जुमे यानी अलविदा जुमे की नमाज अकीदत और एहतराम के साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अदा की गई। इस दौरान एसडीएम शोहरतगढ़. विवेकानन्द मिश्रा एवं पुलिस उपाधीक्षक मयंक द्विवेदी सहित उनके अधिनस्थों ने नगर पंचायत शोहरतगढ़ व बढ़नी कस्बे एवं क्षेत्र के मस्जिद के बाहर नमाज खत्म होने तक टिके रहें और नमाजियों सहित आस-पास जगहों में विडियो रिकॉर्डिंग भी करवाई।

# उपभोक्ताओं से दुर्व्यवहार पर होगी कार्रवाई

संवाददाता, कुशीनगर

गैस एजेंसी पर निरीक्षण करते जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर एवं पुलिस अधीक्षक।

- डीएम ने घरेलू गैस, पेट्रोल व डीजल आपूर्ति व्यवस्था का किया आकस्मिक निरीक्षण

**अमृत विचार:** जिले में घरेलू गैस, पेट्रोल एवं डीजल की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से शनिवार को जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर द्वारा पुलिस अधीक्षक के साथ पडरौना स्थित गैस एजेंसी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गैस सिलेण्डरों के स्टॉक, वितरण व्यवस्था तथा उपभोक्ताओं को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया गया। साथ ही मौके पर उपस्थित लोगों की समस्याओं को भी सुना गया।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है, जनपद में घरेलू गैस, पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है तथा प्रशासन द्वारा इनकी निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करायी जा रही है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर आमजन प्रशासन द्वारा स्थापित कंट्रोल रूम में फोन कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस दौरान वितरकों एवं एजेंसी संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे पूर्ण ईमानदारी, पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमों के अनुसार गैस सिलेण्डर तथा पेट्रोलियम पदार्थों का वितरण सुनिश्चित करें तथा उपभोक्ताओं को अनावश्यक रूप से परेशान न करें।

### घरेलू गैस की जमाखोरी करने पर होगी कार्रवाई

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** जनपद में डीजल, पेट्रोल और घरेलू गैस सिलेण्डरों की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा जमाखोरी व अनियमितताओं पर नियन्त्रण के लिए तहसील प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। एसडीएम विवेकानन्द मिश्रा ने तहसील अन्तर्गत विशेष निगरानी टीम गठित कर बैरनिया में स्थित प्रेम एचपी गैस वितरक, बीबीएस इण्डेन और उत्तमा एचपी गैस वितरक की जांच किया गया। एसडीएम विवेकानन्द मिश्रा ने बताया कि जांच टीमें अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर पेट्रोल पम्पों और गैस एजेंसियों पर सतत निगरानी रख रही हैं।

# बहू का हत्यारोपी जेठ पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

**कछौना, हरदोई, अमृत विचार।** पत्नी की पिटाई के दौरान नशेड़ी जेठ ने बीच-बचाव करने पहुंची बहू की गोली मार कर हत्या कर दी और भाग निकला। केस दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस ने उसे घेर लिया। वह लखनऊ भागने की फिराक में था। पुलिस से खुद को घिरता देख आरोपी ने गोली चला दी। जवाबी फायरिंग में उसके बाएं पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर गिर गया। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

बताते चलें कि कछौना कोतवाली के प्रताप पुर मजरा टिकारी निवासी राजकुमार रेलवे में गैंगमैन है और बालामऊ रेलवे क्वार्टर में पत्नी किरन के साथ रहता है। जहां 9 मार्च को दोनों में झगड़ा हो गया था। विवाद शांत कराने के इरादे से राजकुमार के छोटे भाई रामसेवक की पत्नी मंजू देवी जेठानी किरन को अपने साथ प्रतापपुर लिए गई थी। शुक्रवार की शाम राजकुमार नशे की हालत में प्रतापपुर पहुंचा और पत्नी किरन की पिटाई करने लगा। जेठानी को बचाने के लिए मंजू देवी आगे आ गई और बीच-बचाव करने लगी। उसी बीच राजकुमार ने मंजू को तमंचे से गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस भाई रामसेवक की तहरीर पर राजकुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे ढूंढ रही थी।

### मुठभेड़ में इनामी बदमाश घायल

**बाराबंकी, अमृत विचार :** स्वाट व असंद्रा थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 50 हजार का ईनामी बदमाश मुठभेड़ में घायल हो गया, जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। स्वाट व थाना असन्द्रा की संयुक्त पुलिस टीम गश्त व चेकिंग पर थी। टीम को कन्धवापुर मोड़ के पास सिद्धौर से रामसनेहीघाट हाइवे की ओर बाइक से एक संदिग्ध आता दिखाई दिया, पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया गया तो वह पुलिस भागने लगा तथा टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की ओर से आत्मरक्षार्थ फायरिंग में संदिग्ध अभियुक्त पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे उपचार हेतु तत्काल सीएचसी सिद्धौर भेजा गया। घायल की पहचान रूपेन्द्र उर्फ सूरज सिंह निवासी देवरी रुखारा थाना बक्शी का तालाब जनपद लखनऊ के रूप में हुई।

### सवारी गाड़ी का अस्थाई रूप से मार्ग विस्तार

**गोरखपुर, अमृत विचार।** रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 55335/55336 कासगंज-मथुरा जं.-कासगंज सवारी गाड़ी का अस्थाई रूप से मार्ग विस्तार गंगापुर सिटी तक/से किया गया था, का अवधि विस्तार 31 मार्च तक किया गया हैं। फलस्वरूप कासगंज से 16 से 31 मार्च तक चलने वाली 55335 कासगंज-गंगापुर सिटी सवारी गाड़ी कासगंज से 11.05 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी में 16 से 31 मार्च तक चलने वाली 55336 गंगापुर सिटी-कासगंज सवारी गाड़ी गंगापुर सिटी से 19.00 बजे प्रस्थान करेगी।

# मेडिकल कॉलेज में सेवाएं करें बेहतर : मंत्री

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक राज्यमंत्री, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मयंकेश्वर शरण सिंह की अध्यक्षता एवं विधायक इटवा/नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय, एवं जनप्रतिनिधियों तथा जिलाधिकारी अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान प्राचार्य डा0 राजेश मोहन ने जानकारी देते हुए बताया कि माधव प्रसाद त्रिपाठी राजकीय मेडिकल कालेज की स्थापना वर्ष 2021 में हुई। इसमें 22 विभाग कार्यरत है। प्रतिदिन 2000 ओपीडी होता है। सभी दवायें उपलब्ध है। समय समय पर आवश्यकतानुसार दवायें क्रय की जाती है।

मेडिकल कालेज में 100 छात्र का प्रवेश प्रतिवर्ष होता है। वर्तमान में 500 छात्र अध्ययनरत है। 509 बेड उपलब्ध है। राज्यमंत्री, द्वारा फैकेल्टी के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। प्राचार्य मेडिकल कालेज ने बताया कि प्रोफेसर की कमी है। जिसके लिए विज्ञापन निकाला जा रहा है। मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधिगण से कर फैकेल्टी की कमी को पूरा करें। अग्रले 03 वर्ष की कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। खाली पदों को भरने की प्रक्रिया पूर्ण करें। मंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि फैकेल्टी के लिए प्रयास करें। इसके साथ ही सभी कर्मचारियों को समय से वेतन दिये जाने का निर्देश दिया।

### निवेशक जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

**लखनऊ, अमृत विचार :** रुद्रा शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स लि. ने शनिवार को ऑक्सानो कैपिटल के साथ सहभागिता में वैकल्पिक निवेश कोष श्रेणी-1 पर आधारित निवेशक जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की। कार्यक्रम फॉर्च्यून पार्क में संपन्न हुआ। ऑक्सानो कैपिटल के प्रधान करण ने निवेश के लाभों एवं संभावनाओं को प्रस्तुत किया। योजना में न्यूनतम निवेश राशि 25 लाख निर्धारित है, जिसे पांच किस्तों में निवेश किया जाता है। अब तक के प्रदर्शन के आधार पर, ऑक्सानो कैपिटल ने अपने निवेशकों को लगभग 33 प्रतिशत की आंतरिक प्रतिफल दर प्रदान की है। कार्यक्रम की शुरुआत रुद्रा शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड के निदेशक सिद्धार्थ बंसल ने की। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक शारिक हसन, रुद्रा की प्रबंधकीय टीम भी उपस्थित रही।

### कवच सिस्टम लगाने का कार्य प्राथमिकता पर है

**गोरखपुर , अमृत विचार।** भारतीय रेल पर ट्रेनों के सुरक्षित एवं संरक्षित संचलन हेतु कवच सिस्टम लगाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे पर भी रेल संरक्षा को और सुदृढ़ करने हेतु कवच सिस्टम लगाये जा रहे है। कवच सिस्टम एक बहुत कॉम्प्लेक्स टेक्नोलॉजी है, जिसमें ऑप्टिकल फाइबर केबल, टेलीकॉम टावर, स्टेशन डेटा सेंटर, ट्रैक साइड इक्विपमेंट और ऑनबोर्ड लोकोमोटिव सिस्टम समेत पाँच बड़े सबसिस्टम शामिल हैं। इसके दो प्रमुख घटक हैं; पहला घटक- ऑन बोर्ड इक्यूपमेंट, जिसे लोको कवच भी कहा जाता है। इसमें वाइटल कम्प्यूटर, ब्रेक इंटरफेस यूनिट, लोको पायलट मशीन इंटरफेस, आर.एफ.आई.डी. रीडर, पल्स जेनरेटर एवं रेडियो एंटीना लगाये जाते हैं।

# नवाचार एवं उद्यमिता सम्मेलन आयोजित

संवाददाता, लखनऊ

उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

**अमृत विचार :** प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 के विज़न के अनुरूप, राजधानी में नवाचार और उद्यमिता का उत्सव देखने को मिला जब स्पार्क-ओ-फेस्ट 1.0 -आइडिया 2 इम्पैक्ट डे की शुरुआत शनिवार को हुई। सम्मेलन में देशभर से छात्र, स्टार्ट-अप्स, शिक्षाविद, शोधकर्ता और उद्योग जगत के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा उसके इनक्यूबेशन सेल स्पार्क के माध्यम से आयोजित किया गया और जूपअप द्वारा समर्थित रहा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा अमित कुमार घोष, मेजर जनरल अमित देवगन, कुलपति, एबीवी मेडिकल यूनिवर्सिटी तथा इन्वेस्ट यूपी से अनुरुद्ध क्षत्रिय शामिल रहे। सरस्वती समूह की चेयरपर्सन मधु माथुर, प्रेसिडेंट डॉ. रजत माथुर व डायरेक्टर एसएचआरसी स्मिता माथुर भी उपस्थित रहे। शुरुआत ओपन फोयर में ट्रेड एग्जीबिशन के उद्घाटन से हुई। अतिथियों द्वारा स्पार्क-ओ-फेस्ट के लोगो और मैस्कॉट स्पंदन का अनावरण किया गया।

# सिर पर सिलेंडर रखकर आप कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, संतकबीरनगर।

**अमृत विचार।** एलपीजी गैस सिलेंडर और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के विरोध में शनिवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में अनोखा प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सिर पर गैस सिलेंडर रखकर सरकार के खिलाफ विरोध जताया और बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग उठाई। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अपर उप जिलाधिकारी को सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व पार्टी की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव ने किया। कलेक्ट्रेट परिसर में जुटे कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता का जीवन मुश्किल होता जा रहा है। रसोई गैस के दाम बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का घरेलू बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का सीधा असर आम लोगों की रसोई पर पड़ रहा है। इसके साथ ही होटल, ढाबा और ठेला चलाने वाले छोटे व्यवसायियों की भी स्थिति खराब हो गई है। सिलेंडर महंगा होने के कारण कई छोटे कारोबारियों का कामकाज प्रभावित हुआ है।

**आयोजन** | मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

# सामूहिक विवाह में एक-दूसरे के हुए 331 जोड़े

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

सामूहिक विवाह में नव दंपति जोड़े। अमृत विचार

**अमृत विचार।** मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल तथा अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सामूहिक विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बगल खाली परिसर में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 331 जोड़ो का विवाह संपन्न कराया गया। हिन्दू समुदाय के 238 जोड़ों, बौद्ध धर्म के 74 तथा मुस्लिम समुदाय के 19 जोड़ो का विवाह सम्पन्न हुआ। जिसमें हिन्दू, बौद्ध एवं मुस्लिम समुदाय के लोग सम्मिलित हुए। इस विवाह कार्यक्रम में हिन्दू परिवार के लोगो को पंडित द्वारा विवाह सम्पन्न कराया गया तथा मुस्लिम समुदाय के जोड़ों का निकाह मौलाना द्वारा निकाह पढ़कर शादी/विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया तथा बौद्ध धर्म का उनके धर्मानुसार विवाह कराया गया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम हेतु सभी पंक्तियों के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्ति किये गये थे। जगदम्बिका पाल ने सभी अधिकारियों एवं उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री उ0प्र0 के निर्देशन में एवं जिला प्रशासन के कुशल नेतृत्व में भव्य रूप से सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है।

गरीब परिवारों के बेटियों को अपनी शादी धूमधान से होने की चिन्ता रहती है आज मुख्यमंत्री द्वारा उनकी चिन्ता को दूर करते हुये समान रूप से सामूहिक विवाह के माध्यम से भव्य रूप से करने का कार्य किया है। इस समारोह में जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन व वर वधू के माता पिता व परिवार के लोगों का आर्शीवाद प्राप्त हो रहा है। सभी नव दम्पति बेहतरीन तरीके से नई पारी की शुरूआत करें।

### आउट ऑफ स्कूल प्रशिक्षण का समापन

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** नौगढ़ ब्लॉक संसाधन केन्द्र पर आयोजित तीन दिवसीय आउट ऑफ स्कूल प्रशिक्षण का समापन शनिवार को सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को स्कूल से बाहर रह गये बच्चों की पहचान कर उन्हें आयु संगत कक्षाओं में नामांकित कराने तथा विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षा से जोड़ने की विस्तृत जानकारी दी गई। बीआरसी सभागार में आयोजित प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए संदर्भदाताओं ने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करना हम सभी की नैतिक और विभागीय जिम्मेदारी है। शिक्षकों को संवेदनशीलता के साथ गांव-गांव जाकर आउट ऑफ स्कूल बच्चों का चिन्हांकन करना होगा।

# 1125 अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा

संवाददाता, संतकबीरनगर

**अमृत विचार।** उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक (नागरिक पुलिस) भर्ती 2026 की लिखित परीक्षा शनिवार से जिले में कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच शुरू हो गई। पहले दिन की दोनों पालियां शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न हुईं। पहले दिन की दोनों पालियों की परीक्षा में कुल 3195 अभ्यर्थी शामिल हुए। जबकि, 1125 अभ्यर्थियों ने किन्हीं कारणों से परीक्षा छोड़ दी।

यूपीएसआई भर्ती परीक्षा 2025-26 के लिए जिले में कुल सात केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा 14 और 15 मार्च को दो-दो पालियों में आयोजित की जा रही है, जिसमें जनपद में कुल 8424 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। पहले दिन पहली पाली में 2160 अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना था। इनमें से 1603 अभ्यर्थी उपस्थित हुए, जबकि 557 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में भी 2160 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 1592 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 568 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल नहीं हुए। इस प्रकार पहले दिन दोनों पालियों में कुल 4320 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 3195 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 1125 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। वहीं, परीक्षा को निष्पक्ष और सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

### परीक्षा की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

**संवाददाता कुशीनगर, अमृत विचार :** उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर द्वारा पुलिस अधीक्षक के साथ उदित नारायण पी.जी. कॉलेज, पडरौना स्थित परीक्षा केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केन्द्र पर अभ्यर्थियों की प्रवेश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी, कक्षवार बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्र सुरक्षा, स्ट्रांग रूम व्यवस्था तथा परीक्षा संचालन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया गया।

## लौह अयस्क उत्पादन वाली पहली कंपनी बनी एनएमडीसी

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी एनएमडीसी ने शनिवार को कहा कि वह एक ही वित्त वर्ष में पांच करोड़ टन लौह अयस्क का उत्पादन करने वाली देश की पहली खनन कंपनी बन गई है। एनएमडीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अमिताव मुखर्जी ने कहा कि भारत 2030 तक अपनी इस्पात उत्पादन क्षमता को 30 करोड़ टन तक बढ़ाने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। लौह अयस्क इस्पात निर्माण के लिए सबसे महत्वपूर्ण कच्चा माल है।

### बिजनेस ब्रीफ

## अकासा एयर टिकटों पर लगाएगी ईंधन अधिभार

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच विमान ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण अकासा एयर 15 मार्च से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ान टिकटों पर 199 रुपये से 1,300 रुपये तक ईंधन अधिभार लगाएगी। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ान टिकटों पर समान शुल्क लगाना शुरू कर दिया है। अकासा एयर ने कहा कि वह प्रत्येक उड़ान के लिए ईंधन अधिभार लगाएगी और यह राशि उड़ान की अवधि के आधार पर होगी।

## गौर्स ग्रुप की बिक्री बुकिंग 12% बढ़ी

**नयी दिल्ली।** रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी गौर्स ग्रुप की आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियों की मजबूत मांग के कारण चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान बिक्री बुकिंग 12 प्रतिशत बढ़कर 5,347 करोड़ रुपये हो गई। गौर्स ग्रुप ने अप्रैल-दिसंबर 2024 अवधि में 4,786 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेची थीं। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तीन तिमाहियों के दौरान, गौर्स ग्रुप ने 2,578 इकाइयों में लगभग 59 .2 लाख वर्ग फुट क्षेत्र बेचा। कुल बुकिंग में आवासीय संपत्तियों की हिस्सेदारी लगभग 95 प्रतिशत थी।

## जायडस की दवा को एनएमपीए से मंजूरी

**नयी दिल्ली।** दवा कंपनी जायडस लाइफसाइंसेज ने शनिवार को कहा कि उसकी नवोन्मेषी दवा ''डेसिडुस्टैट'' को चीन के राष्ट्रीय चिकित्सा उत्पाद प्रशासन (एनएमपीए) से विपणन की मंजूरी मिल गई है। इस दवा का उपयोग गुर्दे की बीमारी से संबंधित खून की कमी के इलाज में किया जाता है। कंपनी ने अपनी डेसिडुस्टैट टैबलेट के लिए चाइना मेडिकल सिस्टम होल्डिंग्स लिमिटेड (सीएमएस) की एक सहायक कंपनी को लाइसेंस दिया है।

# 29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू हुई कॉमर्शियल एलपीजी की बिक्री

## रसोई गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने को छापेमारी, 20 पर एफआईआर दर्ज

**नयी दिल्ली, एजेंसी**

पेट्रोलियम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर का वितरण शुरू हो गया है। साथ ही, रसोई गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए देशभर में छापेमारी और औचक निरीक्षण तेज कर दिए गए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के बावजूद घबराहट में बुकिंग लगातार बढ़ रही है।



उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत के पास पर्याप्त कच्चा तेल भंडार है और घरेलू रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। शर्मा ने कहा कि किसी भी खुदरा बिक्री केंद्र से भंडार खत्म होने की खबर नहीं है। हम घरेलू स्तर पर अपनी जरूरत के अनुसार पर्याप्त पेट्रोल-डीजल का उत्पादन करते हैं और हमें आयात की आवश्यकता नहीं है। अधिकारी ने बताया कि खाड़ी देशों से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के बावजूद सरकार स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और घरेलू एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो खाड़ी देशों से ऊर्जा के परिवहन का सामान्य मार्ग है। अधिकारी ने बुकिंग नियमों को स्पष्ट करते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों में पिछली डिलीवरी और अगली बुकिंग के बीच न्यूनतम 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन का अंतर होना अनिवार्य है। सरकार ने घरेलू एलपीजी उत्पादन में 31 प्रतिशत की वृद्धि की है। कालाबाजारी रोकने को उत्तर प्रदेश में 1,400 स्थानों पर छापेमारी कर 20 एफआईआर दर्ज की गई हैं। महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार और कर्नाटक जैसे राज्यों में भी निरीक्षण किए गए हैं।

### 55 से बढ़कर 88 लाख हो गयी दैनिक बुकिंग

अधिकारी ने बताया कि युद्ध शुरू होने से पहले एलपीजी सिलेंडर की दैनिक बुकिंग लगभग 55 लाख थी। शुक्रवार को यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 75 लाख था और आज बढ़कर 88 लाख तक पहुंच गया। उन्होंने उपभोक्ताओं से केवल आवश्यकता होने पर ही सिलेंडर बुक करने का आग्रह किया।

# अनिश्चित माहौल में धैर्य बनाए रखें निवेशक

**मुंबई, एजेंसी**



भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को निवेशकों से धैर्य बनाए रखने की अपील की और इसे अनिश्चित समय में सबसे अच्छी रणनीति करार दिया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण बाजारों में बिकवाली के दबाव के बीच पांडेय ने कहा कि कोरोना महामारी या रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी पिछली घटनाओं ने यह दिखाया है समय के साथ बाजार स्थिर हो जाते हैं।

सेबी के चेयरमैन ने बताया कि वैश्विक स्तर पर स्थिरता बहाल करने के प्रयास जारी हैं, हालांकि दुनिया के कुछ हिस्सों में जारी तनाव ने ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता पैदा की है। उन्होंने कहा कि कई निवेशकों, खासकर खुदरा निवेशकों के लिए, ऐसे अनिश्चित समय में सबसे अच्छी रणनीति धैर्य बनाए रखना है। भारतीय पूंजी बाजार नियामक के प्रमुख ने माना कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में अनिश्चितता हावी है, जो प्रौद्योगिकी बदलाव, कृत्रिम मेधा (एआई) के अपनाने और भू-राजनीतिक तनावों के कारण उत्पन्न होती है।

पांडेय ने पिछले अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि बाजारों में उतार-चढ़ाव आया ... लेकिन वे अंततः स्थिर हो गए। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता अपवाद नहीं बल्कि वित्तीय बाजारों की एक सामान्य विशेषता है। पांडेय ने कहा कि अनिश्चित समय में पूंजी बाजार की ताकत अस्थिरता की अनुपस्थिति में नहीं है।

### न्यायालय नायब तहसीलदार मोहनलालगंज लखनऊ

संख्या/न्याया0/नोटिस–रेंट अधि0/2025 दि0 26.02.26–1–वाद का विवरण:–वाद संख्या 17513/2025 धारा 34 संपत्ति का विवरण:–खसरा संख्या 1065 ख, परगना पुरसेनी, तहसील मोहनलालगंज, जिला लखनऊ–2–वादी का नाम–सीमा माथुर, पत्नी श्री आदित्य स्वरुप माथुर, मो0नं0: +91 895711031 पत्राचार का पूर्ण पता–62, सेक्टर–1, इन्दिरानगर, लखनऊ–**बनाम्**–3–प्रतिवादी का नाम–1–राकेश बहुगुणा, पुत्र श्री जे.पी. बहुगुणा, मो0नं0: +91 9845885256 निवासी– 63/10 हाता रसूल खान, लालकुआं, लखनऊ 2–पंकज अग्रवाल, पुत्र के.सी. अग्रवाल, निवासी लॉरेंस टेरेंस अशोक मार्ग, लखनऊ–3–शाहिद जमाल, पुत्र श्री सैय्यद महबूब अली, निवासी रिपब्लिक होटल, गुरुद्वारा रोड, लखनऊ–4–यशोदा बहुगुणा, पत्नी स्व. राकेश बहुगुणा, निवासी 63/10 हाता रसूल खां, लालकुआं, लखनऊ। उपरोक्त नामाकित श्रीमती सीमा माथुर द्वारा आपको पक्षकार बनाते हुए धारा–209(ज) के अन्तर्गत एक वाद पत्र वाद संख्या 17513/2025 न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिसमें सुनवाई हेतु अग्रिम नियत तिथि 16.03.2026 है। अतएव आपको सूचित किया जाता है कि आप अग्रिम नियत तिथि 16.03.2026 को न्यायालय नायब तहसीलदार मोहनलालगंज कक्ष तहसील मोहनलालगंज लखनऊ में प्रातः 10:30 बजे स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि/अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि पर आपके न्यायालय में उपस्थित न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उक्त प्रकरण में आपको कुछ नहीं कहना है। तद्नुसार प्रकरण में अग्रेतर कार्यवाही की जायेगी।

मोहर अदालत–न्यायालय नायब तहसीलदार मोहनलालगंज लखनऊ

# यूरोप, सिंगापुर की ओर उड़ने को बेताब भारतीय

## अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों का आकर्षण भी बरकरार

**मुंबई, एजेंसी**



किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के कारण भारतीय छात्र तेजी से स्पेन, जर्मनी, सिंगापुर, यूएई और दक्षिण कोरिया जैसे देशों को पढ़ाई के लिए चुन रहे हैं। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

शिक्षा क्षेत्र पर केंद्रित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी ऑक्सिलो फिनसर्व की रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश अब भी भारतीय छात्रों के लिए काफी आकर्षक बने हुए हैं, खासकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित से जुड़े पाठ्यक्रमों के लिए। हालांकि, अब भारतीय छात्र पढ़ाई के लिए अन्य देशों को भी तेजी से विकल्प के रूप में चुन रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस बदलाव के पीछे कम लागत, अच्छे शिक्षण संस्थान, वीजा के आसान नियम, प्रशिक्षण और नौकरी के बेहतर अवसर तथा छात्रों की सुरक्षा जैसे कुछ कारण हैं।

ऑक्सिलो फिनसर्व में विदेशी शिक्षा ऋण से जुड़ी मुख्य अधिकारी श्वेता गुरु ने कहा कि आज भारतीय छात्र विदेश में पढ़ाई के मामले में अधिक व्यावहारिक हो गए हैं और वे खर्च के बदले मिलने वाले लाभ को ध्यान में रखकर निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्पेन, जर्मनी और न्यूजीलैंड जैसे देशों में पढ़ाई के लिए मांग तेजी से बढ़ रही है, क्योंकि वहां अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा, कम खर्च, स्पष्ट वीजा प्रक्रिया और पढ़ाई के बाद रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं, खासकर स्नातकोत्तर स्तर और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा गणित से जुड़े पाठ्यक्रमों में। रिपोर्ट में कहा गया कि यूरोप के कई नए शिक्षा केंद्रों में वर्ष 2023 से 2025 के बीच लगातार मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार इन देशों में पढ़ाई का कुल खर्च लगभग 18 से 40 लाख प्रति वर्ष है, जबकि ब्रिटेन जैसे पारंपरिक देशों में यह 60 से 90 लाख रुपये प्रति वर्ष तक पहुंच जाता है।

### पूर्वोत्तर रेलवे

**ई–टेंडरिंग निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मण्डल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से "एकल" निविदायें आमंत्रित करते हैं। **निविदा सूचना संख्याः** ई–निविदा–एल–49–25–26; **कार्य का नामः** वाराणसी मंडल के अंतर्गत पावर कारों में स्थापित कमिंस निर्मित डीए जनरेटर सेटों के डीजल इंजनों एवं अल्टरनेटर के निर्धारित बी एवं सी शेड्यूल अनुरक्षण कार्य हेतु 02 वर्षों की अवधि के लिए वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध।; **अनुमानित लागतः** ₹3,86,35,467.17; **अमानत राशिः** ₹3,43,200/-; **कार्य समापन का समयः** 24 माह; **निविदा समापन की तिथि एवं समयः** 07.04.2026 को 14:30 बजे; **निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** 07.04.2026 को 14:30 बजे; उपरोक्त ई–निविदा कार्यों के पूर्ण विवरण एवं निविदाओं में प्रतिभाग करने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जायें।

**वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सामान्य**
**मुजाधि/विद्युत–301** **वाराणसी**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

### उत्तर रेलवे

**खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 06.04.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुयल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

| | | |
|---|---|---|
| 1 | निविदा सूचना संख्या | 00252026 दिनांक 13.03.2026 |
| 2 | निविदा संख्या | 23-Sr.DEN-II-LKO/2025-26 |
| 3 | कार्य का नाम | Sr. ADEN/RBL के अंतर्गत JNH-ZBD खंड में KJTW, SPPR, WRGN, VNN, KTWR, JUA Halt स्टेशन पर सेवा भवनों, पीएफ सतह, शौचालय, जल आपूर्ति और एलसी गुमटी, सड़क सतह, बाड़ की मरम्मत एवं गौरीगंज स्टेशन खंड में T.S.S GNG नई नाली का प्रावधान। |
| 4 | अनुमानित लागत | रु. 1,01,99,100.53 |
| 5 | धरोहर राशि | रु. 2,01,000.00 |
| 6 | कार्य की समापन अवधि | स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 10 माह। |
| 7 | निविदा डालने का प्रारंभ | 23.03.2026 |
| 8 | निविदा बंद होने की तिथि एवं समय | 06.04.2026 को 15:00 बजे |
| 9 | वेबसाइट | **www.ireps.gov.in** |

**नोट** : निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 869/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

# टिकटॉक से अमेरिका की मौज, मिलेंगे अरबों डॉलर और डेटा भी होगा सुरक्षित

**वाशिंगटन, एजेंसी**




चीनी एप टिकटॉक के साथ सौदा करने से अमेरिका को बड़ा लाभ होने वाला है। इससे अमेरिका को लगभग 10 अरब डॉलर की फीस मिलेगी।। साथ ही अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में ये दावे के अनुसार इस सौदे के अंतर्गत अमेरिकी यूजर्स का डेटा भी सुरक्षित होगा।

टिकटॉक की मूल कंपनी चीनी कंपनी बाइट डांस है। लेकिन बीते जनवरी माह में अमेरिकी सरकार के दबाव के बाद बाइट डांस ने अमेरिकी कंपनी के साथ संयुक्त रूप से टिकटॉक चलाने का सौदा किया था। इस सौदे के अंतर्गत अमेरिका के यूजर्स का डेटा सुरक्षित होगा साथ ही अमेरिका को 10 अरब डॉलर मिलेंगे। बता दें कि अमेरिका में टिकटॉक के करीब 20 करोड़ यूजर्स हैं। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बीते सितंबर में बताया था कि चीनी कंपनी के साथ संयुक्त उपक्रम वाली अमेरिकी कंपनी का मूल्य करीब 14 अरब डॉलर होगा।

सौदे के तहत अमेरिकी निवेशक ट्रंप प्रशासन को फीस के तौर पर 10 अरब डॉलर का भुगतान करेंगे। अमेरिकी निवेशकों में ओरेकल, सिल्वर लेक हैं। ट्रंप सरकार के अधिकारियों का कहना है कि यह शुल्क जायज है क्योंकि टिकटॉक के अधिग्रहण में चीन के साथ बातचीत में ट्रंप की अहम भूमिका थी।

## मोजाम्बिक में कोयला खदान विकसित करेगी जेएसडब्ल्यू स्टील

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** जेएसडब्ल्यू स्टील अफ्रीकी देश मोजाम्बिक में कोयले की एक खदान (मिनास डी रेवुबोए) को विकसित करने जा रही है। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि यह काम अलग-अलग चरणों में पूरा किया जाएगा। यह खदान मोजाम्बिक के टेते प्रांत के मोआटाइज कोयला क्षेत्र में स्थित है। इसमें कुल 85 करोड़ टन कोयले का भंडार है, जिसमें से 25 करोड़ टन कोकिंग कोल निकल सकता है।

जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि वह इस खदान को कई चरणों में विकसित करेगी। पहले चरण का विकास अगले लगभग ढाई साल में पूरा करने की योजना है। इसके बाद खदान से हर साल करीब 24 लाख टन उच्च गुणवत्ता वाले कोकिंग कोयले का उत्पादन किया जा सकेगा। भारत में अच्छी गुणवत्ता वाले कोकिंग कोयले के भंडार बहुत कम हैं, इसलिए ये जरूरी है।

## उद्योग की परिभाषा पर 17 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीमकोर्ट की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ 17 मार्च से औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत 'उद्योग' शब्द की परिभाषा के विवादास्पद मुद्दे पर सुनवाई शुरू करने वाली है। न्यायालय की 17 मार्च की कार्यसूची के अनुसार, इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ करेगी। इस पीठ में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, पी एस नरसिम्हा, दीपांकर दत्ता, उज्ज्वल भूयान, सतीश चंद्र शर्मा, बागची, आलोक अराधे और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली शामिल हैं।

## बैंक को 3.19 करोड़ देने का आदेश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने एक्सिस बैंक को दिल्ली स्थित प्रोकेयर लॉजिस्टिक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को 3 .19 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया है। आयोग ने बैंक को सेवा में कमी का दोषी ठहराया क्योंकि उसने 2016 के नोटबंदी के दौरान नोटों को जमा करने से मना किया था। आयोग ने कंपनी की बैंक के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई की।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

### सूचना

मेरा सही नाम विवेक कुमार भटनागर (VIVEK KUMAR BHATNAGAR) है, किन्तु त्रुटिवश मेरे बच्चे विहान भटनागर(VIHAAN BHATNAGAR) के आधार कार्ड में मेरा नाम विवेक भटनागर (VIVEK BHATNAGAR) अंकित हो गया है। अतः विवेक कुमार भटनागर एवं विवेक भटनागर दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। भविष्य में मुझे विवेक कुमार भटनागर के नाम से ही जाना जाए।

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

### सूचना

मैं, **स्वाती सिंह पत्नी मुनेन्द्र देव, निवासिनी ग्राम कचूरा पो. हर्रई शाहाबाद हरदोई**, मेरे पुत्र स्वयं सिंह, उम्र 2 वर्ष का नाम मूल कागजों में स्वयं गौतम लिख गया है। आज से मेरे पुत्र को स्वयं सिंह के नाम से जाना जाए।

### सूचना

मैं, **स्वाती सिंह पत्नी मुनेन्द्र देव, निवासिनी ग्राम कचूरा पो. हर्रई शाहाबाद हरदोई** की पुत्री द्रति सिंह, उम्र 6 वर्ष का नाम मूल कागजों में द्रति गौतम लिख गया है। आज से मेरी पुत्री को द्रति सिंह के नाम से जाना जाए।

### सूचना

मैं **ध्रुव मिश्रा पुत्र मनीष कुमार मिश्रा पूरे भूपाल सिंह वि.ख. गौरा, तहसील डलमऊ जिला रायबरेली** का निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड में रुद्र पुत्र मनीष मिश्रा निवासी दांदूपुर बराडीह तहसील. सलोन जिला रायबरेली अंकित है, जो कि गलत है। सही नाम और पता ध्रुव मिश्रा पुत्र मनीष कुमार मिश्रा पूरे भूपाल सिंह वि.ख. गौरा, तहसील डलमऊ जिला रायबरेली जिसे आधार कार्ड में अंकित किया जाए।

### सूचना

मैं **गंगा देवी पत्नी श्याम मनोहर निवासी ग्राम पिपरी राउत ब्लाक हलधरमऊ तहसील करनैलगंज जिला गोंडा** की निवासिनी हूँ। मेरे आधार कार्ड सहित सभी दस्तावेजों में नाम और पता यही है। जबकि पूर्व में नाम कुछ जगहों पर रामावती दर्ज हो गया था। जिसे मैंने सही करा दिया है। मेरे वास्तविक नाम गंगा देवी पत्नी श्याम मनोहर के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

### कार्यालय जिलाधिकारी बाराबंकी।

पत्रांक– 261/2/सात–भूलेख/अंश निर्धारण दिनांक– 07 मार्च, 2026

**आदेश**

उ0प्र0 राजस्व संहिता, 2006 की धारा 31 की उपधारा 2 एवं उ0प्र0 राजस्व संहिता नियमावली के नियम 28 के उपनियम 1 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, शशांक त्रिपाठी, जिलाधिकारी, बाराबंकी संलग्न सूची में उल्लिखित ग्रामों की खतौनी के पुनरीक्षण व खतौनी में अंकित प्रत्येक खातेदार/सहखातेदार के गाटों के अंश का निर्धारण करने हेतु निम्नलिखित समय–सारिणी के अनुसार खतौनी पुनरीक्षण एवं अंश निर्धारण कार्यक्रम का संचालन प्रारम्भ करने की स्वीकृति प्रदान करता हूँ।

(शशांक त्रिपाठी)
जिलाधिकारी,
बाराबंकी।

चकबन्दी प्रकिया पूर्ण होने के उपरान्त प्राप्त ग्रामों में खतौनी पुनरीक्षण एवं अंश निर्धारण कार्यक्रमः–

| क्र.सं. | गतिविधि | समय सीमा |
|---|---|---|
| 1 | जिलाधिकारी द्वारा जनपद के राजस्व ग्रामों की खतौनी के पुनरीक्षण एवं उसमें दर्ज खातेदारों/सहखातेदारों के अंश निर्धारण हेतु सूचना का प्रकाशन किया जाना। | दिनांक 20 मार्च 2026 से 31 मार्च 2026 तक |
| 2 | खतौनी में दर्ज खातेदार/सहखातेदारों के खातावार एवं गाटा नम्बरवार अंश को प्रारम्भिक रूप से सहखातेदारों एवं ग्राम राजस्व समिति के परामर्श से लेखपाल द्वारा आकार पत्र–ख0पु0 2 में तैयार किया जाना। | दिनांक 01 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक |
| 3 | लेखपालों द्वारा खतौनी में दर्ज सहखातेदारों के गाटा नम्बरवार प्रस्तावित अंश के उद्धरण को आकार पत्र–ख0पु0 3 में तैयार किया जाना व राजस्व निरीक्षक द्वारा समस्त खातेदारों/सहखातेदारों को आर0सी0 प्रपत्र–8 में नोटिस जारी कर लेखपाल के माध्यम से तामील कराया जाना। | दिनांक 01 मई 2026 से 31 मई 2026 तक |
| 4 | खातेदार/सहखातेदार द्वारा प्रारम्भिक रूप से किये गये अंश के निर्धारण के विरूद्ध आपत्ति/शुद्धिकरण हेतु आकार पत्र– ख0पु0–3 में विवरण अंकित करते हुये, यथावश्यक अभिलेखों/ प्रमाणों सहित, सम्बन्धित लेखपाल अथवा राजस्व निरीक्षक अथवा रजिस्ट्रार कानूनगो को प्राप्त कराया जाना। | दिनांक 01 जून 2026 से 30 जून 2026 तक |
| 5 | राजस्व निरीक्षक द्वारा ग्राम राजस्व समिति से परामर्श, स्थानीय जांच–पड़ताल एवं पक्षों के मध्य सुलह–समझौते के आधार पर आपत्तियों का निस्तारण कर अंश निर्धारण आदेश पारित करना। | दिनांक 01 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक |
| 6 | खातेदार/सहखातेदार की अनिस्तारित आपत्तियों को राजस्व संहिता की धारा 116 के अन्तर्गत उपजिलाधिकारी को निर्णय हेतु अग्रसारित करना। | दिनांक 01 अगस्त 2026 से 31 अगस्त 2026 तक |

ऐसे ग्राम जिनमें चकबन्दी प्रकिया पूर्ण होने के पश्चात हस्तलिखित खतौनी तैयार कर कम्प्यूटर में फीडिंग तथा अंश निर्धारण किया जाना है–

| क0 | तहसील का नाम | परगना | राजस्व ग्राम का नाम | ग्राम कोड |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | फतेहपुर | कुर्सी | भदेसिया | 163821 |
| 2 | फतेहपुर | कुर्सी | सैन्दर | 163823 |
| 3 | फतेहपुर | कुर्सी | महोलिया | 163879 |
| 4 | फतेहपुर | फतेहपुर | टीकापुर | 164116 |

UP - 248184 **दिनांक:** 13/03/2026
**विज्ञापन वेबसाइट** www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(शशांक त्रिपाठी)
जिलाधिकारी,
बाराबंकी।

### कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांकः– 1068/2काम(बी)–गो0वृ0/25–26 दिनांक 06.03.2026

**ई–निविदा सूचना**

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग श्रेणी हेतु पंजीकृत निविदादाताओ से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है ।

| क0 सं0 | जनपद/खण्ड | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (जीएसटी रहित) (लाख में) | धरोहर धनराषि (लाख में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित) | ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| वित्तीय वर्ष 2025–26 में राज्य सड़क निधि योजनान्तर्गत नव निर्माण का कार्य विधानसभा–तुलसीपुर | | | | | | | |
| 1 | बलरामपुर/प्रान्तीय खण्ड | महाराजगंज रूपनगर मार्ग के किमी0 6 के बाये से अलीनगर सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य | 146.50 | 9.35 | 2600 | 12 माह | ए,बी |
| 2 | बलरामपुर/प्रान्तीय खण्ड | दूबेपुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य | 55.50 | 4.80 | 2600 | 06 माह | ए,बी,सी |
| 3 | बलरामपुर/प्रान्तीय खण्ड | चौहत्तर कला से सुगंवाकोडर सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य | 140.90 | 9.05 | 2600 | 12 माह | ए,बी |

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट– http://etender.up.nic.in पर दिनांक 17.03.2026 से 24.03.2026 तक दोपहर 12.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 24.03.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 24.03.2026 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई–टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ़्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 24.03.2026 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई–पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा ।

UP - 248087 **दिनांक:** 13/03/2026
**विज्ञापन वेबसाइट** www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(कुमार शैलेन्द्र)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो॰नि॰वि॰,बलरामपुर

(योगेन्द्र सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता,
गोण्डा वृत्त, लो॰नि॰वि॰, गोण्डा

### उ.प्र. पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड

**ई–निविदा सूचना दिनांक 13.03.2026**
**निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण**

**1. अति–अल्पकालिक ई–निविदा संख्या 25–वि0पा0खं0 (प्र0) ल0/2025–26**, विद्युत पारेषण खण्ड–I, लखनऊ के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेस प्लान वर्ष 2025–26 के तहत पारेषण भवन में स्थापित 400 के0वी0ए0, 11/0.44 के0वी0 परिवर्तक की ओवरहालिंग सम्बन्धी कार्य। निविदा प्रपत्र शुल्क रू0 590.00 एवं धरोहर धनराशि रू0 800.00 मात्र।

**2. अति–अल्पकालिक ई–निविदा संख्या 26–वि0पा0 खं0 (प्र0) ल0 / 2025–26**, विद्युत पारेषण खण्ड–I लखनऊ के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेस प्लान वर्ष 2025–26 के तहत 132 के0वी0 जी0आई0एस0 उपकेन्द्र मेहताब बाग पर कामर्शियल डिजर्ट कूलर की आपूर्ति। निविदा प्रपत्र शुल्क रू0 590.00 एवं धरोहर धनराशि रू0 1000.00 मात्र।

**3. अति–अल्पकालिक ई–निविदा संख्या 27–वि0पा0 खं0 (प्र0) ल0/2025–26**, विद्युत पारेषण खण्ड I, लखनऊ के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेस प्लान वर्ष 2025–26 के तहत 132 के0वी0 उपकेन्द्र जेहटा पर विभिन्न प्रकार के 33 के0वी0 उपकरणों की आपूर्ति। निविदा प्रपत्र शुल्क रू0 590.00 एवं धरोहर धनराशि रू0 1000.00 मात्र।

**4. अति–अल्पकालिक ई–निविदा संख्या 28–वि0पा0 खं0 (प्र0) ल0/2025–26**, विद्युत पारेषण खण्ड–I, लखनऊ के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेस प्लान वर्ष 2025–26 के तहत विभिन्न 132 के0वी0 उपकेन्द्र मार्टिनपुरवा पर विभिन्न विद्युत उपकरणों का जी0आई0 पेन्ट सम्बन्धी कार्य। निविदा प्रपत्र शुल्क रू0 590.00 एवं धरोहर धनराशि रू0 1200.00 मात्र।

ई–निविदा की अन्तिम तिथि–23.03.2026 समय 12:00 बजे।

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएँ वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी। **अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड–प्रथम, कमरा सं0 115–120, पारेषण भवन, विभूति खण्ड–II, निकट मन्त्री आवास, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (उ0प्र0) 'राष्ट्र हित में बिजली बचायें' पत्रांक: 357/वि0पा0ख0(प्र0) ल0/ई– निविदा दिनांक: 13.03.2026**

### कार्यालय नगर पंचायत दोस्तपुर सुलतानपुर

**पत्रांक: 387 / न0पं0 दो0 सुल0/2025–26** **दिनांक: 13/03/2026**

**ई–निविदा सूचना**

नगर पंचायत दोस्तपुर, सुलतानपुर द्वारा राज्य सेक्टर कार्यक्रम के (पेयजल हेतु व्यवस्था योजना) के अन्तर्गत नगर पंचायत दोस्तपुर सुलतानपुर के विभिन्न 09 वार्डो में 30 हाउसहोल्ड ड्रीकिंग वाटर साल्यूशन विथ पाइप लाइन कम्प्लीट के अधिष्ठापन का कार्य कराये जाने हेतु किसी विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से दिनांक –13. /03/26 से दिनांक 02/04/2026 सायं 02: 00 बजे तक ई–निविदा के माध्यम से ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन अपराहन 3.30 बजे नगर पंचायत दोस्तपुर, सुलतानपुर के सभाकक्ष में खोली जायेगी। सम्बन्धित निविदा बेबसाइट https://etender.up.nic.in से डाउनलोड/अपलोड तथा शर्तो की जानकारी की जा सकती है।

**(लाल चन्द्र सरोज)**
**अधिशासी अधिकारी**
**नगर पंचायत दोस्तपुर**
**सुलतानपुर**

**(शकुन्तला देवी)**
**अध्यक्ष**
**नगर पंचायत दोस्तपुर**
**सुलतानपुर**

### कार्यालय नगर पंचायत दोस्तपुर सुलतानपुर

**पत्रांक: 384 / न0पं0 दो0 सुल0/2025–26** **दिनांक: 13/03/2026**

**ई–निविदा सूचना**

नगर पंचायत दोस्तपुर, सुलतानपुर द्वारा नगरीय झील/तालाब/पोखर संरक्षण योजना के अन्तर्गत मो0 सांई की तकिया में बढौली तालाब में गाटा सं0 479 का सौन्दर्याकरण कार्य कराये जाने हेतु किसी विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से दिनांक 13/03/26 से दिनांक: 02/04/2026 सायं 02: 00 बजे तक ई–निविदा के माध्यम से ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन अपराह्न 3.30 बजे नगर पंचायत दोस्तपुर, सुलतानपुर के सभाकक्ष में खोली जायेगी। सम्बन्धित निविदा बेबसाइट https://etender.up.nic.in से डाउनलोड/अपलोड तथा शर्तो की जानकारी की जा सकती है।

**(लाल चन्द्र सरोज)**
**अधिशासी अधिकारी**
**नगर पंचायत दोस्तपुर**
**सुलतानपुर**

**(शकुन्तला देवी)**
**अध्यक्ष**
**नगर पंचायत दोस्तपुर**
**सुलतानपुर**

## वर्ल्ड ब्रीफ

### वीजा धोखाधड़ी में 11 भारतीयों पर आरोप

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 11 भारतीय नागरिकों पर वीजा धोखाधड़ी के लिए दुकानों में फर्जी हथियारबंद डकैती की साजिश रचने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्धों पर फर्जी डकैतियों को अंजाम देने का आरोप है ताकि दुकान के लिपिक ग्रीन कार्ड प्राप्त करने के लिए आव्रजन आवेदनों में खुद को अपराध का शिकार बता सकें। इन 11 लोगों में 39 वर्षीय जीतेंद्रकुमार पटेल, 36 वर्षीय महेशकुमार पटेल, 45 वर्षीय संजयकुमार पटेल, 40 वर्षीय दीपिकाबेन पटेल, 52 वर्षीय रमेशभाई पटेल, 43 वर्षीय अमिताबहेन पटेल, 28 वर्षीय रौनककुमार पटेल, 36 वर्षीय संगीताबेन पटेल, 42 वर्षीय मिंकेश पटेल, 42 वर्षीय सोनल पटेल और 40 वर्षीय मितुल पटेल शामिल हैं जिन पर वीजा धोखाधड़ी की साजिश रचने का आरोप है।

### ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो बीमार

**रियो डी जेनेरियो।** ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो निमोनिया से पीड़ित हैं और देश की राजधानी ब्रासीलिया के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में उनका इलाज किया जा रहा है। अस्पताल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उनके चिकित्सक ब्रासिल कैआडो ने पत्रकारों को बताया कि 70 वर्षीय बोलसोनारो की स्वास्थ्य की स्थिति गंभीर है। कैआडो ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के रोगियों में निमोनिया हमेशा गंभीर होता है क्योंकि यह सेप्टीसीमिया में बदल सकता है और इस बैक्टीरिया के रक्तप्रवाह में प्रवेश करने की आशंका रहती है इसलिए इससे अधिक गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।

### राष्ट्रविरोधी साजिश बेनकाब, छह गिरफ्तार

**गाजियाबाद।** पुलिस और गुप्तचर एजेंसियों ने गाजियाबाद में बड़ी राष्ट्रविरोधी साजिश को नाकाम कर दिया है। छापेमारी में छह ऐसे साजिशकर्ता गिरफ्तार किए गए गए हैं, जो दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र सक्रिय रहकर सामरिक प्रतिष्ठानों की लोकेशन, फोटो-वीडियो विदेश भेजते थे। इसके लिए उन्हें विदेश से फंडिंग हो रही थी। पकड़े गए संदिग्धों में बदायूं, शाहजहांपुर, संभल, बिजनौर आदि जिलों के रहने वाले लोग शामिल थे। गाजियाबाद के थाना मसूरी पुलिस की कार्रवाई में गिरफ्तार रैकेट का सरगना सुहेल मलिक उर्फ रोमियो है, जो बिजनौर के नरगढी नवादा का रहने वाला है।

# उत्तर कोरिया ने जापान सागर में दागीं मिसाइलें

सियोल, एजेंसी

- अमेरिका- दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान किया शक्ति प्रदर्शन

अमेरिका एवं दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हुए शनिवार को पूर्वी सागर की ओर लगभग 10 बैलिस्टिक मिसाइल दागीं।

दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने कहा कि मिसाइलें उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के निकटवर्ती क्षेत्र से दागी गईं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि वे कितनी दूर तक गईं। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ये हथियार देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर के जलक्षेत्र में गिरे। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स' ने कहा कि सेना ने निगरानी बढ़ा दी है और संभावित अतिरिक्त हमलों के खिलाफ तत्परता बनाए रखी है तथा वह अमेरिका एवं जापान के साथ जानकारी साझा कर रही है। यह प्रक्षेपण ऐसे समय में किया गया है, जब उत्तर कोरिया ने अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों का जवाब देने की हाल में धमकी दी थी। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच 11 फ्रीडम शील्ड युद्धाभ्यास जारी है। अमेरिका-द. कोरिया के अभ्यासों को उत्तर कोरिया खुद पर आक्रमण की तैयारी बताता रहा है।

# प्रधानमंत्री मोदी की रैली से पूर्व भाजपा-तृणमूल कार्यकर्ताओं में झड़प

- मंत्री के घर पर भी पथराव, भाजपा नेता व एक पुलिस अफसर घायल

कोलकाता, एजेंसी

मध्य कोलकाता में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली से करीब आधा घंटा पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी के समर्थकों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक पुलिस अधिकारी और भाजपा के एक नेता घायल हो गए।

झड़प के बीच, यह आरोप भी सामने आया कि गिरीश पार्क इलाके में पश्चिम बंगाल की मंत्री शशि पांजा के आवास पर पथराव किया गया। यह झड़प रैली स्थल से लगभग पांच किलोमीटर दूर उस समय हुई जब भाजपा समर्थक प्रधानमंत्री की रैली में शामिल होने के लिए ब्रिगेड परेड मैदान की ओर जा रहे थे। यह रैली विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी की राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा' के समापन का प्रतीक है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के समर्थकों ने कथित तौर पर एक-दूसरे पर पत्थर फेंके और नारे लगाए, जिससे इलाके में तनाव पैदा हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, स्थिति को नियंत्रण में लाने के प्रयास में बोबाजार पुलिस थाना प्रभारी बप्पादित्य नस्कर भी घायल हो गए। भाजपा ने दावा किया कि झड़प के दौरान उत्तरी कोलकाता जिला अध्यक्ष तमघनो घोष और कई पार्टी कार्यकर्ता घायल हो गए। पार्टी नेताओं ने बताया कि घोष को अस्पताल ले जाया गया। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि रैली स्थल की ओर जाते समय उनके समर्थकों पर हमला किया गया। भाजपा के एक कार्यकर्ता ने एक बांग्ला समाचार चैनल को बताया, बिना किसी उकसावे के हम पर पत्थर फेंके गए। हमें गालियां भी दी गईं। पार्टी ने आरोप लगाया कि झड़प में रैली में समर्थकों को ले जा रही बसों सहित कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, टीएमसी कार्यकर्ताओं ने इन आरोपों का खंडन किया और दावा किया कि ब्रिगेड रैली में जाते समय भाजपा समर्थकों ने पांजा के आवास पर हमला किया था। पांजा ने दावा किया कि भाजपा समर्थकों ने उनके आवास को निशाना बनाया और खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए। मंत्री ने आरोप लगाया, भाजपा के गुंडों ने हमला किया। रैली में जा रही बसों में ईंटें, कांच की बोतलें और बम ले जाए जा रहे थे।

मध्य कोलकाता में शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी की रैली के पूर्व भाजपा और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के बाद सड़क पर बिखरीं ईंटें और मौजूद पुलिस।

### शुरुआत में निष्क्रिय बनी रही पुलिस

कुछ भाजपा नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि स्थिति बिगड़ने पर पुलिस शुरू में निष्क्रिय रही। बाद में बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और झड़प करने वाले समूहों को तितर-बितर करके स्थिति को नियंत्रण में किया। इलाके में तनाव बढ़ने के बाद दुकानदारों ने दुकानें बंद कर दीं। ये झड़प ब्रिगेड परेड मैदान में मोदी की रैली से ठीक पहले हुई।

# भाजपा की सरकार बनने पर दो वर्ष में पंजाब को करेंगे नशामुक्त: शाह

## केंद्रीय गृहमंत्री ने कानून व्यवस्था, धर्मांतरण और भ्रष्टाचार पर मान सरकार को घेरा

- कहा-आप प्रमुख केजरीवाल के लिए एटीएम बनी मान सरकार

मोगा (पंजाब), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कानून-व्यवस्था, नशे की समस्या, धर्मांतरण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर शनिवार को पंजाब की भगवंत मान सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह सरकार आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के लिए एक एटीएम बन गई है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक मौका दें ताकि राज्य में बदलाव लाया जा सके।

मोगा में एक बदलाव रैली में चुनावी बिगुल बजाते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने राज्य के लोगों से कहा कि उन्होंने कांग्रेस, अकाली दल और 'आप' को कई मौके दिए हैं। शाह ने आरोप लगाया, आज पंजाब कर्ज, नशे, धर्मांतरण, भ्रष्टाचार और गैंगस्टरों के आतंक के कारण बर्बाद हो गया है। उन्होंने कहा कि यदि कोई पंजाब को नशे और अन्य समस्याओं से मुक्त कर सकता है, तो वह केवल नरेन्द्र मोदी और भाजपा ही हैं। उन्होंने वादा किया कि यदि भाजपा 2027 में सत्ता में आई तो नशे के कारोबार को सिर्फ दो साल में जड़ से खत्म कर दिया जाएगा। शाह ने कहा, इस राज्य में कोई सरकार नहीं है। अगर कोई सरकार होती, तो कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब नहीं होती; राज्य नशे की समस्या से जूझता नहीं और किसान इतनी पीड़ा में नहीं होते मान केवल केजरीवाल के पायलट के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवंत मान सरकार भ्रष्टाचार में डूब गई है।

शाह ने कहा, मुख्यमंत्री मान को शर्म आनी चाहिए कि दिल्ली के चार 'सूबेदार' राज्य में बैठे हुए हैं और इसकी सारी संपत्ति बाहर भेज रहे हैं। पंजाब में आप की सरकार अरविंद केजरीवाल के लिए एक एटीएम बन गई है। यह पंजाब की गरिमा के साथ खिलवाड़ कर रही है। शाह ने कहा, भाजपा को एक मौका दें, हम पंजाब में बदलाव लाएंगे। शाह ने बताया कि पार्टी ने 2027 के चुनावों के लिए अपनी चुनावी मुहिम मोग़ा से शुरू की है। उन्होंने कहा, मैं पंजाब के लोगों से अपील करने आया हूं कि भाजपा को वोट दें। शाह ने कहा कि भाजपा पहले अकालियों के जूनियर सहयोगी के रूप में पंजाब में सरकार का हिस्सा रही है। उन्होंने कहा, जब भी हम आपके सामने आए, हम छोटे भाई के रूप में आए। कहा कि भाजपा 2027 के चुनावों के बाद सरकार बनाने के लिए लड़ाई लड़ने जा रही है।

पंजाब के मोगा में बदलाव रैली के दौरान मंच पर भाजपा नेताओं तरुण चुघ, रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य नेताओं के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिखाई दे रहे हैं।

### किसानों को गुमराह कर रही आप-कांग्रेस

राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर हमलावर रुख अपनाते हुए शाह ने कहा कि 2026 में तीन गांव के सरपंच मारे गए जबकि गैंगस्टर लोगों से पैसे उगाह रहे हैं। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर, शाह ने 'आप' सरकार और कांग्रेस दोनों पर निशाना साधा और किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया। मोगा के किली चाहलान गांव में रैली के लिए व्यापक इंतज़ाम किए गए थे। मोगा पंजाब के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मालवा क्षेत्र में है, राज्य की 117 विधानसभा सीटों में से 69 इस क्षेत्र में हैं।

# पाकिस्तान ने मार गिराए अफगानी ड्रोन, चार घायल

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान में अपने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट कर दिए गए अफगान तालिबान के ड्रोन के मलबे की चपेट में आने से दो बच्चों सहित कम से कम चार लोग घायल हो गए। पाकिस्तान की सेना ने शनिवार को बताया कि इन ड्रोन को शुक्रवार को उनके लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही राजधानी इस्लामाबाद से सटे रावलपिंडी, क्वेटा और कोहाट में रोककर नष्ट कर दिया गया। सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के अनुसार, इन हमलों का मकसद लोगों में डर पैदा करना था और ये हमें उस आतंकवादी मानसिकता की याद दिलाते हैं, जिससे अफगान तालिबान प्रेरित है।

सेना की मीडिया शाखा ने कहा कि इन ड्रोन को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया और वे अपने तयशुदा लक्ष्यों तक नहीं पहुंच सके लेकिन इनके मलबे के कारण क्वेटा में दो बच्चे तथा कोहाट एवं रावलपिंडी में एक-एक नागरिक घायल हो गए। उसने कहा, अफगान तालिबान एक ओर दुनिया की सहानुभूति हासिल करने के लिए खुद को पीड़ित के रूप में पेश करता है, वहीं दूसरी ओर वह अपने आतंकवादी सरगनाओं और अपने ड्रोन के जरिए नागरिकों को सक्रिय रूप से निशाना बनाता है।

# ब्रेन इम्प्लांट के व्यावसायिक उपयोग को चीन ने दी मंजूरी

बीजिंग, एजेंसी

- लकवाग्रस्त मरीजों के इलाज के लिए जगी नई उम्मीद

चीन ने लकवाग्रस्त व्यक्तियों के हाथों में जान डालने में मदद के लिए डिज़ाइन किए गए दुनिया के पहले ब्रेन इम्प्लांट को व्यावसायिक उपयोग के लिए आधिकारिक मंजूरी दे दी है। यह उपलब्धि हासिल करने वाला चीन दुनिया का पहला देश बन गया है।

इस डिवाइस को चीनी कंपनी 'न्यूरैकल मेडिकल टेक्नोलॉजी' ने विकसित किया है और यह 'ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस' तकनीक पर आधारित है। यह डिवाइस मुख्य रूप से उन वयस्कों (18 से 60 वर्ष) के लिए है जो गर्दन में रीढ़ की हड्डी की गंभीर चोट के कारण लकवे का शिकार हो गए हैं। बीसीआई तकनीक, किसी इंसान के तंत्रिका तंत्र को ऐसे उपकरणों से जोड़ती है जो मस्तिष्क की गतिविधियों को समझ सकते हैं। सरल शब्दों में, यह मशीन मरीज के दिमाग में चलने वाले 'हाथ हिलाने के विचार' को पकड़ती है और उसे सॉफ्टवेयर के जरिए एक रोबोटिक दस्ताने को भेजती है। यह दस्ताना मरीज के हाथ को खोलने और बंद करने में मदद करता है, जिससे मरीज चीजों को पकड़ पाता है। चीन ने हाल के वर्षों में बीसीआई तकनीक को अपनी राष्ट्रीय रणनीतिक प्राथमिकता में शामिल किया है। साउथ चायना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, चीन इसे भविष्य की आर्थिक वृद्धि के एक बड़े कारक के रूप में देख रहा है। पिछले साल, एक अन्य चीनी कंपनी 'न्यूरोएक्सिस' ने भी तब सुर्खियां बटोरी थीं, जब आठ साल से फालिज या लकवाग्रस्त एक इंसान ने इम्प्लांट के महज पांच दिन बाद अपने विचारों से डिजिटल उपकरणों को नियंत्रित करना शुरू कर दिया था।

दूसरी ओर, एलन मस्क की कंपनी 'न्यूरालिंक'भी इस दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रही है। श्री मस्क ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि उनकी कंपनी 2026 में बीसीआई उपकरणों का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू कर देगी। न्यूरालिंक के अनुसार, दुनिया भर में अब तक 12 गंभीर रूप से लकवाग्रस्त लोग उनके इम्प्लांट का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, कमर्शियल मंजूरी के मामले में चीन ने फिलहाल बाजी मार ली है।

# राजकोट में एम्स के प्रशिक्षु डॉक्टर ने की आत्महत्या

राजकोट (गुजरात), एजेंसी

- सुसाइड नोट में अपने सहपाठियों पर लगाया राजस्थान निवासी डॉक्टर ने मारपीट का आरोप

राजकोट के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में कार्यरत 25 वर्षीय प्रशिक्षु चिकित्सक ने शनिवार को आत्महत्या कर ली। मौके से मिले एक सुसाइड नोट में दावा किया गया है कि सहपाठियों ने उस पर हमला किया था।

पुलिस उपायुक्त (जोन 2) राकेश देसाई ने बताया कि राजस्थान के जैसलमेर निवासी रतनकुमार मेघवाल का शव शहर के पास घंटेस्वर और पारा पिपलिया के बीच रेलवे ट्रैक पर मिला। अधिकारी ने बताया कि गांधीग्राम पुलिस को सुबह करीब 5:30 बजे घटना की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और मेघवाल का शव बरामद किया।

देसाई ने बताया कि रेलवे ट्रैक के पास से मेघवाल का लैपटॉप, मोबाइल फोन, मेडिकल फाइलें और पहचान पत्र बरामद हुए। प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस को प्रशिक्षु चिकित्सक के पास से एक नोट मिला है जिसमें मेघवाल ने अपने सहपाठियों पर उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है।

अधिकारियों ने बताया कि मेघवाल ने 27 जनवरी को भी उसी स्थान पर आत्महत्या का प्रयास किया था लेकिन तब पुलिस मौके पर पहुंची थी और उसे राजस्थान स्थित उसके घर भेज दिया था।

# अमेरिका ने ईरानी नेतृत्व पर घोषित किया एक करोड़ डॉलर का इनाम

वॉशिंगटन, एजेंसी

- रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस कार्यक्रम के तहत अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने की घोषणा

अमेरिका ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई समेत कई प्रमुख नेताओं की जानकारी देने वाले को एक करोड़ डॉलर तक के इनाम की घोषणा की है। यह घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्रालय के 'रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस' कार्यक्रम के तहत की गई है।

इसमे विशेष रूप से उन अधिकारियों को लक्षित किया गया है जो ईरान की सत्ता और सैन्य तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस सूची में मोजतबा खामेनेई के अलावा अली असगर हेजाजी (डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ), मेजर जनरल यहया रहीम सफावी (सैन्य सलाहकार), अली लारीजानी (सलाहकार), ब्रिगेडियर जनरल एस्कंदर मोमेनी (आंतरिक मामलों के मंत्री), इस्माइल खतीब (खुफिया और सुरक्षा मंत्री) शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, ये व्यक्ति इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के विभिन्न अंगों का संचालन करते हैं, जो दुनिया भर में आतंकवाद की योजना बनाने और अंजाम देने का काम करता है। नोटिस में अमेरिका ने यह भी स्पष्ट किया है कि महत्वपूर्ण जानकारी देने वाले व्यक्ति को न केवल नकद पुरस्कार दिया जाएगा, बल्कि उन्हें सुरक्षित स्थान पर बसाने की सुविधा भी देगा। यह कदम हाल ही में आयतुल्लाह खामेनेई और अन्य शीर्ष ईरानी अधिकारियों की मौत के बाद जारी सैन्य अभियानों की पृष्ठभूमि में उठाया गया है।

### मोजतबा को निशाना बनाया तो ईरान गंभीर कार्रवाई करेगा

**मास्को।** रूस में ईरान के राजदूत काज़ेम जलाली ने रूसी न्यूज एजेंसी स्पूतनिक को बताया कि यदि अमेरिका ईरान के नय सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की हत्या करने का प्रयास करता है, तो उसे गंभीर जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। जब उनसे पूछा गया कि यदि अमेरिका और इज़रायल ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की हत्या का प्रयास करते हैं, तो ईरान की क्या प्रतिक्रिया होगी, तो जलाली ने कहा, आप आज ईरान की प्रतिक्रिया देख रहे हैं। हम अपने नेता (अयातुल्ला अली खामेनेई) के लिए खून का बदला चाहते हैं।

# जम्मू के पुंछ में आतंकवाद विरोधी अभियान में सेना के सूबेदार की जान गई

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी

जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को आतंकवाद रोधी अभियान के दौरान एक कनिष्ठ कमीशन अधिकारी (जेसीओ) फिसलकर नीचे गिर गए जिससे उनका निधन हो गया। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने यह जानकारी दी।

सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, ऑपरेशन शेरी कलां के तहत पुंछ सामान्य क्षेत्र में लंबे समय तक चले अभियानों के दौरान चुनौतीपूर्ण और ऊबड़-खाबड़ इलाके में काम करते समय, आज अपराह्न करीब 2.30 बजे, सूबेदार संदीप कुमार ढाका फिसलकर नीचे गिर गए और बेहोश हो गए। इसने कहा, ढाका को तुरंत पोथा स्थित सैन्य अस्पताल ले जाया गया। उन्हें होश में लाने के लिए चिकित्सकों ने तमाम कोशिशें कीं, लेकिन बहादुर जेसीओ ने कर्तव्य निभाते हुए अपनी जान गंवा दी।

सेना ने जेसीओ के अटूट साहस, दृढ़ समर्पण और निःस्वार्थ सेवा की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। व्हाइट नाइट कोर ने कहा, दुख की इस घड़ी में, हम शोकसंतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं और उस योद्धा की स्मृति का सम्मान करते हैं जिसने अपनी अंतिम सांस तक राष्ट्र की सेवा की।

## कैसा रहेगा आपका आज का दिन

**मेष** आज दिन की शुरुआत काफी अच्छी रहेगी। नए लक्ष्यों को निर्धारित कर सकते हैं। अपनी बातों को प्रभावी ढंग से रखेंगे।

**वृष** आज नए व्यापारिक समझौते करने से बचें। स्वयं के लिए कुछ समय अवश्य निकालें। उचित परिणाम न मिलने से मन उदास हो सकता है।

**मिथुन** आज निजी रिश्तों के बीच अहम् की भावना न आने दें। आपको कर्ज नहीं लेना चाहिए। व्यवसाय में कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है।

**कर्क** आज आपका मन अत्यधिक प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। उधार दिया हुआ धन आपको मिल सकता है।

**सिंह** आज दूसरे के मामलों में अधिक हस्तक्षेप करना उचित नहीं है। रुके हुए कार्यों को पूर्ण करेंगे। कार्यक्षेत्र में समस्याओं का अनुभव होगा।

**कन्या** आज घर में शुभ प्रसंग हो सकते हैं। अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटें। धार्मिक विचारों का आपके ऊपर अत्यधिक प्रभाव रहेगा।

**तुला** आज आय की अपेक्षा धन अधिक खर्च हो सकता है। वैवाहिक संबंधों में कुछ कड़वाहट आ सकती है। शरीर में पानी की कमी न होने दें।

**वृश्चिक** आज आकस्मिक यात्रा की योजना बन सकती है। व्यवसाय में अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा। भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर होंगे।

**धनु** आज व्यापार में नया प्रयोग करने से बचें। आर्थिक समस्याओं का निवारण होगा। परिजनों से किसी गंभीर विषय पर चर्चा कर सकते हैं।

**मकर** आज कार्यक्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण एवं ठोस निर्णय लेने पड़ेंगे। सामाजिक समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं। व्यापारिक घाटे में कमी आएगी।

**कुंभ** आज आपका मन किसी काम में नहीं लगेगा। व्यवसाय में आपको लाभ हो सकता है। नकारात्मक लोगों की संगत से दूर रहें।

**मीन** आज फाइनेंस से जुड़े कार्यों के लिए दिन अनुकूल है। आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। सभी कार्य आपके अनुसार होते चले जाएंगे।

### आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

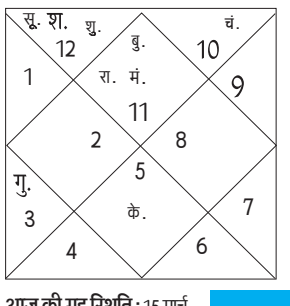


**आज की ग्रह स्थिति :** 15 मार्च, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 09 .16 तक तत्पश्चात द्वादशी।

**दिशाशूल**- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
**चन्द्रबल**- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
**ताराबल**-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
**नक्षत्र**- श्रवण 16 मार्च 05 .56 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

### सुडोकू - 88 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 7 | 6 | 9 | 8 | 4 | 2 | 5 | 3 |
| 9 | 8 | 2 | 3 | 6 | 5 | 4 | 1 | 7 |
| 3 | 4 | 5 | 2 | 1 | 7 | 6 | 8 | 9 |
| 7 | 5 | 8 | 6 | 3 | 2 | 1 | 9 | 4 |
| 6 | 2 | 9 | 5 | 4 | 1 | 7 | 3 | 8 |
| 4 | 3 | 1 | 7 | 9 | 8 | 5 | 2 | 6 |
| 2 | 1 | 3 | 4 | 7 | 9 | 8 | 6 | 5 |
| 8 | 9 | 4 | 1 | 5 | 6 | 3 | 7 | 2 |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 2 | 3 | 9 | 4 | 1 |

### सुडोकू -89

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 5 | | | | 7 | | 8 | |
| | | 2 | | 9 | | | | 5 |
| | 8 | | | 2 | | 4 | | |
| 4 | 3 | | | | | | | 8 |
| | | | | | | | 9 | |
| 6 | | | | 3 | | | | 1 |
| | 4 | 9 | | | | 3 | | |
| 5 | | | | 4 | | 2 | | |
| | 7 | | 6 | | | | 5 | |

# ईरानी नागरिक व कुछ नौसैनिक स्वदेश रवाना

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया संकट के कारण भारत में फंसे कई ईरानी नागरिक ईरान की एक चार्टर्ड उड़ान में शुक्रवार रात को कोच्चि हवाई अड्डे से रवाना हुए जिनमें ईरानी दूतावास के कर्मचारी, पर्यटक और कोच्चि बंदरगाह पर लंगर डालने वाले ईरान के युद्धपोत आईआरआईएस लावन के कुछ नौसैनिक शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को पश्चिम एशिया की स्थिति के बारे में विभिन्न मंत्रालयों की ब्रीफिंग में यह जानकारी दी।

**विचार** | कानूनी कामकाज में कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल पर बोले उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ

# न्यायाधीश की नैतिक जिम्मेदारी का स्थान नहीं ले सकता एआई

हैदराबाद, एजेंसी

### विरोधाभास का बुद्धिमत्तापूर्वक समाधान करना संस्थाओं की जिम्मेदारी

शीर्ष अदालत के न्यायाधीश ने कहा कि यह हमारे युग का विरोधाभास है, लेकिन इस विरोधाभास का बुद्धिमत्तापूर्वक समाधान करना हमारी संस्थाओं की जिम्मेदारी भी है। इसलिए हमारा दृष्टिकोण सैद्धांतिक अनुकूलन का होना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी को केवल इसलिए अस्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि यह नई है। हमें इसे अंधाधुंध स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि यह कारगर है।उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था का भविष्य केवल प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से सुरक्षित नहीं होगा। यह सुनिश्चित करने से सुरक्षित होगा कि प्रौद्योगिकी कानूनी व्यवस्था के मूलभूत आदर्शों से जुड़ी रहे। उच्चतम न्यायालय के एक अन्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और तेलंगाना हाईकोर्ट के सीजे न्यायमूर्ति अपारेश कुमार सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने शनिवार को कहा कि बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से इस्तेमाल किए जाने पर कृत्रिम मेधा (एआई) समय बचा सकती है और कानूनी कार्य के कुछ पहलुओं को अधिक प्रबंधनीय बना सकती है, लेकिन यह एक वकील की प्रतिभा, न्यायिक अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी या न्यायाधीश से अपेक्षित अनुशासित निर्णय का स्थान नहीं ले सकती।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी किसी नोट का मसौदा तैयार करने में मदद कर सकती है, लेकिन इसे कानून बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने उच्चतम न्यायालय में भी कृत्रिम मेधा से उत्पन्न सामग्री के लापरवाहीपूर्वक उपयोग के मामलों पर चिंता व्यक्त जताई, जिनमें ऐसे उद्धरणों और संदर्भों का उल्लेख शामिल है जो अस्तित्व में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि झूठे उद्धरण केवल तकनीकी त्रुटियां नहीं हैं, वे कानूनी दलीलों की शुचिता और स्वयं न्याय प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर प्रहार करते हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा, लेकिन एक उपकरण को उपकरण ही रहना चाहिए। यह एक वकील के प्रशिक्षित दिमाग, अदालत के अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी या न्यायाधीश से अपेक्षित अनुशासित निर्णय का स्थान नहीं ले सकता।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी किसी नोट का मसौदा तैयार करने में मदद कर सकती है, लेकिन इसे कानून बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। साथ ही कहा कि, एआई के दुरुपयोग से हमें इसके विपरीत चरम सीमा तक नहीं पहुंचना चाहिए।

वह आईपीएल के आने वाले सत्र में वह दिल्ली कैपिटल्स के मेंटोर की भूमिका नहीं निभा पाएंगे। दिल्ली कैपिटल्स अपने आईपीएल 2026 सत्र की शुरुआत एक अप्रैल को लखनऊ में इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच से करेगा

-केविन पीटरसन


# स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 15 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com


## हाईलाइट

### किसी भी खिलाड़ी पर जुर्माना नहीं लगाया गया : पीसीबी

**लाहौर।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शनिवार को कहा कि उसने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम रहने के कारण टीम के किसी भी सदस्य पर जुर्माना नहीं लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान की टीम के सुपर आठ चरण से बाहर होने के बाद खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया गया, लेकिन पीसीबी के प्रवक्ता आमिर मीर ने इसका खंडन किया। मीर ने यहां पत्रकारों से कहा, किसी भी खिलाड़ी पर जुर्माना नहीं लगाया गया है, लेकिन बोर्ड खिलाड़ियों के लिए एक फार्मूला तैयार करने के बारे में सोच रहा है क्योंकि अच्छा प्रदर्शन करने पर उन्हें अच्छी प्रोत्साहन राशि मिलती है।

### लोकेश ने नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता

**नई दिल्ली।** भारत के युवा एथलीट लोकेश सत्यनाथन ने अर्कांसस के फेयेटविले में एनसीएए इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की लंबी कूद में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर अपने करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 8.21 मीटर की छलांग लगाकर नया इंडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इससे वहां लंबी कूद के भारत के स्टार एथलीट जेस्विन एल्ड्रिन (8.42 मीटर) और मुरली श्रीशंकर (8.41 मीटर) के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। टार्लेटन स्टेट यूनिवर्सिटी की तरफ से खेल रहे लोकेश ने अपने चौथे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके पहला स्थान हासिल किया।

### सबालेंका-रिबाकिना के बीच होगा खिताबी मुकाबला

**इंडियन वेल्स।** दो बार उपविजेता रह चुकीं एरिना सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर चार साल में तीसरी बार इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। बेलारूस की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका ने शुक्रवार रात बीएनपी पारिबास ओपन में नोस्कोवा को एक घंटे 28 मिनट में हराया। रविवार को फाइनल में उनका मुकाबला कजाकिस्तान की तीसरे नंबर की खिलाड़ी एलेना रिबाकिना से होगा। रिबाकिना ने दूसरे सेमीफाइनल में यूक्रेन की नौवें नंबर की खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया।

# कुलदीप यादव ने वंशिका संग लिए सात फेरे

खेल डेस्क

**अमृत विचार।** भारतीय क्रिकेट टीम के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव शादी के बंधन में बंध गए। उन्होंने बचपन की मित्र वंशिका चड्ढा संग विवाह रचाया। शादी समारोह उत्तराखंड के मसूरी स्थित सेवाय होटल में संपन्न हुआ। रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद कैफ के अलावा क्रिकेट जगत से जानी-मानी हस्तियां समारोह में शामिल होने पहुंची। खास मेहमानों में बागेश्वर धाम प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्णा शास्त्री 1.5 करोड़ की गाड़ी से पहुंचे। शादी के बाद 17 मार्च को लखनऊ के फाइव स्टार होटल में रिसेप्शन का कार्यक्रम है। इससे पहले 13 मार्च को मसूरी के होटल में हल्दी और मेहंदी की रस्म हुई थी।

**'रोल्स-रॉयस' विंटेज कार से कुलदीप ने ली एंट्री :** शादी को यादगार बनाने के लिए बारात की एंट्री अलग अंदाज में कराई गई। इसके लिए दूल्हे कुलदीप यादव की बारात में घोड़ी के साथ-साथ एक रॉयल विंटेज कार 'रोल्स-रॉयस' भी मंगाई गई है।

**अफगानी और पहाड़ी व्यंजन परोसे गए :** विवाह समारोह में मेहमानों के लिए खास दावत रखी गई। डिनर में अफगानी व्यंजनों से लेकर उत्तराखंड के पहाड़ी व्यंजन शामिल रहेंगे। शादी के दौरान भव्य आतिशबाजी का भी हुआ।

**द सेवाय होटल में शाही इंतजाम :** कुलदीप यादव और वंशिका की शादी को खास बनाने के लिए मसूरी के 'द सेवॉय' होटल में शाही इंतजाम किए गए। होटल मैनेजमेंट ने शादी के पलों को यादगार बनाने के लिए किए सारे प्रयास किए।

**छह हजार रुपये प्रति प्लेट खाना :** शादी में सजवाट के अलावा खाने पर विशेष ध्यान दिया गया। खबरों के मुताबिक खाने की कीमत छह हजार रुपये प्रति प्लेट रही। वहीं भव्य मंडप और संगीत समारोह खास आकर्षण का केंद्र रहा।

**केकेआर ने दी बधाई :** कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम ने कुलदीप यादव को शादी की बधाई दी है. फ्रेंचाइजी ने लिखा है, कुलदीप यादव और वंशिका को शादीशुदा जिंदगी की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

- बरारियों में पंडित धीरेंद्र शास्त्री भी शामिल
- रोल्स-रॉयस विंटेज कार से पहुंचे कुलदीप
- तिलक वर्मा और मोहम्मद कैफ परिवार के साथ पहुंचे

# टी-20 विश्व कप विजेता टीम को सम्मानित करेगा बीसीसीआई

## नमन पुरस्कार समारोह आज : कई पुरुष और महिला क्रिकेटरों को मिलेंगे अवॉर्ड

मुंबई, एजेंसी

टी-20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम। फाइल फोटो

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) रविवार को यहां होने वाले अपने वार्षिक नमन पुरस्कार समारोह के दौरान टी-20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को सम्मानित करेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को घोषणा की कि बीसीसीआई नमन पुरस्कार 2026 का मुख्य आकर्षण हाल के समय में आईसीसी खिताब जीतने वाली सभी पांच भारतीय टीमों को सम्मानित करना होगा। गौतम गंभीर की कोचिंग वाली टीम आठ मार्च को अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीन बार टी20 विश्व कप जीतने ओर खिताब का बचाव करने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई। यही नहीं वह घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम भी बन गई है।

इस समारोह में उन अन्य भारतीय टीमों को भी सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने हाल के दिनों में आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं। इनमें 2025 में वनडे विश्व कप जीतने वाली सीनियर महिला टीम, 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली पुरुष टीम, 2026 में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम और 2025 में अंडर-19 टी20 विश्व कप जीतने वाली महिला टीम शामिल हैं। बीसीसीआई ने इसके साथ ही कुछ व्यक्तिगत पुरस्कारों की भी आधिकारिक तौर पर पुष्टि की, जिनके बारे में इस सप्ताह की शुरुआत में पहले ही पता चल गया था। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को 2024-25 सत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष) का पॉली उमरीगर पुरस्कार मिलेगा, जबकि स्मृति मंधाना को अपने करियर में पांचवीं बार सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर (महिला) के रूप में सम्मानित किया जाएगा। पूर्व दिग्गज रोजर बिन्नी और राहुल द्रविड़ को बोर्ड का सर्वोच्च सम्मान कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जबकि पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को बीसीसीआई का महिला लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिलेगा।

बिन्नी भारत की 1983 क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम के सदस्य और टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उन्होंने बाद में कोच, चयनकर्ता और 2022 से 2025 तक बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में खेल की सेवा की। द्रविड़ के नाम पर 24,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन दर्ज हैं। भारत के महानतम बल्लेबाजों में शामिल द्रविड़ ने भारतीय टीम के मुख्य कोच की भूमिका भी निभाई। उनके कोच रहते हुए भारत ने 2024 में टी20 विश्व कप जीता था।

पुरस्कार पाने वाले अन्य खिलाड़ियों में इरा जाधव को सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (घरेलू) के लिए जगमोहन डालमिया ट्रॉफी दी जाएगी, जबकि शेफाली वर्मा को सीनियर घरेलू एकदिवसीय टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर के रूप में सम्मानित किया जाएगा। आयुष म्हात्रे को घरेलू सीमित ओवरों की प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए लाला अमरनाथ पुरस्कार मिलेगा। विदर्भ के हर्ष दुबे को रणजी ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर का पुरस्कार दिया जाएगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंटों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली राज्य एसोसिएशन का पुरस्कार मिलेगा। उसकी टीम ने इस सत्र में चार खिताब जीते और वह दो प्रतियोगिताओं में उपविजेता रही।

# आईपीएल में धोनी का हो सकता है यह अंतिम सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने लगाए कयास

भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) महेंद्र सिंह धोनी का चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की तरफ से एक खिलाड़ी के रूप में यह अंतिम सत्र हो सकता है। जैसे-जैसे 2026 का आईपीएल करीब आ रहा है, धोनी के संन्यास को लेकर चर्चाएं फिर से तेज हो गई हैं। सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को लेकर अपनी टीम से जुड़ा है जिसके बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि धोनी इस बार खेल के मैदान पर कम दिखेंगे और वह मेंटोर की भूमिका निभा सकते हैं।

इरफान ने कहा धोनी के बिना सीएसके की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। हो सकता है कि इस सत्र में हम उन्हें आखिरी बार पीली जर्सी में देखें। लेकिन उनके बिना सीएसके और आईपीएल की कल्पना करना मुश्किल है। उन्होंने कहा आईपीएल शुरू होने के साथ ही हम धोनी को फिर से खेलते हुए देखने लगते हैं। इसका मतलब है कि वह इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं और वह काफी फिट भी दिख रहे हैं। यह 44 वर्षीय खिलाड़ी इस महीने की शुरुआत में चेन्नई में सीएसके शिविर में शामिल हो चुका है और अभ्यास कर रहा है।

### श्रेयस व सॉल्ट को जाने देना केकेआर का गलत फैसला: कुंबले

**मुंबई।** महान क्रिकेटर अनिल कुंबले ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 2024 में खिताब जीतने के बाद श्रेयस अय्यर और फिल सॉल्ट को जाने देकर गलत फैसला किया। उन्होंने कहा कि जब तक तीन बार की आईपीएल चैंपियन टीम अहम खिलाड़ियों को अपने पास बनाए रखने की अहमियत नहीं समझेगी तब तक उसे खिताब का गंभीर दावेदार नहीं माना जा सकता। अय्यर केकेआर छोड़कर पंजाब किंग्स में शामिल हो गए जिसकी कप्तानी करते हुए उन्होंने पिछले सत्र में करीब एक दशक बाद टीम को पहली बार आईपीएल फाइनल में पहुंचाया।

# मयंक चक्रवर्ती ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्वोत्तर से पहले और भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बने

प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी मयंक चक्रवर्ती ने अपने उभरते करियर की आखिरी बाधा पार करते हुए अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल कर लिया, जिससे वह भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बन गए। वह के पूर्वोत्तर से यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

असम के गुवाहाटी के रहने वाले 17 वर्षीय चक्रवर्ती 2024 में इंटरनेशनल मास्टर बने थे। उन्होंने 'होटल स्टॉकहोम नॉर्थ बाय फर्स्ट होटल्स चेस टैलेंट्स टूर्नामेंट' के आठवें दौर में एक दौर बाकी रहते ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने इस दौर में स्वीडिश आईएम फिलिप लिंडग्रेन को हराया। लिंडग्रेन पर जीत के दौरान चक्रवर्ती अपने खेल के चरम पर थे। उन्होंने जरूरी 6.5 अंक जुटाए जो उनका अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म पक्का करने के लिए काफी थे।

आखिरी दौर में उन्होंने इंग्लिश इंटरनेशनल मास्टर जोना बी विलो के साथ एक रोमांचक ड्रॉ खेला और इस तरह अपने अब तक के सबसे यादगार प्रदर्शन पर मुहर लगा दी। इस प्रक्रिया में चक्रवर्ती ने 2500 ईएलको रेटिंग का अहम आंकड़ा भी पार कर लिया। उनकी मौजूदा रेटिंग इस सीमा से कुछ अंक ऊपर है जिससे अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के नियमों के अनुसार उनका ग्रैंडमास्टर खिताब पक्का हो गया है। चक्रवर्ती ने इस दौरान एक बाजी गंवाई, दो ड्रॉ खेले और बाकी छह बाजियां जीती। इस तरह उन्होंने कुल नौ में से सात अंक हासिल किए। साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम कर लिया।

## महिला हॉकी टीम विश्व कप क्वालीफायर के फाइनल में हारी

**हैदराबाद।** भारत को एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के फाइनल में शनिवार को इंग्लैंड से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद टीम ने इस साल होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। दुनिया की छठे नंबर की टीम इंग्लैंड के लिए ग्रेस बाल्सडन ने 13वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 43वें मिनट में एलिजाबेथ नील ने गोल कर इंग्लैंड की बढ़त 2-0 कर दी। भारतीय टीम ने पूरी कोशिश की पर इंग्लैंड की रक्षा पंक्ति को भेद नहीं पाई।

# रोहित को उम्मीद, भारतीय टीमें जीत की लय जारी रखेंगी

मुंबई, एजेंसी

टी-20 मुंबई लीग सीजन 4 के लॉन्च इवेंट के दौरान रोहित शर्मा। एजेंसी

पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को उम्मीद जताई कि भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें हाल के वर्षों में मिली बड़ी जीत की लय को आगे भी बनाए रखेंगी और देश के लिए और उपलब्धियां हासिल करेंगी। भारत ने हाल में आईसीसी टूर्नामेंटों में लगातार सफलता हासिल की है।

2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीता। इसके बाद 2025 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में महिला टीम ने पहली बार आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप का खिताब जीता। इसी साल महिला अंडर-19 टीम ने भी आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप अपने नाम किया। भारत की 2026 की शुरुआत भी शानदार रही। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप जीता जबकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में सीनियर टीम ने रिकॉर्ड तीसरी बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप अपने नाम किया।

रोहित ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले कुछ सालों में भारतीय क्रिकेट टीमों की उपलब्धियां देखकर उन्हें बहुत गर्व होता है। उन्होंने कहा कि पुरुष टीम के साथ-साथ महिला टीम का विश्व कप जीतना भी शानदार पल था। टी20 मुंबई लीग के मुख्य चेहरे रोहित ने यहां पुरुषों के लिए चौथे और महिलाओं के लिए पहले चरण की घोषणा के दौरान कहा, ''पिछले कुछ वर्षों से हम जो कुछ भी देख रहे हैं, उसे देखकर मुझे बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है।

### भारत के खाते में अभी और वैश्विक खिताब आने बाकी

रोहित शर्मा ने उम्मीद जताई कि भारत के खाते में अभी और भी वैश्विक खिताब आने बाकी हैं। हाल में पुरुष टीम ने जो किया, वह असाधारण था। मुझे उम्मीद है कि यह तो बस शुरुआत है। अब यहां से पीछे मुड़कर देखने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि एक बार जब आपको वह लय मिल जाती है तो यह जारी रहती है। हम अक्सर लय के बारे में बात करते हैं। अब पुरुष और महिला, दोनों ही टीमों के पास वह लय मौजूद है। बस यही उम्मीद है कि हम इस लय को आगे भी बनाए रखें। भारत के पूर्व कप्तान ने उन लोगों की भी जमकर तारीफ की जो इस सफलता को मुमकिन बनाने के लिए पर्दे के पीछे रहकर काम करते हैं।

**आग्रह** बैडमिंटन विश्व महासंघ ने वर्तमान तीन गेमों वाली 21 अंक की प्रणाली को 15 अंक में बदलने का किया है प्रस्ताव

# अंक प्रणाली में बदलाव पर सतर्कता बरतनी चाहिए : साइना

नई दिल्ली, एजेंसी

- वर्तमान प्रारूप का किया समर्थन, बोलीं- इसमें बनी रहती है खेल की गति व दमखम

ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) से स्कोरिंग में प्रस्तावित बदलाव पर सतर्कता बरतने का आग्रह किया है और उनका मानना है कि वर्तमान की 21 अंक की प्रणाली खेल की गति और दमखम बनाए रखती है।

बैडमिंटन की विश्व में सर्वोच्च संस्था बीडब्ल्यूएफ ने वर्तमान तीन गेम वाली 21 अंक की प्रणाली को तीन गेम की 15 अंक वाली प्रणाली में बदलने का प्रस्ताव किया है। इस बदलाव पर सदस्य 25 अप्रैल को डेनमार्क के होर्सेंस में बीडब्ल्यूएफ की वार्षिक आम बैठक में मतदान करेंगे। साइना ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा बैडमिंटन की परंपरा समृद्ध है तथा ऑल इंग्लैंड ओपन और बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप जैसे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की गति और सहनशक्ति की परीक्षा होती है। उन्होंने कहा स्कोरिंग या प्रारूप में किसी भी तरह के बदलाव पर सतर्कता पूर्वक विचार किया जाना चाहिए। वर्तमान की 21 अंक वाली प्रणाली अच्छा काम कर रही है और खिलाड़ी इससे अच्छी तरह तालमेल बिठा चुके हैं।

साइना ने कहा यदि कुछ बदलाव किए भी जाते हैं तो यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रैलियों की गुणवत्ता और खेल के प्रतिस्पर्धी संतुलन पर कोई असर न पड़े। निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और खेल भावना पर ही ध्यान केंद्रित रहना चाहिए।'''' बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के लिए प्रस्तावित नए प्रारूप के अनुसार एशिया और यूरोप में होने वाले पांच सुपर 1000 टूर्नामेंटों में एकल वर्ग में एक नया प्रारूप लागू किया जाएगा, जिसमें 48 खिलाड़ी ग्रुप चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगे और उसके बाद नॉकआउट राउंड होंगे। युगल स्पर्धाओं में 32 जोड़ियों के नॉकआउट ड्रॉ होंगे। प्रत्येक सुपर 1000 टूर्नामेंट 11 दिन तक चलेगा। साइना का मानना है कि बीडब्ल्यूएफ को खिलाड़ियों के कल्याण को प्राथमिकता देने की जरूरत है। उनका मानना है कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के कारण आराम के लिए बहुत कम समय बचता है और इससे खिलाड़ियों के चोटिल होने और उन पर थकान हावी होने की संभावना बनी रहती है।

### बैडमिंटन शारीरिक व मानसिक दोनों दृष्टि से मुश्किल खेल

साइना नेहवाल ने कहा बैडमिंटन शारीरिक और मानसिक दोनों दृष्टि से मुश्किल खेल रहा है। इसमें लंबी रैलियां होती हैं और खिलाड़ी लगभग प्रत्येक सप्ताह टूर्नामेंट में खेलते हैं। बीडब्ल्यूएफ ने कैलेंडर को व्यवस्थित करने की कोशिश की है लेकिन एक खिलाड़ी के लिए रिकवरी का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। चोटें और थकान प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती हैं और करियर को भी छोटा कर सकती हैं। साइना ने लक्ष्य सेन की अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के लिए सराहना की जो पिछले सप्ताह ऑल इंग्लैंड ओपन में पुरुष एकल में उपविजेता रहे थे। यह दूसरा मौका था जबकि लक्ष्य सेन इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने कहा, ऑल इंग्लैंड ओपन जैसी बड़ी प्रतियोगिता के फाइनल में दो बार जगह बनाना बड़ी उपलब्धि है। यह शुरू से बैडमिंटन का प्रमुख टूर्नामेंट रहा है।